दिनमान: सूर्योदय 4.51 सूर्यास्त 6.21
तापमान: अधिकतम 33 न्यूनतम 28°

वर्ष 18, अंक 355 पृष्ठ 12
कोलकाता, शुक्रवार, 12 जून 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, द्वादशी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की पहल पर हो रही हैं व्यापक तैयारियां

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोलकाता में योग करेंगे पीएम मोदी, 40000 लोग होंगे शामिल

500 नावों को एक साथ जोड़कर नया रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य

कोलकाता: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पूरी दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनने जा रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को कोलकाता में आयोजित होने वाले भव्य योग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. कार्यक्रम की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं और आयोजकों का दावा है कि इस आयोजन के दौरान कई गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनेंगे. योग प्रशिक्षक और वीवाईएएसए कोलकाता के निदेशक डॉ अभिजीत घोष ने गुरुवार को बताया कि इस बार योग दिवस का फोकस पूरी तरह कोलकाता पर रहेगा. उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों ने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि योग दिवस की थीम और उसका प्रस्तुतीकरण इतने बड़े स्तर पर इतने कम समय में किया जा सकता है. राज्य सरकार के विभिन्न विभाग इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं. उल्लेखनीय है कि सीएम शुभेंदु अधिकारी तैयारियों पर नजर रख रहे हैं। सरकार बनने के बाद पीएम मोदी पहली बार बंगाल आ रहे हैं और उनके स्वागत में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी.

डॉ. घोष ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लगभग 30 से 40 हजार लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे. कार्यक्रम के आयोजन स्थल को लेकर अभी रेड रोड और ब्रिगेड मैदान के बीच अंतिम निर्णय होना बाकी है. बारिश के कारण ब्रिगेड मैदान में कुछ तकनीकी दिक्कतें सामने आई हैं, इसलिए रेड रोड पर आयोजन होने की संभावना भी जताई जा रही है. उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल कोलकाता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे बंगाल में योग का वातावरण बनाया जाएगा. गंगा नदी पर नावों में योगाभ्यास का भी आयोजन होगा. उन्होंने बताया कि अभी तक 450 नावों पर योग का गिनीज रिकॉर्ड है, जबकि बंगाल में 500 नावों को एक साथ जोड़कर नया रिकॉर्ड बनाने की तैयारी चल रही है. गंगा तट, सुंदरबन, गांवों और शहर की गलियों तक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि इसका संदेश समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे. योग के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए डॉ अभिजीत घोष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बेहद व्यस्त दिनचर्या के बावजूद प्रतिदिन योग के लिए समय निकालते हैं. प्रधानमंत्री मोदी आम लोगों के साथ योग करना पसंद करते हैं. उनके लिए कोई विशेष मंच या अलग व्यवस्था नहीं होती. अभ्यास शुरू होने के बाद वे जमीन पर बैठकर अन्य प्रतिभागियों के साथ योग करते हैं. योग को वैश्विक पहचान दिलाने में प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका ऐतिहासिक रही है.

आयोजन की तैयारियों पर डॉ. अभिजीत घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल का स्वास्थ्य विभाग, मुख्यमंत्री कार्यालय, पुलिस प्रशासन, कोलकाता नगर निगम और लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न एजेंसियां मिलकर कार्यक्रम स्थल को अंतिम रूप देने में लगी हुई हैं. उन्होंने कहा कि सरकारी मशीनरी जिस तरह से जुटी हुई है, वह अभूतपूर्व है.उन्होंने आगे बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए लगभग 600 योग शिक्षकों और डेमोंस्ट्रेटरों का चयन किया गया है. स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के परिसर में हाल ही में इनके चयन की प्रक्रिया पूरी हुई. अब इन प्रशिक्षकों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन अभ्यास सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि 21 जून को सभी प्रतिभागी एक समान योग प्रोटोकॉल का पालन कर सकें.

संदेशखाली में फिर मिला हथियारों का जखीरा!

तालाब से 16 बंदूकें और करीब 2000 राउंड कारतूस बरामद

बंगाल एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

संदेशखाली/कोलकाता: शेख शाहजहां के गढ़ रहे उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में एक बार फिर तालाब से भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद हुआ है. बशीरहाट अनुमंडल के संदेशखाली विधानसभा अंतर्गत नेजात थाने के बयारमारी-1 ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले खड़िहाटी श्मशान घाट इलाके के एक तालाब से यह बरामदगी हुई है. बंगाल एसटीएफ और स्थानीय पुलिस ने एक संयुक्त तलाशी अभियान (ज्वाइंट ऑपरेशन) चलाकर 16 बंदूकें और लगभग 2000 राउंड जिंदा कारतूस (गोलियां) बरामद की हैं.

गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर मिला हथियारों का भंडार: प्रशासनिक और पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इसी महीने की 6 जून को संदेशखाली के मणिपुर और कुमड़ोखाली इलाके से भी भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए गए थे. उस मामले में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने कुल छह (6) आरोपियों को गिरफ्तार किया था. बंगाल एसटीएफ के अधिकारियों ने जब इन छह गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उन्होंने खड़िहाटी इलाके के इस श्मशान घाट वाले तालाब में भारी मात्रा में हथियार छुपाए होने की बात कबूल की. इसी पुख्ता इनपुट के आधार पर गुरुवार सुबह ही एसटीएफ और पुलिस की भारी टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया.गोताखोरों की मदद से तालाब से निकाला गया जखीरा: लोकल पुलिस और एसटीएफ के आला अधिकारियों की मौजूदगी में तालाब में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया. कीचड़ और पानी के भीतर छिपे हथियारों को निकालने के लिए विशेष व्यवस्था की गई.

तलाशी के दौरान एक के बाद एक कुल 16 अत्याधुनिक और देसी बंदूकें तथा अलग-अलग बोर के लगभग 2,000 राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए गए. इतनी बड़ी मात्रा में कारतूस और बंदूकें देखकर अधिकारी भी दंग रह गए.

इलाके में सुरक्षा सख्त, जांच में जुटी एसटीएफ: शेख शाहजहां की सरजमीं पर एक के बाद एक तालाबों और गुप्त ठिकानों से हथियारों का मिलना इस बात का साफ संकेत है कि इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध हथियारों को डंप करके रखा गया था. इस नए और विशाल हथियार भंडार की बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई हैं कि इन हथियारों को किस बड़े मकसद या अशांति फैलाने के लिए यहाँ छुपाया गया था और इनके तार किन-किन बड़े चेहरों से जुड़े हैं. घटना को लेकर पूरे संदेशखाली और नेजात थाना क्षेत्र में भारी उत्तेजना का माहौल है और पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

फर्जी सिग्नेचर केस में घिरे अभिषेक

हाई कोर्ट के आदेश के बाद पेश हुए सीआईडी के समक्ष

कोलकाता: विधायकों के फर्जी सिग्नेचर मामले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से सीआईडी ने गुरुवार की शाम को कई घंटे तक पूछताछ की. कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद अभिषेक बनर्जी तय समय से पहले सीआईजी मुख्यालय भवानी भवन पहुंच गए. उनकी कार शाम 5:50 बजे सीआईडी ऑफिस पहुंच गई. अभिषेक बनर्जी गुरुवार को दिल्ली से कोलकाता लौटे. उनका प्लेन शाम 4:20 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरा. इसके बाद वे सीधे कालीघाट में अपने घर गये. शाम 5:45 बजे अभिषेक फिर से घर से निकले और तय समय से पहले भवानी भवन पहुंच गए.

सीआईडी विधानसभा में सिग्नेचर जालसाजी मामले में अभिषेक बनर्जी से पूछताछ करना चाहती है. इससे पहले वे कई बार पेश होने से बच चुके हैं. एक बार उन्होंने शारीरिक बीमारी का हवाला देकर राज्य पुलिस इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट से समय मांगा था. अगली बार वे राजनीतिक कारणों से शहर से बाहर थे. इस बीच, अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया कि सीआईडी उन्हें गिरफ्तार कर सकती है. उन्होंने प्रोटेक्शन के लिए अर्जी दी थी. गुरुवार को हाई कोर्ट के जस्टिस कौशिक चंदर की बेंच में केस की सुनवाई थी. कोर्ट ने उन्हें शाम 6 बजे तक भवानी भवन में पेश होने को कहा था. कहा गया कि अभिषेक बनर्जी को जांच में सहयोग करना होगा, हालांकि, सीआईडी अभी उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर पाएगी. दो हफ्ते बाद केस की फिर से सुनवाई होगी. तब तक अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जा सकती. सुनवाई से पहले अभिषेक बनर्जी के वकील और पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी केस से हट गए. उन्होंने अभिषेक के 'घमंड' के खिलाफ पब्लिक में बात की है. उन्होंने कहा है कि अगर अभिषेक बनर्जी उनके साथ हैं, तो वह ममता बनर्जी के साथ नहीं रह पाएंगे. ममता बनर्जी को उनके और अभिषेक बनर्जी में से किसी एक को चुनना होगा. पेज 9 पर जारी

पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मी मारे गये

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक एमआई-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ. हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है. हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे.शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे. वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है. इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है. मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई. पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका.

पूर्व सीएम ममता से बोले सांसद व वकील कल्याण बनर्जी

अभिषेक या मुझमें से किसी एक को चुनें

अभिषेक अहंकारी, उसके कारण पार्टी खत्म हुई ● उसकी अनादर करने की आदत नहीं बदली

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से तृणमूल कांग्रेस घास के तिनके की तरह बिखरती दिख रही है. इसकी शुरुआत पहले विधानसभा के स्तर पर शुरू हुई, जो राज्यसभा तक जा पहुंची. पिछले तीन दिन में पार्टी के तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दिया है. अब टीएमसी के बड़े नेता कल्याण बनर्जी के आरोपों ने पार्टी को अंदर तक झकझोर दिया है. दरअसल, कल्याण बनर्जी हस्ताक्षर जालसाजी के मामले में अभिषेक बनर्जी के वकील के तौर पर कोर्ट की सुनवाई में शामिल हुए. लेकिन, इस सुनवाई के दौरान अभिषेक बनर्जी के न मौजूद रहने पर

उन्होंने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से साफ कहा है कि वे उनमें और अभिषेक बनर्जी में से एक को चुनें. इस मामले पर विस्तार से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सीआईडी से जुड़ा यह मामला असल में पहले ही फाइल किया गया था. पेज 9 पर जारी

प्रकाश चिक बड़ाईक और कोयल मल्लिक ने भी पार्टी छोड़ी

कोलकाता: बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी पराजय के बाद तृणमूल कांग्रेस का संकट लगातार गहराता जा रहा है. पार्टी के भीतर शुरू हुई बगावत विधानसभा से लेकर संसद तक पहुंच चुकी है. गुरुवार को राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक और अभिनेत्री-सांसद कोयल मल्लिक ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया. इसके साथ ही पिछले चार दिनों में राज्यसभा से इस्तीफा देने वाले तृणमूल सांसदों की संख्या चार हो गई है. इससे पहले सुखेंदु शेखर राय और सुष्मिता देव भी उच्च सदन की सदस्यता छोड़ चुके हैं.प्रकाश चिक बड़ाईक ने इस्तीफे के बाद कहा कि हालिया चुनाव में जनता ने जो जनादेश दिया है, उसका सम्मान करते हुए उन्होंने यह फैसला लिया है. उन्होंने तृणमूल छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि भविष्य में वह मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार ही काम करेंगे.कभी अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाले बड़ाईक को 2023 में तृणमूल ने राज्यसभा भेजा था और 2024 के लोकसभा चुनाव में अलीपुरद्वार से उम्मीदवार भी बनाया था. पेज 9 पर जारी

कांग्रेस ने तृणमूल के विलय की खबरों को 'बेबुनियाद' कहा

अधीर रंजन चौधरी व अब्दुल मन्नान ने दिया था बड़ा संकेत

टीएमसी को गले लगाया तो बंगाल कांग्रेस में तय थी बगावत

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने तृणमूल कांग्रेस के साथ पार्टी विलय की खबरों को कोरी अफवाह बताया है. उन्होंने कहा कि ममता और अभिषेक बनर्जी की सोनिया व राहुल गांधी से मुलाकात सिर्फ इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के लिए थी. इसके साथ ही कांग्रेस ने महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ 3 महीने के देशव्यापी आंदोलन का एलान किया है. उन्होंने इसे सिर्फ एक सामान्य शिष्टाचार और नियमित चर्चा कहा.वेणुगोपाल ने आगे कहा, 'यह बैठक सिर्फ इंडिया गठबंधन की चर्चा का एक विस्तार मात्र थी क्योंकि आज हर कोई इंडिया गठबंधन को मजबूत करना चाहता है. इस जनविरोधी और अलोकतांत्रिक सरकार के खिलाफ लड़ाई को हर कोई धार देना चाहता है.' उन्होंने साफ

लहजे में कहा, 'हम इस रास्ते पर साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे. हमारी बातचीत का एकमात्र बिंदु यही था, इसके अलावा और कुछ नहीं.' दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के कांग्रेस में दोबारा विलय की अटकलों को तब बल मिला, जब तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से अकेले में मुलाकात की. इसके ठीक अगले दिन बुधवार को तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी नई दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से वन-टू-वन मुलाकात की थी. इन बैक-टू-बैक मुलाकातों के बाद सियासी गलियारों में कयासबाजी तेज हो गई थी. बता दें कि साल 2011 में ममता बनर्जी कांग्रेस के समर्थन से पश्चिम बंगाल की सत्ता में आई थीं. उस समय कांग्रेस राज्य सरकार का हिस्सा भी थी. लेकिन 2012 में दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए और तब से उनके संबंधों में कई बार तनाव देखने को मिला. ऐसे में दोनों दलों के शीर्ष नेताओं की हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक पर्यवेक्षकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है. हालांकि संभावित सुलह की चर्चाओं के बीच पश्चिम बंगाल कांग्रेस के भीतर मतभेद भी खुलकर सामने आने लगे हैं. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल मन्नान ने ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह के राजनीतिक समझौते का खुलकर विरोध किया है.

ऋतब्रत बने रहेंगे नेता प्रतिपक्ष ?

कोर्ट का स्पीकर के फैसले पर अंतरिम रोक से इनकार ■ 16 जून को होगी मामले की अगली सुनवाई

कोलकाता: टीएमसी के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष की ओर से विधायक ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने के फैसले को चुनौती दी है. चट्टोपाध्याय ने गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में कहा कि यह कदम संविधान की मूल संरचना के खिलाफ है.

वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी शोभनदेब चट्टोपाध्याय की 0ओर से पेश हुए. उन्होंने जस्टिस कृष्णा राव के

समक्ष कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने विधानसभा अध्यक्ष को पार्टी के फैसले की जानकारी दे दी थी. जिसमें शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया था. उन्होंने दलील दी कि ऐसा फैसला लेने का अधिकार विधायी दल के बजाय राजनीतिक दल के पास होता है और विधानसभा अध्यक्ष पार्टी की ओर से चुने गए व्यक्ति को स्वीकार करने के लिए बाध्य हैं. कल्याण बनर्जी ने अदालत से कहा, विधानसभा अध्यक्ष का यह कदम संविधान की मूल संरचना पर आघात करता है. शोभनदेब चट्टोपाध्याय और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पेज 9 पर जारी

पीएम मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक

कई राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम रहे मौजूद

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक हुई. इस बैठक में भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने का लक्ष्य पाने के लिए समावेशी मानव विकास की रणनीति और उसे देश के हर नागरिक तक पुख्ता नतीजों के रूप में पहुंचाने पर विचार-विमर्श किया गया. इस वर्ष की बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल हुए. बैठक में समावेशी मानव विकास रूपरेखा' पर चर्चा हुई. नीति आयोग द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार, इस वर्ष की बैठक का विषय 'विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास' है. इसका उद्देश्य उम्र, क्षेत्र, लिंग और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना प्रत्येक भारतीय के कल्याण और विकास को सुनिश्चित करना है. बयान में कहा गया है कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में इस दृष्टि को साकार करने तथा इसे देश के प्रत्येक नागरिक के पेज 9 पर जारी

बर्धमान स्टेशन का नाम अब बर्द्धमान महावीर धाम होगा

जैन समाज के अनुरोध पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का फैसला ● नवद्वीप स्टेशन श्री गौरांग महाप्रभु चैतन्य धाम कहलायेगा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल का ऐतिहासिक नगर 'बर्द्धमान' भारत की प्राचीन सांस्कृतिक, आध्यात्मिकता एवं धार्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है. इस नगर का ऐतिहासिक नाम वर्धमान है, जो भगवान महावीर स्वामी के बाल्यकालीन नाम वर्धमान से जुड़ा हुआ माना जाता है. यह तथ्य इस नगर को जैन धर्म की गौरवशाली परंपरा से विशेष रूप से संबद्ध करता है. जैन समाज के अनुरोध पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बर्द्धमान रेलवे स्टेशन का नाम बर्द्धमान महावीर धाम करने का निर्णय लिया है. इसके अतिरिक्त कटवा जंक्शन का अजयपुर जंक्शन, अम्बिका कलना का श्री अम्बिका देवी कलना एवं नवाद्वीप स्टेशन का नाम श्री गौरांग महाप्रभु चैतन्य धाम रखा है.

बर्द्धमान का नाम जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर, भगवान महावीर के नाम पर 'वर्धमान' पड़ा है, क्योंकि जैन कल्पसूत्र के अनुसार उन्होंने यहाँ अपने धर्म का प्रचार किया था. इसके अलावा, यह पूरा क्षेत्र प्राचीन 'राढ़' बंगाल का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है. ऐतिहासिक रूप से पाषाण युग से जुड़ा यह नगर जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की अनूठी भूमि है. यहाँ की समृद्ध विरासत में भव्य मंदिर, राजसी महल और ऐतिहासिक स्मारक शामिल हैं. अपनी यात्रा के दौरान भगवान महावीर ने कुछ समय 'आस्तिकग्राम'

नामक स्थान पर बिताया था. उनके वहां निवास करने और उनके सम्मान में, उस स्थान का नाम बदलकर उनके बचपन के नाम पर 'वर्धमान ' कर दिया गया. समय के साथ, बंगाली भाषा के स्थानीय उच्चारण के प्रभाव में 'वर्धमान' शब्द 'बर्द्धमान' में तब्दील हो गया. बाद में ब्रिटिश काल के दौरान इसका अंग्रेजीकरण 'बर्दवान' के रूप में हुआ. बर्द्धमान का भगवान महावीर से यह जुड़ाव केवल साहित्यिक नहीं है, बल्कि जमीन पर भी इसके स्पष्ट पुरातात्विक प्रमाण मौजूद हैं.

बर्द्धमान जिले के कटवा के पास और विद्यासागर मंदिर (मिदनापुर) के संग्रह में कई प्राचीन जैन मूर्तियां और पीतल की पट्टिकाएं मिली हैं. बर्द्धमान, बांकुड़ा और पुरुलिया के पूरे सीमांत क्षेत्र में आज भी 24 तीर्थंकरों से जुड़े कई प्राचीन पत्थर की मूर्तियां और अवशेष मिलते हैं. इससे यह साबित होता है कि भले ही भगवान महावीर ने स्वयं कुछ विशिष्ट क्षेत्रों का दौरा किया हो या न किया हो, उनके अनुयायियों ने इस पूरे क्षेत्र में जैन धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार किया था. इतिहासकारों का एक दूसरा वर्ग बर्द्धमान के नामकरण की व्याख्या भाषाई और आर्यों के विस्तार के दृष्टिकोण से करता है. संस्कृत की 'वर्ध' धातु से बने 'वर्धमान' शब्द का अर्थ है - 'बढ़ता हुआ' या 'समृद्ध'. इस मत के अनुसार, प्राचीन काल में जब ऊपरी गंगा घाटी से आर्य संस्कृति पूर्व की ओर फ़ैल रही थी, तो यह क्षेत्र उनके विस्तार और समृद्धि का एक प्रमुख सीमांत केंद्र बन गया था.

इसी बढ़ती हुई समृद्धि को दर्शाने के लिए इसे 'वर्धमान' कहा गया. यद्यपि दोनों मतों का अपना ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन बंगाल के इतिहास और स्थानीय मान्यताओं में भगवान महावीर ('वर्धमान') के साथ बर्द्धमान का जुड़ाव सबसे अधिक प्रामाणिक और व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है.

न्यूज कॉर्नर

खोरीबाड़ी पंचायत समिति में अविश्वास प्रस्ताव, बोर्ड पर संकट गहराया

सिलीगुड़ी : खोरीबाड़ी पंचायत समिति में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. गुरुवार को असंतुष्ट सदस्यों ने वर्तमान बोर्ड के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव (नो-कॉन्फिडेंस मोशन) दाखिल कर दिया. यह प्रस्ताव सिलीगुड़ी के महकमा शासक (एसडीओ) के कार्यालय में जमा किया गया, जिसके बाद इलाके की राजनीति गरमा गई है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पंचायत समिति में कुल 12 सदस्य हैं, जिनमें नौ तृणमूल कांग्रेस और तीन भाजपा के है. बदलते राजनीतिक समीकरणों के चलते अधिकांश सदस्य वर्तमान अध्यक्ष रत्ना राय सिन्हा और बोर्ड से असंतुष्ट बताए जा रहे है. अविश्वास प्रस्ताव पर बहुमत सदस्यों के हस्ताक्षर है. प्रस्ताव देने वाले सदस्यों का आरोप है कि मौजूदा बोर्ड आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है और क्षेत्र में विकास कार्य ठप पड़े है. उन्होंने समिति के भीतर समन्वय की कमी और एकतरफा फैसले लेने का भी आरोप लगाया है.सदस्यों ने एसडीओ से हस्तक्षेप की मांग करते हुए जल्द से जल्द अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान की तारीख घोषित करने की अपील की है, ताकि नया बोर्ड गठित किया जा सके.वहीं, एसडीओ कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया की जांच की जा रही है. सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए जल्द ही अगला कदम उठाया जाएगा और तय समय के भीतर मतदान या नए बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है.गौरतलब है कि हाल ही में फांसीदेवा पंचायत समिति की अध्यक्ष रीना एक्का के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था.

भाजपा विधायक के सहयोगी के परिवार को धमकी, तृणमूल नेता गिरफ्तार

मेदिनीपुर : भाजपा विधायक के निजी सहयोगी (पीए) के परिवार को कथित रूप से अपहरण की धमकी देने के आरोप में एक तृणमूल नेता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई पूर्व तृणमूल विधायक के करीबी बताए जाने वाले नेता के खिलाफ दर्ज शिकायत के आधार पर की गई.पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित का नाम पवित्र बेज है. वह महिषादल के पूर्व तृणमूल विधायक तिलक कुमार चक्रवर्ती का करीबी माना जाता है. आरोप है कि उसने महिषादल के वर्तमान भाजपा विधायक सुभाषचंद्र पांजा के निजी सहयोगी रामकृष्ण दास की पत्नी और बच्चों को अपहरण की धमकी दी थी.रामकृष्ण दास ने इस संबंध में महिषादल थाने में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपित पवित्र बेज को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने बताया कि आरोपित को गुरुवार को हल्दिया महकमा अदालत में पेश किया जाएगा.रामकृष्ण दास ने कहा कि पवित्र बेज ने उनकी पत्नी, बेटे और बेटी को अगवा करने की धमकी दी थी. उन्होंने पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कदम उठाया और आवश्यक कार्रवाई की.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

थाना परिसर में तनावपूर्ण स्थिति, गिरफ्तार तृणमूल नेता पर भाजपा समर्थकों ने फेंके अंडे

पश्चिम बर्दवान : गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस नेता सुकुमार दत्ता को अदालत ले जाने के दौरान दुर्गापुर थाना परिसर में उस समय तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई. भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका विरोध किया.

सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह न्यू टाउनशिप थाना से सुकुमार दत्ता को दुर्गापुर महकमा अदालत ले जाया जा रहा था. इसी दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता थाना परिसर के बाहर एकत्र हो गए और उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी.आरोप है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने सुकुमार दत्ता को निशाना बनाकर अंडे भी फेंके. घटना के बाद थाना परिसर में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए न्यू टाउनशिप थाना पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी.पुलिस सूत्रों के अनुसार, दुर्गापुर के न्यू टाउनशिप थाना क्षेत्र के निवासी सुकुमार दत्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार, आतंक फैलाने और कथित तौर पर वसूली करने से संबंधित शिकायतें दर्ज की गई थीं.

जंगीपुर महकमा अस्पताल में इंजेक्शन लगाने के बाद बीमार पड़े कई मरीज, जांच की मांग

मुर्शिदाबाद : जिले के जंगीपुर महकमा अस्पताल में एक ही वार्ड में इलाज करा रहे कई रोगियों ने इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उनकी हालत बिगड़ने की शिकायत की है. घटना को लेकर गुरुवार को अस्पताल परिसर में तनाव व्याप्त हो गया और रोगियों के रिश्तेदारों ने गुस्सा जाहिर किया.अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को वार्ड में भर्ती कुछ रोगियों को नियमित उपचार के तहत निर्धारित इंजेक्शन दिए गए थे. आरोप है कि इंजेक्शन के तुरंत बाद, कुछ रोगियों ने असुविधा, शारीरिक कमजोरी और अन्य शारीरिक समस्याओं की सूचना दी.रोगियों और परिवार के सदस्यों का दावा है कि उसके बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी. घटना की खबर जैसे ही तेजी से फैली, अस्पताल परिसर में चिंता का माहौल बन गया. रोगियों के रिश्तेदारों ने चिकित्सा लापरवाही का आरोप लगाते हुए घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की. जैसे ही स्थिति तनावपूर्ण हुई, अस्पताल के अधिकारी प्रशासन और पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला.अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि संक्रमित रोगियों को कड़ी निगरानी में रखा गया है. उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान किया जा रहा है. हालांकि, यह अभी तक निश्चित नहीं है कि इंजेक्शन लगाने और रोगियों की शारीरिक स्थिति में गिरावट के बीच कोई सीधा संबंध है या नहीं.

पूर्व पार्षद संजय नोनिया पर भाजपा कार्यकर्ता और उसके परिवार पर हमले का आरोप

पश्चिम बर्दवान : नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप मे 12 साल पूरे होने के मौके पर कुल्टी विधानसभा के मंडल-4 अंतर्गत धेमोमेन शिव मंदिर न्यू क्वार्टर के समीप बुधवार रात भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पूजा-अर्चना एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के शांतिपूर्ण समापन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की घटना सामने आई.भाजपा कार्यकर्ता बिरजू यादव ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं भव्य तरीके से संपन्न हुआ था. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद तृणमूल के पूर्व नेता एवं आसनसोल नगर निगम के पूर्व पार्षद संजय नोनिया, उनके पिता रोहित नोनिया, बलबीर नोनिया, राहुल नोनिया, मनोज नोनिया तथा 20 से 25 अन्य लोगों ने उन पर और उनके परिजनों पर हमला कर दिया.बिरजू यादव के अनुसार, हमलावरों ने उनसे पूछा कि वे भाजपा का कार्यक्रम किसकी अनुमति से कर रहे हैं और क्यों कर रहे हैं, जिसके बाद उनके साथ मारपीट की गई.घटना में बिरजू यादव सहित कई भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गए. सभी घायलों को उपचार के लिए आसनसोल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है.पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है तथा दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी. रोहित नोनिया के रेलवे साइडिंग पर लोगों के जमावड़े को देखते हुए पुलिस ने साइडिंग पर काम बंद करवा दिया.इसके बाद इलाके के कुछ महिलाओं ने इसके विरोध में प्रदर्शन करना शुरू किया लेकिन पुलिस के चेतावनी के बाद महिलाएं वापस अपने घरों को चली गई.

पुरशुड़ा में तृणमूल उपप्रधान आजिम मलिक गिरफ्तार

अदालत ले जाते समय लगे 'चोर-चोर' के नारे

हुगली : जिले के पुरशुड़ा क्षेत्र स्थित श्रीरामपुर ग्राम पंचायत के तृणमूल कांग्रेस के उपप्रधान आजिम मलिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. गुरुवार को जब पुलिस उन्हें अदालत में पेश करने के लिए ले जा रही थी, तब वहां मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'चोर-चोर' के नारे लगाए.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आजिम मलिक को पुरशुड़ा विधानसभा क्षेत्र का एक प्रभावशाली तृणमूल नेता माना जाता रहा है. उनके खिलाफ क्षेत्र में कथित रूप से लूटपाट, रंगदारी वसूली, धमकी देने और मारपीट समेत कई गंभीर आरोप लगाए जाते रहे हैं.अदालत ले जाने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए 'चोर-चोर' के नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए स्थानीय भाजपा नेताओं ने दावा किया कि तृणमूल शासन के दौरान आरोपित नेता ने क्षेत्र में व्यापक भ्रष्टाचार और अनियमितताएं की हैं.

उनका कहना था कि ङ्गजिसने जनता का हक लूटा है, उसे चोर कहना गलत नहीं है.घटना के दौरान अदालत परिसर और आसपास के इलाके में पुलिस की विशेष निगरानी देखी गई. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है.गिरफ्तारी को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है.

रंगदारी वसूली, मारपीट और जमीन हड़पने के आरोप में तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष गिरफ्तार

हुगली : तृणमूल कांग्रेस के गोघाट-2 ब्लॉक अध्यक्ष सौमेन दिगार को पुलिस ने बुधवार रात उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया. उनके खिलाफ रंगदारी वसूली, मारपीट, धमकी देने और जमीन हड़पने समेत कई गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया गया है.गुरुवार को पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सौमेन दिगार वर्तमान में गोघाट-2 ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर हैं. बताया जाता है कि वह आरामबाग संगठनात्मक जिले के तृणमूल अध्यक्ष रामेंदु सिंह राय के करीबी माने जाते हैं. उनके खिलाफ गैर-जमानती धाराओं सहित कई गंभीर आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है.भाजपा नेताओं का आरोप है कि तृणमूल शासन के दौरान सौमेन दिगार और उनके समर्थकों ने क्षेत्र में भय का माहौल बना रखा था. भाजपा का दावा है कि विरोध करने वालों के साथ मारपीट की जाती थी और आम लोगों की जमीन जबरन अपने नाम कराने के भी कई आरोप उनके खिलाफ हैं.इन्हीं शिकायतों और आरोपों के आधार पर गोघाट थाने की पुलिस ने बुधवार देर रात कार्रवाई करते हुए सौमेन दिगार को गिरफ्तार कर लिया. गुरुवार को उन्हें आरामबाग महकमा अदालत में पेश किया गया.गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है.

आसनसोल : अतिक्रमण हटाने में देरी पर चेंबर ने उठाए सवाल

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल के हाट्टन रोड क्षेत्र में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाओ अभियान में लगातार हो रही देरी को लेकर शहर में चर्चा तेज हो गई है. इस मुद्दे पर आसनसोल चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव शंभुनाथ झा ने नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मेयर विधान उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा है. ज्ञापन में नगर निगम की पूर्व घोषणाओं और वर्तमान स्थिति के बीच अंतर को लेकर चिंता जताई गई है.ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम प्रशासन ने पहले हाट्टन रोड से अतिक्रमण हटाने के लिए एक निश्चित तिथि घोषित की थी. व्यापारियों और स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि तय कार्यक्रम के अनुसार सड़क को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया जाएगा. हालांकि बाद में नगर निगम द्वारा जारी अधिसूचना के माध्यम से अभियान को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया.चेंबर ऑफ कॉमर्स का आरोप है कि स्थगन अवधि समाप्त होने के बाद भी अभियान शुरू नहीं किया गया, जिससे व्यापारिक समुदाय और आम नागरिकों में असंतोष बढ़ रहा है. ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम समय-समय पर घोषणाएं तो करता है, लेकिन उनके क्रियान्वयन में अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं देती, जिससे प्रशासन की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है.शंभुनाथ झा ने कहा कि हटन रोड शहर का महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्र है, जहां लंबे समय से अतिक्रमण की समस्या बनी हुई है. सड़क के दोनों ओर बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. उनका कहना है कि समयबद्ध कार्रवाई से इस समस्या का समाधान संभव है.ज्ञापन के माध्यम से नगर निगम प्रशासन से अतिक्रमण हटाने को लेकर स्पष्ट कार्ययोजना सार्वजनिक करने की मांग की गई है, ताकि व्यापारियों और नागरिकों के बीच किसी प्रकार का भ्रम न रहे. साथ ही प्रशासन से निर्णयों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है.शहर के विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की है. उनका कहना है कि अतिक्रमण की समस्या केवल यातायात बाधित नहीं करती, बल्कि अग्निशमन सेवाओं, आपातकालीन सहायता और शहरी सौंदर्यीकरण पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है.फिलहाल इस मामले में नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है.

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श जारी है और उचित समय पर आवश्यक निर्णय लिया जाएगा.

हटन रोड अतिक्रमण का मुद्दा फिलहाल शहर में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है. नागरिकों और व्यापारिक संगठनों की निगाहें अब नगर निगम की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं. लोगों का मानना है कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रशासन को शीघ्र और प्रभावी कदम उठाने होंगे, ताकि शहर में सुचारु यातायात और व्यवस्थित शहरी व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके.

अवैध देशी शराब का अड्डा ध्वस्त, लाखों का सामान जब्त

जलपाईगुड़ी : जिले के राजगंज इलाके में पुलिस ने अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अड्डे को ध्वस्त कर दिया. मिली सूचना के आधार पर गुरुवार को शिकारपुर ग्राम पंचायत के उत्तर बंगाल फार्म के समीप यह अभियान चलाया गया गया.गुरुवार सुबह बेलाकोबा चौकी की पुलिस टीम ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ संयुक्त रूप से छापेमारी की. तलाशी के दौरान मौके से अवैध शराब बनाने का सामान बरामद हुआ.पुलिस के अनुसार, अभियान में तीन शराब बनाने के छह एल्युमिनियम के बर्तन, दो फ्लैनल, करीब 30 किलो गुड़, लगभग 60 लीटर तैयार चुलाई शराब तथा दस प्लास्टिक के जार में रखा करीब 200 लीटर फर्मेंटेड वॉश बरामद किया गया. बरामद किए गए सभी अवैध शराब और उपकरणों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया. इस मामले में संदिग्ध आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

दासपुर में छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोप पर हंगामा, शिक्षक को जूतों की माला पहनाकर किया प्रदर्शन

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के दासपुर क्षेत्र में एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक पर छात्राओं से अनुचित व्यवहार का आरोप लगने के बाद बुधवार को भारी हंगामा हो गया. आक्रोशित ग्रामीणों ने शिक्षक का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया. स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और केंद्रीय बल को मौके पर पहुंचना पड़ा.जानकारी के अनुसार, एरेटी नेताजी प्राथमिक विद्यालय की कुछ छात्राओं ने अपने परिजनों को बताया कि टिफिन के समय एक शिक्षक उन्हें अलग बुलाकर अनुचित तरीके से छूते थे और उनके साथ गलत व्यवहार करते थे. परिजनों का आरोप है कि इस प्रकार की घटनाएं पहले भी हुई हैं.

आरोप सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया. ग्रामीणों ने आरोपित शिक्षक स्वपन कांदार को पकड़कर जूतों की माला पहनाई और विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान धक्का-मुक्की और मारपीट की गई.

घटना की जानकारी पाकर पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे तथा शिक्षक को वहां से सुरक्षित निकालकर अपने साथ ले गए. इसके बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया.वहीं, बुधवार देर शाम आरोपित शिक्षक ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह विद्यार्थियों को स्नेह और अपनत्व के साथ पढ़ाते हैं.

उनका दावा है कि राजनीतिक कारणों से उन्हें निशाना बनाया गया है. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनके किसी व्यवहार से किसी को ठेस पहुंची है तो वह उसके लिए खेद व्यक्त करते हैं.

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने और आरोपों की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा.

अन्नपूर्णा योजना का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष पहल

पश्चिम बर्दवान : बाराबनी विधानसभा क्षेत्र के नुनी ग्राम पंचायत अंतर्गत 281 नंबर आईसीडीएस केंद्र, बाजपाड़ा में गुरुवार को शिविर आयोजित किया गया. डबल इंजन सरकार की जनमुखी योजना अन्नपूर्णा योजना का लाभ आम लोगों तक शीघ्र पहुंचाने के उद्देश्य से इस विशेष शिविर में लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भरने तथा आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित सहायता प्रदान की गई.विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति बहुल इस क्षेत्र के लोगों को योजना से जोड़ने और उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव सहयोग किया गया. उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनी गईं तथा उन्हें आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई.सरकारी योजनाओं और सेवाओं को आम जनता के द्वार तक पहुंचाना तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करना ही हमारा संकल्प है. अन्नपूर्णा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसी उद्देश्य के साथ यह प्रयास लगातार जारी रहेगा.

प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : नेपाल सीमा से सटे खोरीबाड़ी इलाके में घर से चल रहे कथित मादक पदार्थ कारोबार का पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपित का नाम रतन राय है.पानीटंकी के गौरसिंहजोत स्थित काली मंदिर इलाके में खोरीबाड़ी थाना और पानीटंकी चौकी की संयुक्त टीम ने बुधवार देर रात छापेमारी की.मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, जो उसी इलाके का निवासी है.पुलिस ने आरोपित को आज सिलीगुड़ी सब-डिविजनल कोर्ट में पेश करेगी.

रामजीवनपुर नगर पालिका चेयरमैन पर 15 लाख के गबन का आरोप

रामजीवनपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के रामजीवनपुर नगर पालिका के चेयरमैन के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (इगझ) ने मोर्चा खोल दिया है. बीजेपी कार्यकर्ताओं ने चेयरमैन के वित्तीय घोटाले का पर्दाफाश करने का दावा करते हुए आज पूरे नगर पालिका क्षेत्र में जगह-जगह पोस्टर और होर्डिंग्स लगा दिए हैं.बीजेपी नेतृत्व का दावा है कि उनके हाथ पुख्ता आरटीआई और आधिकारिक दस्तावेज लगे हैं, जिनसे यह साबित होता है कि तृणमूल कांग्रेस (ढचउ) संचालित इस नगर पालिका के चेयरमैन कल्याण तिवारी ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'अमृत भारत परियोजना' के कुल 15 लाख 49 हजार रुपये का गबन किया है. इस घोटाले में उन्होंने अपनी पत्नी का भी इस्तेमाल किया है.पत्नी के फर्जी स्वयं सहायता समूह (डकऋ) में भेजे लाखो रुपयेबीजेपी द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के अनुसार:चेयरमैन कल्याण तिवारी ने अपनी पत्नी मिट्टू तिवारी के नाम पर एक फर्जी महिला स्वयं सहायता समूह (का गठन किया.बिना कोई काम किए, इस समूह के जरिए चेयरमैन ने सीधे अपनी पत्नी के बैंक खाते में 6 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए.,दस्तावेजों के साथ मैदान में उतरी बीजेपी, जांच की मांगइन तमाम तकनीकी और वित्तीय सबूतों को हाथ में लेकर आज सुबह से ही बीजेपी के कार्यकर्ता और समर्थक रामजीवनपुर के विभिन्न वार्डों और सार्वजनिक स्थानों पर सड़कों पर उतर आए. कार्यकर्ताओं ने चेयरमैन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पूरे शहर की दीवारों पर विरोध प्रदर्शन के पोस्टर चिपकाए.स्थानीय बीजेपी नेताओं ने मांग की है

तृणमूल-घनिष्ठ पार्षद के गोदाम में मिली सरकारी बाल्टियां

बांकुड़ा : बांकुड़ा नगर पालिका क्षेत्र में सरकारी परियोजना की बाल्टियां एक गोदाम में मिलने के आरोप को लेकर गुरुवार को राजनीतिक विवाद शुरू हो गया. आरोप है कि वार्ड नंबर एक के निर्दलीय पार्षद देवाशीष लाहा के गोदाम में बड़ी संख्या में सरकारी बाल्टियां रखी गई थीं. इस खबर के सामने आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्षद के खिलाफ प्रदर्शन किया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सरकारी परियोजना की बाल्टियां ई-रिक्शा में लादकर नगर पालिका परिसर में लाने की कोशिश की जा रही थी. भाजपा कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने जांच-पड़ताल शुरू की.

आरोप है कि बाल्टियां देवाशीष लाहा के गोदाम से लाई जा रही थीं, जो उनके कार्यालय के पीछे स्थित है.भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस पहुंची और हालात को नियंत्रित किया.भाजपा का आरोप है कि आम लोगों के लिए आवंटित सरकारी सामग्री को गोदाम में जमा कर रखा गया था.घटना के बाद से देवाशीष लाहा का कोई पता नहीं चल पाया है. फोन करने पर भी उनसे संपर्क नहीं हो सका. भाजपा नेता रंजीत मजूमदार ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि नगर पालिका की सामग्री निजी गोदाम में कैसे पहुंची, इसकी जांच होनी चाहिए.

डेबरा में तृणमूल उपप्रधान चंदन बेरा गिरफ्तार, अदालत ने पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के डेबरा ब्लॉक अंतर्गत सत्यपुर ग्राम पंचायत के उपप्रधान चंदन बेरा को पुलिस ने भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है. गुरुवार को उन्हें गिरफ्तारी के बाद मेदिनीपुर जिला अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने पांच दिनों की पुलिस हिरासत का आदेश दिया.जानकारी के अनुसार, डेबरा के आलोक केंद्र इलाके में हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध प्रदर्शन हुआ था. आरोप है कि इसी मामले की जांच के दौरान पुलिस ने चंदन बेरा को गिरफ्तार किया.

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, ग्रामीणों ने उपप्रधान पर विभिन्न अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे. विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके घर के बाहर एकत्र हुए और घेराव किया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची.ग्रामीणों ने उपप्रधान के घर में सरकारी सामान जमा होने का आरोप लगाया. इसके बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया, जिसमें बड़ी संख्या में सरकारी बाल्टियां बरामद होने की बात सामने आई है. इस घटना के बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया तथा उन्होंने उपप्रधान की गिरफ्तारी की मांग की.विरोध प्रदर्शन के दौरान उपप्रधान के दो वाहनों में तोड़फफोड़ भी की गई. पुलिस जब उन्हें सुरक्षा कारणों से वहां से निकालकर थाने ले जा रही थी, तब कुछ प्रदर्शनकारियों ने उन पर अंडे फेंके और मारपीट करने का भी प्रयास किया. पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर उन्हें सुरक्षित थाने पहुंचाया.पुलिस ने बताया कि हिरासत के दौरान चंदन बेरा से पूछताछ कर मामले से जुड़े आरोपों और अन्य तथ्यों की जांच की जाएगी. घटना के बाद इलाके में राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है. मामले की जांच जारी है.

जनहित से जुड़े कार्यों में नहीं होगी देरी, जरूरत पड़ी तो खुद करूंगा निरीक्षण : मंत्री भास्कर

हुगली : पश्चिम बंगाल सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग) एवं श्रम राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने कहा है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने का वह पूरा प्रयास करेंगे. उन्होंने कहा कि उनके विभाग पर बड़ी जिम्मेदारी है और जनता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा. विशेष बातचीत में मंत्री भट्टाचार्य ने कहा कि लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत पेयजल, सीवरेज, डिजास्टर मैनेजमेंट और आम लोगों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाएं आती हैं. इन योजनाओं पर पिछले वर्षों में भारी मात्रा में धन खर्च किया गया, लेकिन कई जगहों पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दिए.उन्होंने कहा, ङ्गकई परियोजनाओं में खर्च तो हुआ है, लेकिन काम जमीन पर नजर नहीं आ रहा. ऐसे मामलों की जांच कराई जाएगी. अधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित और अधूरे कार्यों की समीक्षा की गई है. अब प्रत्येक परियोजना को तय समय सीमा के भीतर पूरा करना होगा.ङ्गमंत्री ने स्पष्ट किया कि विभागीय कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और जरूरत पड़ने पर वह स्वयं विभिन्न परियोजनाओं का औचक निरीक्षण

करने के लिए क्षेत्र में जाएंगे.उद्योग और श्रमिकङ्ख दोनों के हितों का रखा जाएगा ध्यानश्रम विभाग की कार्ययोजना पर बोलते हुए भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में लागू श्रम कानून संतुलित, पारदर्शी और सभी पक्षों के हितों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं. सरकार उद्योगपतियों और श्रमिकों दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.उन्होंने कहा, ङ्गहमारा प्रयास होगा कि उद्योग जगत और श्रमिक संगठनों को एक साथ बैठाकर उनकी समस्याओं का समाधान निकाला जाए.

औद्योगिक विकास और श्रमिक कल्याण दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं और सरकार दोनों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ेगी.

जूट मिलें फिर से खुलेंगी, मालिकों के साथ होगी बैठकराज्य की बंद पड़ी जूट मिलों के मुद्दे पर मंत्री ने भरोसा जताते हुए कहा कि जूट उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस विषय पर कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं और हाल ही में कैबिनेट मंत्री अर्जुन सिंह ने भी इस मुद्दे पर चर्चा की थी.भास्कर भट्टाचार्य ने कहा, ङ्गराज्य की जूट मिलों को फिर से चालू करने के लिए सरकार गंभीर है. जल्द ही सभी जूट मिल मालिकों को एक साथ बुलाकर बैठक की जाएगी. बातचीत के माध्यम से समस्याओं का सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जाएगा और श्रमिकों के हितों की पूरी तरह रक्षा की जाएगी.

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को गति देना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और श्रमिकों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है.

जहांगीर को हाफ पैंट और गंजी में ही इलाके में लेकर घूमी पुलिस

घटनास्थल का कराया री-कंस्ट्रक्शन, भारी भीड़ जमा

डायमंड हार्बर/ कोलकाताः दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में गिरफ्तार आरोपी जहांगीर खान को गुरुवार को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच महज एक हाफ पैंट और गंजी (टी-शर्ट) पहनाकर घटनास्थल और उसके आस-पास के इलाकों में घुमाया गया. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, केस के सिलसिले में कुछ महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित करने और पूरी घटना का री-कंस्ट्रक्शन करने के लिए आरोपी को पुलिस कस्टडी से सीधे इलाके में लाया गया था. जैसे ही जहांगीर को पुलिस गाड़ी से उतारकर इलाके में लेकर आगे बढ़ी, उसे देखने के लिए स्थानीय ग्रामीणों और आम लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई.

आरोपी की हालत देख स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं: एक कुख्यात आरोपी को अर्ध नग्न (हाफ पैंट और गंजी) अवस्था में पुलिस के घेरे में घूमता देख स्थानीय लोगों के बीच तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं और चर्चाएं शुरू हो गईं. जहां एक तरफ कुछ लोगों ने जांच को आगे बढ़ाने और आरोपी के मन में कानून का खौफ पैदा करने के लिए पुलिस के इस कड़े कदम का पूरा समर्थन किया, वहीं दूसरी तरफ कुछ प्रबुद्ध नागरिकों ने आरोपी को इस तरह सरेआम घुमाने के कानूनी और मानवाधिकार के तौर-तरीकों पर भी दबी जुबान में सवाल उठाए.

जांच में मिल सकते हैं कई महत्वपूर्ण सुरागः इस पूरे मामले और हंगामे पर सफाई देते हुए डायमंड हार्बर जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कदम किसी भी तरह के प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि चल रही कानूनी जांच के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में उठाया गया है. मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण डिजिटल और भौतिक सबूतों को इकट्ठा करने, कड़ियों को जोड़ने और घटनास्थल की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए आरोपी की मौजूदगी बेहद जरूरी थी. इस पूरी प्रक्रिया के दौरान इलाके में किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े, इसे देखते हुए पूरे रूट पर भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था. जांच अधिकारियों को पूरी उम्मीद है कि आज की इस कवायद और घटनास्थल के री-कंस्ट्रक्शन के जरिए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने के लिए कई बेहद महत्वपूर्ण और पुख्ता सुराग हाथ लगेंगे. फिलहाल इस अनोखी घटना को लेकर पूरे डायमंड हार्बर इलाके में भारी सरगर्मी और कौतूहल बना हुआ है.

निजी स्कूल से 1.77 करोड़ की भारी नकदी व कंडोम के पैकेट बरामद

कोलकाताः उत्तर 24 परगना जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक प्रतिष्ठित निजी अंग्रेजी (प्राइवेट) स्कूल के परिसर से केन्द्रीय बल की मौजूदगी में पुलिस कार्रवाई में 1 करोड़ 77 लाख रुपये की भारी-भरकम नकदी (कैश) बरामद की है. स्कूल जैसी शैक्षणिक संस्था से इतनी बड़ी मात्रा में बेहिसाब कैश मिलने के बाद पूरे प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारे में हड़कंप मच गया है. स्कूल से केवल नकदी ही नहीं मिला बल्कि यहां कंडोम के कई पैकेट भी मिले हैं. उक्त अभियान उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा स्थित एक अंग्रेजी माध्यम निजी स्कूल में चला. कार्रवाई आज तड़के लगभग चार बजे तक चली. प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, स्कूल के अधिकारियों और प्रबंधन समिति से इस बरामद कैश के वैध दस्तावेज और स्रोत की जानकारी मांगी गई है, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब या बिल पेश नहीं किया जा सका है. पुलिस ने नकदी को जब्त कर लिया है और स्कूल के वित्तीय खातों व पिछले कुछ महीनों के लेन-देन के रिकॉर्ड को खंगालना शुरू कर दिया है. जानकारी के अनुसार, बीजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुदीप दास अपने क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों का डाटा बैंक तैयार कराने की पहल कर रहे हैं. इसी प्रक्रिया के दौरान उनके प्रतिनिधियों को संबंधित स्कूल के बारे में कुछ सूचनाएं मिलीं. इसके बाद विधायक स्वयं रात में स्कूल पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और केंद्रीय बल के जवान भी मौके पर पहुंचे. बरामद नकदी की गणना के लिए रात में ही नोट गिनने की मशीनें स्कूल लाई गईं. पहले दो मशीनों से गिनती शुरू हुई, बाद में एक और मशीन मंगाई गई. सूत्रों के मुताबिक, तड़के साढ़े 4 बजे तक करीब एक करोड़ 77 लाख रुपये की गिनती पूरी की जा चुकी थी. मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक सुदीप दास ने कहा कि जिस प्रकार पूर्व मंत्री पार्थ चट्टोपाध्याय के आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी, यह मामला भी वैसा ही प्रतीत होता है. उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल में लंबे समय से अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही थीं और अब इतनी बड़ी मात्रा में नकद मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं. विधायक ने यह भी दावा किया कि बरामद धनराशि स्कूल की नहीं है, बल्कि कुछ राजनीतिक व्यक्तियों का कथित काला धन हो सकता है, जिसे जांच एजेंसियों के डर से यहां रखा गया था. उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल की प्रबंधन समिति से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए. हालांकि, जिन व्यक्तियों के नाम विधायक ने लिए हैं, उनकी ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी. दूसरी ओर, स्कूल के प्राचार्य विकासचंद्र पाल ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बरामद राशि छात्रों के प्रवेश शुल्क और अन्य मदों से प्राप्त स्कूल की रकम है. उनके अनुसार, अप्रैल महीने से जमा यह राशि बैंक में जमा करई जानी थी और इसका प्रबंधन लेखा विभाग देखता है. 'सिक रूम' की अलमारी से कंडोम का पैकेट मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है और यह वहां कैसे पहुंचा, यह वह नहीं जानते. वैसे खबर के लिखे जेना तक पुलिस ने स्कूल के कैशियर अभीक नाथ और सहायक लेखाकार सायन घोष को बीजपुर थाना पुलिस ने हिरासत में लिया है. पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी.

तृणमूल सांसद प्रतिमा मंडल ने 'विद्रोही खेमे' में शामिल होने से इनकार

कहा–मैं उस समूह का हिस्सा नहीं हूं

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के जयनगर से तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद प्रतिमा मंडल ने उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि वह पार्टी के भीतर कथित तौर पर बने 20 सांसदों के 'विद्रोही समूह' का हिस्सा हैं, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ मिलकर अलग संसदीय गुट बनाने की योजना में शामिल हैं. मीडिया से बातचीत में प्रतिमा मंडल ने स्पष्ट किया कि उनका नाम इस कथित समूह में उनकी जानकारी या सहमति के बिना शामिल किया गया है. उन्होंने कहा, मैं उस नए समूह का हिस्सा नहीं हूं, जिसे तृणमूल कांग्रेस के कुछ सांसदों द्वारा पेश किया जा रहा है. मुझे नहीं पता कि मेरा नाम क्यों जोड़ा जा रहा है. मैंने न तो किसी कागज पर हस्ताक्षर किए हैं और न ही मैं उस समूह से किसी भी तरह जुड़ी हूं. हाल ही में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दिल्ली यात्रा के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित इंडी गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं से हुई मुलाकात पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी. प्रतिमा मंडल ने कहा, ममता दीदी दिल्ली गई थीं और उन्होंने सोनिया गांधी तथा गठबंधन के अन्य नेताओं से मुलाकात की. गठबंधन एकजुट है और केंद्र सरकार के खिलाफ मिलकर लड़ाई जारी रखेगा. बैठक के बाद सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने भी बातचीत की. राष्ट्रीय राजनीति में ममता बनर्जी की भूमिका के सवाल पर उन्होंने कहा कि तृणमूल प्रमुख विपक्षी एकता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं. उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर ममता बनर्जी आगे आकर बड़ी भूमिका निभाती हैं, तो भविष्य में विपक्ष की स्थिति और मजबूत होगी. जनता भी यही चाहती है. कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच संभावित नजदीकी के सवाल पर प्रतिमा मंडल ने कहा कि ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर कांग्रेस से ही शुरू हुआ था. उन्होंने कहा कि वे पहले कांग्रेस का हिस्सा थीं और बाद में उन्होंने अपनी पार्टी बनाई. यदि कभी वह कांग्रेस के साथ विलय करना चाहें, तो यह केवल एक सकारात्मक कदम होगा. उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब तृणमूल कांग्रेस के भीतर कथित विभाजन और 20 सांसदों के एक अलग समूह बनाने की अटकलें राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं. हालांकि, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने इन रिपोर्टों को 'अफवाह' बताया है. लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल प्रतिनिधित्व में से पार्टी ने पिछले चुनाव में 28 सीटें जीती थीं, वर्तमान में बसिरहाट सीट रिक्त होने के कारण प्रभावी संख्या 27 रह गई है. रिपोर्टों के अनुसार, करीब 20 सांसदों के कथित तौर पर पार्टी नेतृत्व से अलग होकर संसद में स्वतंत्र समूह के रूप में कार्य करने और कई विधायी मुद्दों पर एनडीए को समर्थन देने की बात सामने आई है. माना जा रहा है कि यह गुट संसद में स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए प्रमुख विधेयकों पर एनडीए को समर्थन दे सकता है, जिससे संसदीय समीकरणों पर प्रभाव पड़ सकता है.

अभिषेक बनर्जी से जुड़े अवैध निर्माणों पर केएमसी ने मांगी रिपोर्ट, पांच दिन में स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश

कोलकाताः कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी से जुड़ी संपत्तियों में कथित अवैध निर्माणों को लेकर भवन विभाग से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है. नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति पर पांच दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है. सूत्रों के मुताबिक, केएमसी के प्रशासक एवं आयुक्त ने भवन विभाग और मूल्यांकन विभाग से यह जानकारी मांगी है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है और ध्वस्तीकरण प्रक्रिया किस चरण में है. बताया गया है कि इस संबंध में राज्य के नगर विकास एवं नगरपालिका मामलों के विभाग की ओर से भी आवश्यक निर्देश प्राप्त हुए हैं. जानकारी के अनुसार, कोलकाता नगर निगम भवन अधिनियम की धारा 400 (1) के तहत 17 से 21 संपत्तियों को नोटिस जारी किए गए थे. नगर निगम आयुक्त ने इन नोटिसों के अनुपालन और भवन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा मांगा है. सूत्रों का दावा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद नगर निगम प्रशासन संबंधित संपत्तियों में चिन्हित अवैध हिस्सों को ध्वस्त करने को लेकर अगला निर्णय ले सकता है. इस मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय पहले ही नगर निगम को आवश्यक कार्रवाई करने की अनुमति दे चुका है. अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि यदि किसी संपत्ति में अवैध निर्माण पाया जाता है तो उसे हटाया जाना चाहिए. इसी आदेश के अनुपालन को लेकर पिछले सप्ताह नगर निगम आयुक्त ने भवन और मूल्यांकन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी तथा मामले की अंतिम स्थिति पर शीघ्र रिपोर्ट मांगी थी. नगर निगम सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि न्यायालय के आदेश के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो. हाल ही में कोलकाता नगर निगम ने अभिषेक बनर्जी को कथित अवैध निर्माणों के संबंध में ध्वस्तीकरण नोटिस भी जारी किया था.

असली तृणमूल कौन है, इसका फैसला चुनाव आयोग करेगा : काकोली घोष दस्तिदार

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कथित विभाजन को लेकर चल रही अटकलों के बीच बारासात से लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तिदार के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है. उन्होंने दावा किया है कि पार्टी के भीतर एक अलग समूह के साथ लगभग 20 सांसद जुड़े हुए हैं और असली तृणमूल का फैसला चुनाव आयोग करेगा. गुरुवार को मीडिया से बातचीत में सांसद ने कहा कि उनके साथ 20 सांसद हैं और वे सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ रहने के पक्ष में हैं. उन्होंने दावा किया कि हमारे साथ 20 सांसद हैं, इसलिए असली तृणमूल हम ही हैं. अंतिम फैसला चुनाव आयोग करेगा. यह बयान ऐसे समय आया है जब टीएमसी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असंतोष की चर्चाएं तेज हैं और पार्टी के भीतर दो धड़ों की अटकलें राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं. काकोली घोष दस्तिदार ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को हाल के चुनावी परिणामों से जोड़कर देखना गलत है. उन्होंने दावा किया कि यह प्रक्रिया अचानक नहीं शुरू हुई, बल्कि पिछले लगभग दो वर्षों से इस पर चर्चा चल रही थी. उन्होंने कहा कि यह कहना गलत है कि हम चुनाव हारने के बाद ऐसा कर रहे हैं. यह प्रक्रिया दो साल से चल रही है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ 40 वर्षों का संबंध रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में वे अलग राजनीतिक रुख अपना रहे हैं. विपक्ष के नेता और पार्टी के भीतर अलग धड़े के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन दावों से उनका कोई संबंध नहीं है. उन्होंने कहा कि ऋतब्रत बनर्जी क्या करना चाहते हैं, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है. हम पहले ही एनडीए के साथ रहने का निर्णय ले चुके हैं.

त्रिपुरा की अदालत ने अभिषेक बनर्जी को किया तलब, 22 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को त्रिपुरा के खोवाई जिला न्यायालय ने 2021 के एक मामले में अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया है. अदालत ने उन्हें 22 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया है. यह मामला वर्ष 2021 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के बाद दर्ज की गई एक शिकायत और उससे जुड़ी कथित राजनीतिक घटनाओं से संबंधित बताया जा रहा है. मामले की जांच पूरी होने और चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद अदालत ने संबंधित पक्षों को तलब करने की प्रक्रिया शुरू की है. सूत्रों के अनुसार, समन की सामान्य प्रक्रिया के तहत तामील नहीं हो पाने के कारण खोवाई जिला अदालत ने विशेष कानूनी व्यवस्था अपनाने का निर्देश दिया था. अदालत ने आदेश दिया कि यदि सामान्य माध्यम से नोटिस नहीं पहुंचाया जा सके, तो न्यायालय द्वारा नियुक्त बेलिफ की सहायता से समन की तामील सुनिश्चित की जाए. खोवाई अदालत के निर्देश के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुर कोर्ट से जुड़े एक बेलिफ को समन तामील कराने की जिम्मेदारी दी गई. इसके लिए कोलकाता पुलिस को भी सूचित किया गया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई. बुधवार दोपहर बेलिफ, कोलकाता के कालीघाट थाना पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उस पते पर पहुंचे, जो अभिषेक बनर्जी से जुड़ा बताया जाता है. यह पता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के रूप में भी जाना जाता है और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से संबंधित माना जाता है. सूत्रों के अनुसार, बेलिफ ने पहले समन सीधे अभिषेक बनर्जी को सौंपने का प्रयास किया. अदालत के निर्देश के अनुसार यदि प्रत्यक्ष रूप से समन नहीं दिया जा सके तो नोटिस को संबंधित पते पर चस्पा कर उसकी कानूनी पुष्टि करने की भी तैयारी थी. हालांकि, आवास पर मौजूद एक स्टाफ सदस्य ने समन से जुड़े दस्तावेज स्वीकार कर लिए. इसके बाद समन की तामील की प्रक्रिया पूरी मानी गई. अब इस मामले की अगली महत्वपूर्ण सुनवाई 22 जून को होगी. अदालत ने अभिषेक बनर्जी को उसी दिन उपस्थित होने का निर्देश दिया है.

अवैध वसूली आरोप में पार्षद गिरफ्तार, पार्टी कार्यालय से सरकारी सामान बरामद

कोलकाताः राजपुर-सोनारपुर नगर पालिका के चार नंबर वार्ड के पार्षद विभास मुखर्जी उर्फ मनु को कथित तौर पर अवैध वसूली के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बुधवार रात गड़िया के रूबी क्षेत्र के पास स्थित एक होटल से उन्हें हिरासत में लिया. इसी मामले में उनके करीबी सहयोगी पापाई को भी गिरफ्तार किया गया है. पुलिस के अनुसार, पापाई के माध्यम से विभिन्न स्थानों से पैसे वसूले जाने की शिकायत मिली थी. दोनों आरोपितों से पूछताछ कर मामले से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाई जा रही हैं. राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद राजपुर-सोनारपुर नगर पालिका के अब तक तीन पार्षदों की गिरफ्तारी हो चुकी है. इधर, नगर पालिका के 23 नंबर वार्ड में निर्माणाधीन एक शौचालय और तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय से बड़ी मात्रा में सरकारी और राहत सामग्री बरामद की गई है. बरामद सामान में स्ट्रीट लाइट, तिरपाल, सीमेंट की बोरियां, बाल्टियां और ब्लीचिंग पाउडर शामिल हैं. 23 नंबर वार्ड की पार्षद छंदा घोषाल हैं. इससे पहले उनके पति सौमेन मोहन घोषाल इस वार्ड के पार्षद रह चुके हैं. सोनारपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता देवप्रसाद चक्रवर्ती ने आरोप लगाया है कि सरकारी सामान अवैध रूप से जमा करके रखा गया था और जरूरत पड़ने पर भी लोगों में वितरित नहीं किया गया. स्थानीय लोगों ने भी आरोप लगाया है कि इलाके में लंबे समय से अवैध वसूली का कारोबार चल रहा था. भाजपा कार्यकर्ता निताई मजूमदार का दावा है कि सरकारी परियोजनाओं से जुड़े ठेकेदारों से कमीशन लिया जाता था और कमीशन नहीं देने पर काम करने में बाधा डाली जाती थी. हालांकि, इन आरोपों पर पार्षद छंदा घोषाल की प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. पुलिस ने बरामद सरकारी सामग्री को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

टीएमसी में मचे घमासान के बीच कोलकाता लौटीं सायोनी घोष

'बागी' सूची में नाम आने के बाद बढ़ीं सियासी सरगर्मियां

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए सबसे बड़े भूचाल और तृणमूल कांग्रेस के भीतर मचे अभूतपूर्व घमासान के बीच जादवपुर से सांसद और युवा तृणमूल कांग्रेस की राज्य अध्यक्ष सायोनी घोष कोलकाता लौट आई हैं. पार्टी में जारी अंदरूनी विद्रोह और दिल्ली से कोलकाता तक मची उथल-पुथल के बीच उनका शहर लौटना इस समय राज्य के राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है. सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी के भीतर हुए इस बड़े तख्तापलट और बगावत में सायोनी घोष का नाम भी प्रमुखता से सामने आ रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी के 19 सांसदों की जो 'बागी सूची' सामने आई है, उसमें सायोनी घोष का नाम भी शामिल बताया जा रहा है. बताया जा रहा है कि सायोनी घोष ने कथित तौर पर वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व वाले बागी खेमे से संपर्क किया था और असंतुष्टों के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी किए हैं. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि हालिया सांगठनिक बदलावों और चुनाव प्रचार के दौरान कुछ पाबंदियों के चलते वह खुद को पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रही थीं, जिसके बाद उन्होंने यह कदम उठाया. अभिषेक बनर्जी की बेहद करीबी और टीएमसी के सबसे लोकप्रिय युवा चेहरों में शुमार होने के कारण सायोनी घोष का इस तरह बागी रुख अख्तियार करना ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के लिए एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है. सायोनी घोष की कोलकाता वापसी ऐसे समय में हुई है जब बागी धड़े के सभी सांसद और विधायक संगठनात्मक बैठकें करने और आगामी राजनीतिक रणनीति तय करने के लिए कोलकाता में ही डेरा डाले हुए हैं. इस बगावत के बाद से तृणमूल कांग्रेस दो फाड़ होने की कगार पर खड़ी दिखाई दे रही है. फिलहाल, कोलकाता लौटने के बाद सायोनी घोष के अगले कदम पर मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों की पैनी नजर बनी हुई है. हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम और 'बागी' होने के दावों पर अभी तक सायोनी घोष की तरफ से कोई आधिकारिक बयान या सफाई सामने नहीं आई है.

डायमंड हार्बर में जमीन के नीचे से भारी मात्रा में दवाइयां बरामद

जांच में जुटे स्वास्थ्य विभाग और पुलिस

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर क्षेत्र में जमीन के नीचे दबाकर रखी गई भारी मात्रा में दवाइयां बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है. हिन्चाबेरिया गांव में खुदाई के दौरान बड़ी संख्या में दवाइयां मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग, ड्रग कंट्रोल प्रशासन और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार, स्थानीय स्तर पर मिली सूचना के आधार पर पुलिस और ब्लॉक प्रशासन की मौजूदगी में एक निर्धारित स्थान पर खुदाई शुरू की गई. प्रारंभिक खुदाई में जमीन के नीचे से बड़ी मात्रा में दवाइयां बरामद हुईं. इसके बाद और गहराई तक खोजबीन के लिए अर्थ रिमूवर मशीन मंगाई गई, जिसकी सहायता से अतिरिक्त दवाइयां भी निकाली गईं. घटना की जानकारी मिलते ही ड्रग कंट्रोल विभाग के प्रतिनिधि और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे. बरामद दवाइयों की प्रकृति, उनकी वैधता और उन्हें जमीन में दबाने के कारणों की जांच की जा रही है. पारुलिया कोस्टल थाना पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है. स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं का आरोप है कि बरामद दवाइयों में से कई की एक्सपायरी डेट अभी समाप्त नहीं हुई है. उनका दावा है कि करोड़ों मूल्य की दवाइयों को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के बजाय जमीन के नीचे दबा दिया गया. भाजपा नेताओं ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कुछ सरकारी योजनाओं से संभावित संबंधों की भी आशंका जताई है. स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि ट्रकों के जरिए इस क्षेत्र में दवाइयां लाकर दबाई जा रही हैं. इसके बाद उन्होंने प्रशासन को इसकी जानकारी दी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई. ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इस मामले के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है. हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक बरामद दवाइयों की कुल मात्रा या अनुमानित बाजार मूल्य को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है. पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि दवाइयां कहां से लाई गईं, उन्हें जमीन में क्यों दबाया गया और इसके पीछे किन लोगों की भूमिका हो सकती है. अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना

युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है

(साइज 12x8)

सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएनजीजी-03/26-27 (खुली), दिनांक 09.06.2026 (कैपिटल निविदा); मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे, कंचरापाड़ा वर्कशॉप, उत्तर 24 परगना, डाकघर-कांचरापाड़ा, पिन 743145 (प.बं.) द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए विशेषकर रेलवे/सीपीडब्ल्यूडी/पीडब्ल्यूडी/एमईएस/सिंचाई अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में अतीत में समतुल्य प्रकृति के कार्य निष्पादन करने का समुचित अनुभव तथा वित्तीय क्षमता रखने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : क्रम सं. 1, निविदा सं. : डब्ल्यूटी-05-26-27, कार्य का विवरण: केपीएडब्ल्यू में - लोको एवं कैरेज कॉम्पलेक्स के विभिन्न स्थानों पर कर्मियों के लिए विश्रामालय/महिला कॉमन रूम के प्रावधान के लिए नवीनीकरण कार्य। निविदा मूल्य: रु. 1,90,06,133.31। बयाना राशि: रु. 3,80,100। क्रम सं. 2, निविदा सं. : डब्ल्यूटी-06-26-27, कार्य का विवरण : केपीएडब्ल्यू में - शॉप सं. 15 एवं 26 कैरेज कॉम्पलेक्स, कांचरापाड़ा वर्कशॉप में सेंटर ऑफ एक्सेलेंस का प्रावधान। निविदा मूल्य: रु. 1,66,03,921.89। बयाना राशि: रु. 3,32,100। निविदा दस्तावेज की कीमत: प्रत्येक के लिए शून्य। पीओ के जारी किए जाने की तारीख से समापन अवधि: प्रत्येक के लिए 12 महीने। निविदा खुलने की तारीख: 03.07.2026। कार्य का दायरा सांकेतिक मात्र है। हालांकि, विस्तृत विवरण भारतीय रेल की ई-टेंडरिंग साइट (आईआरईपीएस) https://www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं। निविदा दिनांक 03.07.2026 को 14.00 बजे बंद कर दी जाएगी एवं निविदा उसी दिन अपराह्न 14.30 बजे के उपरांत खोलने वाले कर्मियों एवं नेट की उपलब्धता के अनुसार किसी भी समय खोली जाएगी।
(MISC-71/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-9-2026-27, दिनांक 05.06.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, सियालदह, कंट्रोल बिल्डिंग, पहली मंजिल, डीआरएम कार्यालय, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सं.: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-9-2026-27, कार्य का नाम: सियालदह कोचिंग यार्ड के लकड़ी गोला साइडिंग में स्टेब्लिंग लाइनों के प्रावधान के संबंध में 25केवी ओएचई की डिजाइन, ड्राइंग, आपूर्ति, स्थापना, जांच एवं चालू करना तथा अन्य संबंधित विद्युतीय कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्य: रु. 5,97,74,060; बयाना राशि: रु. 11,95,500; निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। समापन अवधि: स्वीकृति पत्र जारी करने की तारीख से 12 महीने। बंद होने की तारीख: 30.06.2026 को 15.00 बजे। निविदा सूचना का विवरण तथा समय-समय पर जारी संशोधनी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
(SDAH-76/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीआईबी-केकेएई-केएलएनटी-26, दिनांक 10.05.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीआईबी-केकेएई-केएलएनटी-26 के तहत एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बंद होने की तारीख: 06.07.2026 को 15.00 बजे। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: हावड़ा मंडल के तहत उपनगरीय अनुभागों के कोलकाता, कालीनगर, नवग्राम स्टेशनों में टीआईबी का प्रावधान। विज्ञापित मूल्य: रु. 1,85,42,396.29; बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 3,70,900; निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 0; प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन। समापन अवधि: 9 महीने। बोली शुरू होने की तारीख: 22.06.2026।
(HWH-146/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एनजीटी की रोक के बाद भी जारी अवैध बालू खनन, खनन विभाग की छापेमारी में दो वाहन जब्त

10 जून से बालू उठाव पर प्रतिबंध के बावजूद तेलमच्चो घाट पर चल रहा था अवैध खनन

धनबाद : मानसून को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने 10 जून से नदियों से बालू उठाव पर देशभर में रोक लगा दी है. इसके बावजूद धनबाद में अवैध बालू खनन का कारोबार बेखौफ जारी है. गुरुवार को तड़के खनन विभाग की टीम ने सुरक्षा बलों के साथ विभिन्न इलाकों में छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान बिना वैध परमिट के बालू लदे दो वाहनों को जब्त किया गया, जबकि तेलमच्चो घाट पर अवैध खनन करते मिले धंधेबाज टीम को देखकर फरार हो गए.

खनन विभाग की टीम माइनिंग इंस्पेक्टर श्यामानंद सिंह और ब्रह्मदेव यादव के नेतृत्व में सुबह निरीक्षण पर निकली. सबसे पहले बरटांड़ बस स्टैंड के समीप धैया रोड पर बालू लदे दो 407 वाहनों की जांच की गई. जांच के दौरान दोनों वाहनों के चालकों द्वारा बालू परिवहन से संबंधित कोई वैध परमिट प्रस्तुत नहीं किया जा सका. इसके बाद जेएच-10 एटी-8754 और जेएच-10 बीजे-7449 नंबर के दोनों वाहनों को जब्त कर धनबाद थाना के

सुपुर्द कर दिया गया. जब्त वाहनों से करीब 400 सीएफटी बालू बरामद किया गया.इसके बाद टीम तेलमच्चो बालू घाट पहुंची, जहां प्रतिबंध के बावजूद दामोदर नदी से ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू निकाला और लोड किया जा रहा था. खनन विभाग की टीम को देखते ही अवैध धंधेबाज ट्रैक्टरों की चाबी लेकर मौके से फरार हो गए. टीम ने मौके पर अवैध खनन के प्रमाण जुटाए और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

एनजीटी की रोक के बावजूद दिनदहाड़े हो रहे अवैध खनन ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. जिस तरह से नदी घाटों पर खुलेआम बालू निकासी जारी है, उससे अवैध कारोबारियों के बढ़े हुए मनोबल का अंदाजा लगाया जा सकता है. अब सवाल यह है कि आखिर किसकी शह पर यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है और संबंधित विभाग इस पर प्रभावी अंकुश लगाने में कब तक सफल हो पाएगा.

फिलहाल खनन विभाग ने कार्रवाई तेज करने का दावा किया है, लेकिन प्रतिबंध के बावजूद जारी अवैध खनन प्रशासनिक निगरानी और कानून के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है. अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में ऐसे धंधेबाजों पर कितनी सख्ती से कार्रवाई होती है.

विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें: उपायुक्त

पाकुड़: जिले के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा मध्याह्न भोजन योजना के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक में शिक्षा विभाग एवं मध्याह्न भोजन योजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.*बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रखंडवार प्रथम कक्षा के उन विद्यार्थियों की जानकारी प्राप्त की जिनका आधार कार्ड अब तक नहीं बन पाया है. उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे सभी बच्चों का आधार नामांकन प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए, ताकि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके. साथ ही उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, उनकी उपस्थिति का नियमित सत्यापन कर ई-विद्यावाहिनी एप पर अद्यतन किया

जाए.उपायुक्त ने रसोइयों के लंबित मानदेय भुगतान की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया. विद्यालयों में जर्जर अथवा क्षतिग्रस्त किचन शेड की पहचान कर विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को भी कहा, ताकि आवश्यक मरम्मत एवं निर्माण कार्य समय पर सुनिश्चित किया जा सके.बैठक में खाद्यान्न उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई. उपायुक्त ने सभी प्रखंडों को एक सप्ताह के भीतर चावल उठाव की प्रक्रिया पूर्ण करने तथा मई माह की प्रखंड स्तरीय स्टीयरिंग समिति की रिपोर्ट अविलंब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीपीओ, बीआरपी एवं सीआरपी को नियमित विद्यालय निरीक्षण करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि निरीक्षण के लिए एक मानक प्रपत्र तैयार किया जाए, जिसके माध्यम से विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, स्वच्छता, हरित वातावरण, खेल मैदान, आईसीटी लैब के उपयोग, शिक्षण कार्य की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का समुचित मूल्यांकन किया जा सके.उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं. इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक विद्यालय में स्वच्छ एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएं भी प्राप्त हों. बैठक में मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भोजन की गुणवत्ता एवं नियमित निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जाए. उन्होंने कहा कि बच्चों को पौष्टिक एवं प्रोटीनयुक्त भोजन उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को मजबूती मिल सके. उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी रणनीति अपनाने का निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों में बच्चों की नियमित भागीदारी ही एक सशक्त एवं जागरूक समाज की नींव है. जिला प्रशासन शिक्षा एवं पोषण से संबंधित सभी योजनाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है.

पत्नी को खरपोश नहीं देने के आरोपित को गिरफ्तार कर भेजा जेल

महेशपुर: महेशपुर पुलिस ने बुधवार रात को पत्नी को खरपोश नहीं देने के नामजद आरोपित साहिल अंसारी उर्फ शाहिन बड़कियारी गांव निवासी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया. आरोपित को गुरुवार को स्वास्थ्य परीक्षण करा कर पाकुड़ जेल भेज दिया. आरोपित के खिलाफ वर्ष 2021 में पत्नी को खरपोश नहीं देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था. मामला दर्ज होने के बाद वह फरार चल रहा था. आरोपित 53 माह से पत्नी को खरपोश नहीं दिया है. जिसका कुल राशि दो लाख 24 हजार रुपये बकाया है. कांड के अनुसंधान कर्ता रविंद्र कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा राजमहल प्रखंड में उर्वरक दुकानों का औचक निरीक्षण, उर्वरक नमूने संग्रहित

साहिबगंज : उपायुक्त, साहेबगंज के निर्देशानुसार उर्वरक दुकानों की जांच हेतु गठित संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा गुरुवार को राजमहल प्रखंड स्थित तारा फर्टिलाइजर एवं विकास कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक, दर सूची, स्टॉक पंजी, बिक्री पंजी, गोदाम तथा पीओएस मशीन के अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया. साथ ही गोदाम में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन भी किया गया.

जांच टीम ने दुकानदारों को प्रतिदिन उर्वरकों की दर सूची एवं स्टॉक की अद्यतन स्थिति दुकान के बाहर प्रदर्शित करने का सख्त निर्देश दिया. साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि उर्वरकों की बिक्री केवल किसानों को ही की जाए. टीम द्वारा उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी तथा गैर-कृषि कार्यों में उपयोग पर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि ऐसी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. दुकानदारों को सरकार द्वारा अधिकृत थोक विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करने का निर्देश भी दिया गया.निरीक्षण के क्रम में दुकानों में उपलब्ध कीटनाशकों (पेस्टीसाइड) की भी जांच की गई.

इस दौरान दवाओं की वैधता अवधि का सत्यापन किया गया तथा दुकानदारों को नाबालिग बच्चों एवं महिलाओं को किसी भी परिस्थिति में पेस्टीसाइड की बिक्री नहीं करने का सख्त निर्देश दिया गया.संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा उर्वरकों के नमूने भी संग्रहित किए गए, जिन्हें गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा. जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.इस निरीक्षण अभियान में मौजूद राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का,साहिबगंज अंचल अधिकारी, राजमहल तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी, राजमहल शामिल थे.
फोटो न 10

कोई भी वास्तविक मतदाताओं का नाम न छुटे : बीडीओ

उधवा : प्रखंड सभागार कक्ष में गुरुवार को एसआईआर व निर्वाचन कार्य को लेकर बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने किया. इस दौरान सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ श्री तिवारी ने बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ एसआईआर से संबंधित मैपिंग कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि किसी भी वास्तविक मतदाताओं का नाम छुटना नहीं चाहिए.

आईसीडीएस के पोषाहार में मिली मरी हुई छिपकली

झाड़ग्राम :झाड़ग्राम जिले के लालगढ़ इलाके में स्थित एक आईसीडीएस केंद्र में बच्चों को परोसे जाने वाले पोषाहार में मरी हुई छिपकली मिलने से पूरे इलाके में भारी हड़कंप मच गया है. आरोप है कि केंद्र में बच्चों के लिए जो खिचड़ी/खाना पकाया गया था, उसी के भीतर मरी हुई छिपकली पाई गई. इस बात की खबर जैसे ही फैली, बच्चों के अभिभावकों और स्थानीय ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश व्याप्त हो गया.सूचना मिलते ही पहुंचे नेता और कार्यकर्ता; बच्चों को कराया अस्पताल में भर्तीघटना की भनक लगते ही लालगढ़ मंडल अध्यक्ष शौभिक सिंह तुरंत हरकत में आए. वे अपनी टीम और स्थानीय कार्यकर्ताओं को साथ लेकर फौरन आईसीडीएस केंद्र पहुंचे और स्थिति को संभाला. जिन बच्चों ने वह दूषित खाना खा लिया था, उन्हें बिना समय गंवाए रेस्क्यू कर तुरंत लालगढ़ ग्रामीण अस्पताल (डरश्रसरीह कैीठिींरश्र) ले जाने की व्यवस्था की गई.इसके बाद घटना की पूरी जानकारी झाड़ग्राम विधानसभा क्षेत्र के विधायक लक्ष्मीकांत साउ को दी गई. सूचना मिलते ही विधायक लक्ष्मीकांत साउ भी बिना देरी किए मौके पर पहुंचे. उन्होंने अस्पताल जाकर बीमार बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली, डॉक्टरों से बात की और पीड़ित अभिभावकों को ढांढस बंधाया.डॉक्टर रख रहे हैं पैनी नजर; सतर्कता के तौर पर बच्चे ऑब्जर्वेशन मेंअभिषेक और अन्य बच्चों के माता-पिता आनन-फानन में अपने मासूमों को लेकर लालगढ़ अस्पताल की तरफ दौड़े. वर्तमान में सभी प्रभावित बच्चों को डॉक्टरों की कड़ी निगरानी (ऑब्जर्वेशन) में रखा गया है. अस्पताल सूत्रों से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी भी बच्चे की हालत गंभीर नहीं हुई है, लेकिन एहतियात और सतर्कता के तौर पर उन्हें अगले कुछ घंटों तक डॉक्टरों की देखरेख में ही रखा जाएगा.लापरवाही को लेकर फूटा अभिभावकों का गुस्सा; जांच का आश्वासनइस बेहद संवेदनशील घटना के बाद से आईसीडीएस केंद्र के कर्मचारियों और रसोइयों के खिलाफ अभिभावकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है. स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया है कि बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े खाने को बनाते समय इतनी बड़ी लापरवाही कैसे बरती गई और भोजन को ढककर क्यों नहीं रखा गया था? ग्रामीणों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए और बच्चों की जिंदगी को खतरे में डालने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कानूनी कार्रवाई हो पूरे मामले की विभागीय जांच शुरू करने और दोषी पाए जाने वालों को सस्पेंड करने का आश्वासन दिया है.

पेंशन घोटाले में पुलिस और जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की

साहिबगंज : जिले के बोरियो और बरहेट प्रखंड में सामने आए कथित पेंशन घोटाले में पुलिस और जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है.इस मामले पर पुलिस ने दो कंप्यूटर ऑपरेटरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस घोटाले के उजागर होने के बाद जिला प्रशासन ने पूरे जिले में पेंशन के भुगतान पर फिलहाल रोक लगा दी है, जिससे हजारों वास्तविक वृद्धा, विधवा और दिव्यांग लाभुकों की चिंताएं बढ़ गई हैं.साहिबगंज के पुलिस कप्तान अमित कुमार सिंह ने बताया कि बोरियो और बरहेट के प्रखंड विकास पदाधिकारियों से मिली लिखित शिकायत के आधार पर दोनों थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है. गिरफ्तार आरोपियों में बोरियो प्रखंड से शशि कुमार उर्फ मुन्ना और बरहेट प्रखंड से राहुल कुमार शामिल हैं. उन दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. यह कार्रवाई बोरियो थाना कांड संख्या 48/26 और बरहेट थाना कांड संख्या 71/26 के तहत की गई है. पुलिस अब आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके.पेंशन योजना में मची इस भारी लूट की जांच के लिए जिला

प्रशासन की टीम ने बोरियो प्रखंड कार्यालय में देर रात तक छापेमारी की. कर्मचारियों की मौजूदगी में रात के करीब 3 बजे तक दस्तावेजों को खंगालने और जब्त करने का काम चला. इस दौरान लगभग 20 हजार आवेदन प्रपत्र कंप्यूटर, हार्ड डिस्क, भुगतान से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड और कई महत्वपूर्ण फाइलें जब्त की गईं. जांच टीम अब यह पता लगा रही है कि फर्जीवाड़ा किस स्तर पर और कितने बड़े पैमाने पर किया गया है.वर्तमान स्थिति की जांच के लिए डीसी के निर्देश पर डीडीसी सतीश चन्द्र के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया है. साथ ही जिले के हजारों लाभुकों के पेंशन भुगतान पर जांच पूरी होने तक तात्कालिक रोक लगा दी गई है. जांच का दायरा केवल 2 ब्लॉक तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि साहिबगंज जिले के सभी 9 प्रखंडों में गहन पड़ताल की जाएगी. फर्जी लाभार्थियों को पकड़ने के लिए लाभुकों का सशरीर सत्यापन कराया जा सकता है. जांच के रडार आने से कई बड़े नामों का खुलासा हो सकेगा.दो कंप्यूटर ऑपरेटरों की गिरफ्तारी तो महज एक शुरुआत मानी जा रही है. सूत्रों के अनुसार, जब्त किए गए कंप्यूटरों के डेटा और डिजिटल लॉग्स की फॉरेंसिक जांच की जा रही है. जांच अधिकारियों का मानना है कि बिना उच्च अधिकारियों या बिचौलियों की मिली भगत के इतने बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा संभव नहीं है. पुलिस का दावा है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, चाहे वह किसी भी पद पर हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा. दूसरी ओर, स्थानीय जनता ने मांग की है कि जांच निष्पक्ष हो ताकि निर्दोष और गरीब वृद्धों, विधवाओं और दिव्यांगों की रुकी हुई पेंशन को जल्द से जल्द दोबारा शुरू किया जा सके.दो कंप्यूटर ऑपरेटरों की गिरफ्तारी तो महज एक शुरुआत मानी जा रही है. सूत्रों के अनुसार, जब्त किए गए कंप्यूटरों के डेटा और डिजिटल लॉग्स की फॉरेंसिक जांच की जा रही है. जांच अधिकारियों का मानना है कि बिना उच्च अधिकारियों या बिचौलियों की मिली भगत के इतने बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा संभव नहीं है. पुलिस का दावा है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, चाहे वह किसी भी पद पर हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा. दूसरी ओर, स्थानीय जनता ने मांग की है कि जांच निष्पक्ष हो ताकि निर्दोष और गरीब वृद्धों, विधवाओं और दिव्यांगों की रुकी हुई पेंशन को जल्द से जल्द दोबारा शुरू किया जा सके.

खस्सी चोरी करते दो युवकों को ग्रामीणों ने धुनाई कर पुलिस के हवाले किया

महेशपुर : थाना क्षेत्र के राघोपाड़ा गांव से गुरुवार को खस्सी चोरी के संदेह में ग्रामीणों ने दो युवकों को पकड़ लिया. पकड़ने के बाद दोनों की पहले जमकर धुनाई कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही महेशपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ के बाद दोनों युवकों को पकड़कर थाने लेकर आई. घटना के बाबत मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पिछले कई दिनों से लगातार बकरी, बकरा, गाय और बैलों की चोरी होने से ग्रामीण काफी परेशान और सतर्क थे. इसी बीच, गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे दो संदिग्ध युवक राघोपाड़ा गांव से एक खस्सी लेकर तेजी से भाग रहे थे. जैसे ही वे बगल के गांव माधोपाड़ा पहुंचा वहां मौजूद दो स्थानीय युवकों को उन पर शक हुआ. युवकों ने दोनों को रोककर पूछताछ शुरू कर दी. पूछताछ के दौरान दोनों ने ग्रामीणों को गुमराह करने की कोशिश की और दावा किया कि वे इस खस्सी को हिरणपुर हटिया से खरीदकर ला रहे हैं. इसी बीच वहां मौजूद एक अन्य ग्रामीण युवक ने खस्सी को पहचान लिया और तुरंत उसके असली मालिक को फोन कर मौके पर बुला लिया. खस्सी के मालिक ने मौके पर पहुंचते ही उसे पहचान लिया कि यह खस्सी उन्हीं की है, जिसे कुछ ही देर पहले उनके घर के पास से चुराया गया था. मालिक द्वारा पहचान करते ही वहां भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए और हंगामा शुरू हो गया. इसी दौरान दोनों भागने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित भीड़ ने दोनों को दबोच लिया और उनकी जमकर धुनाई कर दी. इस संबंध में थाना प्रभारी रवि शर्मा ने बताया कि पुलिस दो युवकों को थाना लेकर आई है. दोनों से पूछताछ की जा रही है। लिखित आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

न्यूज कॉर्नर

प्रखंड मुख्यालय में लाभुकों के बीच बकरियां एवं बतख का वितरण

गोला : गोला प्रखंड मुख्यालय में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के अंतर्गत आयोजित पशु वितरण कार्यक्रम में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई.इस अवसर पर कुल 18 लाभुकों के बीच बकरियां एवं बतख का वितरण किया गया, जिससे ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार का मजबूत आधार मिलेगा.बजरंग महतो जी ने लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनकी आय में वृद्धि करना है. उन्होंने लाभुकों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का सही उपयोग कर आत्मनिर्भर बनें और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करें.कार्यक्रम में गोला प्रखण्ड विधायक प्रतिनिधि सह मुखिया जाकिर अख्तर जी प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा, पशु चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार उप प्रमुख विजय ओझा सांसद प्रतिनिधि प्रीतम झा प्रखण्ड अध्यक्ष संतोष सोनी स्वास्थ्य विभाग प्रतिनिधि कमलेश कुमार महतो मंडल अध्यक्ष गुलाम सरवर मंडल अध्यक्ष लालू महतो सहित कई जनप्रतिनिधि एवं लाभुक उपस्थित रहे.

उप विकास आयुक्त ने सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

धनबाद : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत स्वीकृत और प्रगतिशील सड़क परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आज बैठक आयोजित की. बैठक में जिला विकास शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी और पथ निर्माण विभाग (पथ प्रमंडल, धनबाद) के कार्यपालक अभियंता मुख्य रूप से उपस्थित थे.बैठक के दौरान उन्होंने जिले में चल रही विभिन्न स्वीकृत और प्रगतिशील पथ परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की. समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि भू-अर्जन की प्रक्रियाओं में हो रहे विलंब के कारण कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भू-अर्जन से जुड़ी सभी बाधाओं को आपसी समन्वय के साथ जल्द से जल्द दूर करने का निर्देश दिया. कहा इससे विकास कार्यों को गति दी जा सकेगी और योजनाएं समय पर पूरी हो सकेगी. साथ में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन परियोजनाओं की नियमित निगरानी करें ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इन सड़कों का लाभ मिल सके.

आज से जमशेदपुर में बढ़ जायेगा ऑटो का भाड़ा, विभिन्न रूटों के लिए नई दरें जारी

जमशेदपुर: शहर के प्रमुख ऑटो स्टैंड साकची से संचालित होने वाले विभिन्न रूटों के लिए नए ऑटो किराए की घोषणा कर दी गई है. नई दरों के अनुसार यात्रियों को अब गंतव्य के आधार पर निर्धारित किराया देना होगा. शहर में 12 जून से ऑटो का नया रेट लागू होने जा रहा है. डीजल और सीएनजी की कीमतों में हुई बढ़ोत्तरी को देखते हुए शिक्षित बेरोजगार टेंपो चालक संचालक संघ की ओर से इसका नया रेट चार्ट जारी कर दिया गया है. कई स्टॉपेज पर 5 रुपये तक की बढ़ोत्तरी का फैसला लिया गया है. संघ के महासचिव श्याम किंकर झा ने बताया है कि डीजल और सीएनजी में औसतन 9 रुपये तक की बढ़ोत्तरी हो चुकी है. ऑटो रिक्शा की संख्या बढ़ गयी है. सभी ऑटो चालकों को सवारी मिलना भी मुश्किल हो जाता है. ऑटो का पार्ट्स का भी रेट बढ़ गया है, जिस कारण कई स्टॉपेज पर रेट बढ़ाया जा रहा है. यह बताया गया है कि इससे पहले 2021 में रेट बढ़ाया गया था. करीब पांच साल के बाद यह बढ़ोत्तरी की जा रही है. इसकी जानकारी प्रशासन को भी दी गयी है.

सनातनी योद्धाओं का सम्मान समारोह

कोलकाता : भागवताचार्य स्वामी त्रिभुवनपुरी महाराज ने अपने आशीर्वचन में सनातन हिन्दू धर्म के प्रति जागरूक रह कर भारत एवं सभी राज्यों में विकास की प्रेरणा देते हुए पोद्दार सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. अशोक पोद्दार को आगामी 16 जून को आई सी सी आर में सनातनी योद्धा सम्मान समारोह की सफलता की शुभकामना दी . स्वामी त्रिभुवनपुरी महाराज ने कल्याणी स्थित श्री जगन्नाथ मन्दिर, सेवा प्रकल्पों, गुरुकुल गौशाला के भव्य निर्माण एवं निरन्तर प्रगति की शुभकामना देते हुए धर्मानुरागी, समाजसेवियों से सहयोग करने का आह्वान किया . समाजसेवी मुकेश शर्मा, पण्डित मानस होता, विवेक शुक्ला, सोमनाथ सरकार एवं श्रद्धालु भक्तों ने श्री रामेश्वरनाथ महादेव मन्दिर में पूजा - अर्चना की . डॉ. अशोक पोद्दार ने प्रमुख अतिथि आद्य पीठ, दक्षिणेश्वर के ट्रस्टी ब्रह्मचारी स्वामी मुराल भाई एवं भारत के संत - महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति में सनातन हिन्दू धर्म - संस्कृति की रक्षा के प्रति जागरूक, आस्थावान, सनातनी योद्धाओं के सम्मान समारोह में समाजसेवी कार्यकर्ताओं से शामिल होने का निवेदन किया .

लंबित आवास निर्माण को जल्द पूरा करें लाभुक : बीडीओ

उधवा : प्रखंड कार्यालय कक्ष में गुरुवार को लंबित अबुआ आवास व प्रधानमंत्री आवासों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने किया. इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने आवास कर्मियों के साथ पंचायतवार समीक्षा करते हुए लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 42 आवास तथा वर्ष 2024-25 में कुल 64 आवास लंबित है. साथ ही बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1238 आवास लंबित है. उक्त लाभुकों के बैंक खातों में द्वितीय किस्त की राशि भेजी गई है. साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 5392 लाभुकों को प्रथम किस्त की राशि भेजी गई है. इसमें से 3360 लाभुकों ने प्लिंथ लेवल स्तर का कार्य पूरा कर दिया है. जबकि 2032 आवासों में निर्माण कार्य चल रहा है. वहीं बीडीओ ने आवास कर्मियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि वैसे लाभुक जो राशि लेकर लंबे समय से निर्माण कार्य शुरू नहीं किए है,वैसे लाभुकों को चिंहित कर उन्हें नोटिस सौंपकर जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया.

न्यूज कॉर्नर

एसएसपी ने किया औचक निरीक्षण, लंबित कांडों के निष्पादन का दिया निर्देश

युवा शक्ति न्यूज
वजीरगंज(गया) : जिले के एसएसपी सुशील कुमार के द्वारा बुधवार की रात वजीरगंज थाना का औचक निरीक्षण कर विस्तृत समीक्षा की गई.एसएसपी ने थाना परिसर का मुआयना करने के बाद लंबित कांडों, अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था संधारण, वारंट एवं कुर्की निष्पादन, वाहन जांच अभियान तथा अन्य पुलिस गतिविधियों की गहन समीक्षा की.समीक्षा बैठक में एसएसपी ने थाना के पदाधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर पुलिसिंग को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया.एसएसपी ने वारंट एवं कुर्की निष्पादन में तेजी लाने, रात्रि गश्ती बढ़ाने और थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार करने का निर्देश दिया.उन्होंने वाहन जांच अभियान को और सघन करने को भी कहा ताकि अपराधियों पर लगाम कसी जा सके.इस मौके पर वजीरगंज थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक नीरज कुमार सहित सभी पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे.

दार्जिलिंग में फुटबॉल का जुनून, विश्व कप से पहले जश्न की शुरुआत

दार्जिलिंग : पहाड़ और फुटबॉल का रिश्ता हमेशा से खास रहा है. जैसे-जैसे विश्व कप फुटबॉल नजदीक आ रहा है, दार्जिलिंग समेत पूरे पहाड़ी क्षेत्र में फुटबॉल का जुनून चरम पर पहुंचता नजर आ रहा है. यहां के लोगों के लिए विश्व कप किसी त्योहार से कम नहीं होता. इसी उत्साह के बीच गुरुवार सुबह दार्जिलिंग के ऐतिहासिक मॉल के चौक (चौरास्ता) में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया.इस रंगारंग आयोजन में स्थानीय भाजपा विधायक नोमन राय की मौजूदगी रही, जहां बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान नृत्य, संगीत और जोश से भरे माहौल ने साफ कर दिया कि पहाड़ के लोग विश्व कप के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं. चौरास्ता का इलाका फुटबॉल प्रेमियों की भीड़ और उत्साह से गुलजार नजर आया.विधायक की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम ने विश्व कप के माहौल को और भी जीवंत बना दिया है. अब पूरा दार्जिलिंग इस वैश्विक खेल महाकुंभ का बेसब्री से इंतजार कर रहा है.

तमलुक में पूर्व मंत्री सौमेन महापात्र ने भाजपा में जाने की इच्छा जताई

मेदिनीपुर : पूर्व मंत्री और चार बार के विधायक सौमेन महापात्र ने तृणमूल कांग्रेस से नाराजगी जताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की है.बुधवार देर शाम सौमेन महापात्र ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद से ही वह पार्टी की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट हैं. उनका आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस अब 'कॉरपोरेट संस्कृति' के अनुसार चल रही है. उन्होंने दावा किया कि मंत्री रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री और पार्टी नेतृत्व तक अपनी बात पहुंचाना आसान नहीं था.उन्होंने कहा कि शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने से इनकार करने के बाद पिछले तीन वर्षों से उन्हें पार्टी में उपेक्षित किया गया. पहले उन्हें मंत्री पद से हटाया गया और बाद में जिलाध्यक्ष पद भी छीन लिया गया. शुभेंदु अधिकारी की प्रशंसा करते हुए महापात्र ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अजय मुखर्जी के बाद मेदिनीपुर में सबसे बड़ा राजनीतिक परिवर्तन शुभेंदु अधिकारी ने ही किया है. उनके अनुसार, परिस्थितियों के कारण शुभेंदु को तृणमूल छोड़नी पड़ी थी.सौमेन महापात्र ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस में टूट की स्थिति बन रही है. उन्होंने कहा कि यदि शुभेंदु अधिकारी और शमिक भट्टाचार्य चाहें तो वह भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में शामिल होकर जनता की सेवा करने के लिए तैयार हैं.

हत्या का प्रयास के कांड में एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : विगत 18 जनवरी को वादी के द्वारा एक लिखित आवेदन दिया गया कि वे अपने फुफेरे बहनोई का दाह संस्कार में गए थे, उसी समय रंजन कुमार द्वारा गाली-गलौज करने लगा.मना करने पर जान मारने के नियत से लोहे के रॉड से मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया.इस संबंध में विष्णुपद थाना कांड सं0-25/26, दिनांक-18.01.2026 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया.विष्णुपद थाना द्वारा लंबित कांडों में वांछित / फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष छापामारी अभियान के अंतर्गत इस कांड में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है.एवं अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है.गिरफ्तार अभियुक्त का नाम / पता - रंजन कुमार, पे0 मुनेश्वर प्रसाद उर्फ मुन्ना यादव, सा0 मानपुर, थाना विष्णुपद, जिला गया का है.

नव निर्मित बैरक भवन का निरीक्षण किया गया

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के एसएसपी सुशील कुमार के द्वारा गुरुवार को पुलिस केन्द्र, गया में पुलिसकर्मियों/सिपाहियों के आवास हेतु नव निर्मित बैरक भवन का निरीक्षण किया गया.निरीक्षण के दौरान बैरक भवन में उपलब्ध आवासीय सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन जायजा लिया गया.एसएसपी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को भवन के समुचित रख-रखाव एवं पुलिसकर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

देशसेवा के लिए सर्वश्रेष्ठ युवाओं की तलाश, गया में सेना भर्ती प्रमुख का विशेष संवाद

युवा शक्ति न्यूज
गया : भारतीय सेना के महानिदेशक भर्ती लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. सुंदरम, सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल ने सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) गया का दौरा कर भर्ती प्रक्रियाओं एवं विभिन्न पहलों की समीक्षा की.इस अवसर पर उनका स्वागत कर्नल आर. मदन मोहन, निदेशक सेना भर्ती ने किया.दौरे के दौरान उन्होंने पारदर्शी, प्रभावी एवं अभ्यर्थी-अनुकूल भर्ती प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का जायजा लिया.एआरओ गया पहुंचने पर लेफ्टिनेंट जनरल सुंदरम ने कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर वर्तमान भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा की.उन्होंने दक्षिण बिहार के 11 जिलों में भर्ती गतिविधियों के सफल संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यावसायिक दक्षता, समर्पण एवं प्रतिबद्धता की सराहना की.अपने दौरे के दौरान महानिदेशक भर्ती ने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) गया के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल संदीप सिंह, अति विशिष्ट सेवा मेडल से भी मुलाकात की.दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न अधिकारी प्रवेश योजनाओं तथा भविष्य के सैन्य नेतृत्व को तैयार करने के लिए अकादमी द्वारा अपनाए जा रहे उपायों पर विस्तृत चर्चा की.महानिदेशक भर्ती ने अकादमी में जेंटलमैन कैडेट्स एवं प्रशिक्षकों के साथ भी संवाद किया.इस दौरान उन्होंने अधिकारी चयन प्रणाली, लिखित परीक्षाओं एवं सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) प्रक्रिया से जुड़े उनके अनुभवों, चुनौतियों, प्रेरणाओं एवं आकांक्षाओं की जानकारी प्राप्त की.यह संवाद युवाओं की अपेक्षाओं को समझने, वर्तमान अधिकारी चयन प्रणाली एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करने तथा भर्ती व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं बेहतर बनाने की संभावनाओं को पहचानने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा.अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. सुंदरम ने कहा कि भारतीय सेना के लिए अधिकारियों एवं अग्निवीरों के चयन हेतु निष्पक्ष, पारदर्शी और तकनीक आधारित भर्ती प्रक्रिया अत्यंत आवश्यक है.

मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने किया उद्घाटन

मुजफ्फरपुर/पटना: मुजफ्फरपुर स्थित अमारा ग्रांड होटल में सीबीएसई एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने दीप प्रज्वलित कर किया.इस अवसर पर परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले एवं अपने-अपने विद्यालयों में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र, मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई.

समारोह को संबोधित करते हुए श्री मृत्युंजय कुमार झा ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत मूल्यवान है और मनुष्य के रूप में जन्म लेकर प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए. उन्होंने कहा कि पढ़ाई का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना और भरण-पोषण के साधन जुटाना नहीं है, बल्कि यह विचार करना भी आवश्यक है कि हम राष्ट्र और समाज के लिए क्या योगदान दे सकते हैं.

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, 'अपने जीवन का ऐसा लक्ष्य निर्धारित कीजिए, जिससे आप अपने परिवार के साथ-साथ समाज, बिहार और पूरे देश का नाम रोशन कर सकें. शिक्षा व्यक्ति को केवल सफल नहीं, बल्कि संवेदनशील, जिम्मेदार और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक भी बनाती है.'उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर अध्ययन के बल पर कोई भी विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकता है. आज सम्मानित हो रहे छात्र-छात्राएं आने वाले समय में देश के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करेंगे और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

कार्यक्रम में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्री सुरेश शर्मा, प्रख्यात विद्वान प्रोफेसर के.सी. सिन्हा, विधान परिषद सदस्य श्री बृजवासी जी, भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी श्री प्रभात मालाकार जी तथा कार्यक्रम के आयोजक श्री कुमुद कुमार झा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे.

सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके परिश्रम और उपलब्धियों की सराहना की तथा उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी.समारोह के दौरान सम्मानित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला. उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं.कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के साथ हुआ.

रफीगंज जदयू विधायक सह समाजसेवी, प्रमोद कुमार सिंह ने गंभीरता से सुनी समस्या

औरंगाबाद: (बिहार) गुरुवार दिनांक - 11 जून 2026 की सुबह में जिला मुख्यालय औरंगाबाद स्थित अपने आवास पर ही रफीगंज विधानसभा क्षेत्र संख्या - 224 के जदयू विधायक सह समाजसेवी, प्रमोद कुमार सिंह मौजूद थे! बारी-बारी से काफी संख्या में रफीगंज विधानसभा क्षेत्र की पीड़ित जनता पहुंची! पीड़ित सभी जनता की बारी - बारी से विधायक ने गंभीरता से बात भी सुनी, और तुरंत संबंधित विभागों के अधिकारियों से मोबाइल नंबर पर संपर्क स्थापित कर उन्हें अवगत भी कराया, तथा अधिकारियों से कहा कि पीड़ित व्यक्ति को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए! इसलिए आप इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने का काम कीजिए, ताकि उचित कार्य के लिए किसी भी पीड़ित व्यक्ति को बेवजह परेशान ना होना पड़े! ज्ञात हो कि रफीगंज विधानसभा क्षेत्र संख्या - 224 के जनता दल यूनाइटेड विधायक सह समाजसेवी, प्रमोद कुमार सिंह के समक्ष गुरुवार को इसी आयोजित जनता दरबार में नगर - पंचायत, रफीगंज से ही एक पीड़ित व्यक्ति पहुंचा हुआ था! जिसके साथ दो और व्यक्ति भी आए हुए थे! उस पीड़ित व्यक्ति का कहना था, कि नगर - पंचायत, रफीगंज में भू - माफिया इतना अत्याचार कर रहे हैं, कि मेरा पूर्वज का ही जमीन है! शुरू से ही मेरा सभी पूर्वज भी रहे! अभी तक हम लोग भी इसी जमीन पर परिवार के सभी सदस्य साथ रह रहे हैं! जमीन का सारा पेपर मेरे पास है! आदेश भी मेरे पक्ष में ही है, परंतु नगर - पंचायत, रफीगंज में जो भू - माफिया का ग्रुप, राजा ग्रुप है! वह मुझे कहता है कि तुम 25,00000 लाख रुपया ले लो, और यह मकान छोड़कर चले जाओ! नहीं तो तुमको इस जमीन पर कभी भी मकान नहीं बनाने देंगे, और जब हम थाना पर भी जाकर थाना अधिकारी से कहते हैं, तो मेरा कुछ सुनने के लिए तैयार नहीं है, तथा भू - माफिया थाना अधिकारी के सामने भी कहता है, कि तुमको जहां जाना है जाओ! मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ेगा! तुमको 25,00000 रुपया लेकर मकान छोड़ना है, तो छोड़ दो! नहीं तो तुम्हारा मकान हम कभी भी नहीं बनने देंगे! इसलिए माननीय विधायक जी आपसे मेरा यही अनुरोध है, कि मुझे इस भू - माफिया ग्रुप से मुक्ति दिलवाइए, और उस जमीन पर मेरा मकान बनवा दीजिए, क्योंकि हम जब भी अपना पूर्वज के उसी जमीन पर मकान बनवाने लगते हैं,

आपदा पीड़ित परिवारों के प्रति सरकार संवेदनशील : मंत्री

मंत्री श्रवण कुमार ने नालंदा में 9 आपदा पीड़ित परिवारों को सौंपे अनुदान चेक

युवाशक्ति न्यूज
पटना:ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के माननीय मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा के दौरान जान गंवाने वाले 9 लोगों के परिजनों को आपदा अनुग्रह अनुदान के तहत चेक का वितरण किया गया.

गुरुवार को नूरसराय प्रखंड कार्यालय में आयोजित चेक वितरण कार्यक्रम में माननीय मंत्री ने कहा कि आपदा जैसी विसम परिस्थिति में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती और संवेदनशीलता के साथ खड़ी है. बाढ़, भूकंप, सर्पदंश इत्यादि आपदा मामलों में पीड़ितों तक न सिर्फ तुरंत आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है, बल्कि सरकार पीड़ित परिवार के दर्द को भी समझते हुए हर संभव सहायता पहुंचा रही है. आपदा पीड़ित परिवारों को पुनर्वास में भी हर तरह से सहायता प्रदान की जा रही है.

माननीय मंत्री श्री कुमार ने नूरसराय थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के तीन लाभार्थियों को 4 लाख रुपये का चेक सौंपा.

गोडिहा गांव के निवासी मृतक सन्नी कुमार के पिता हरेराम पंडित को 4 लाख 20 हजार रुपये, रामलगन पासवान की पत्नी कांता देवी को 4 लाख रुपये और चरुईपर पोस्ट बघरा निवासी दिवंगत वाल्मीकि पासवान की पत्नी आशा देवी को 4 लाख रुपये का चेक दिया गया.इस दौरान बेगमपुर, ममरुबाद पंचायत के मिरचाईगंज, मेयार, नरौरा, कखड़ा और चारुईपुर गांवों के 6 अन्य पीड़ित परिवारों को 20-20 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया. इनमें मृतक मिथुन कुमार, वंदना कुमारी, सत्यम कुमार, लड्डू चौहान, रोहित कुमार और अर्जुन पासवान के आश्रित शामिल हैं. इस मौके पर पप्पु मुखिया, सिक्कु मुखिया, उपेंद्र मुखिया, शैलेन्द्र प्रसाद गराई, सुनिल, रविराम, नवल मुखिया, कृष्ण मुखिया, राकेश कुमार समेत अन्य मौजूद थे.

प्राध्यापिका प्रो. समापिका महापात्रा ने थाईलैंड में आयोजित 12वें विश्व महिला अध्ययन सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया

युवा शक्ति न्यूज
टिकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के समाजशास्त्रीय अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. समापिका महापात्रा ने थाईलैंड के चियांग माई स्थित एम्प्रेस चियांग माई होटल में आयोजित प्रतिष्ठित 12वें विश्व महिला अध्ययन सम्मेलन (डब्ल्यूसीडब्ल्यूएस 2026) में एक अग्रणी शोधपत्र प्रस्तुत किया.फाइट्स फॉर अनस्पीकेबल प्लाइट्स: नॉन-हेट्रोसेक्सुअल्स (एलजीबीटीक्यूआई प्लस) स्टेटस इन ए जेन्ड्रेड वर्ल्ड शीर्षक से प्रस्तुत इस शोधपत्र का चयन डब्ल्यूसीडब्ल्यूएस 2026 की वैज्ञानिक समीक्षा समिति द्वारा कठोर सहकर्मी-समीक्षा (पीर रिव्यु) प्रक्रिया के उपरांत किया गया.सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रो. महापात्रा की प्रस्तुति ने वैश्विक प्रभाव वाले तथा सामाजिक रूप से परिवर्तनकारी शोध के एक प्रमुख केंद्र के रूप में सीयूएसबी की प्रतिष्ठा को

और सुदृढ़ किया है.उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की अंतर-संस्थागत सहयोग तथा उच्चस्तरीय शोध मार्गदर्शन के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है.जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने गुरुवार को बताया कि शोधपत्र की मुख्य लेखिका प्रो. समापिका महापात्रा हैं, जबकि सह-लेखकों में डॉ. बिनीता बेहरा (सहायक प्राध्यापक, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर) तथा श्री प्रेम प्रकाश (पीएच.डी. शोधार्थी, समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग, सीयूएसबी) शामिल हैं.शोधपत्र में प्रतिष्ठित विद्वानों की सहभागिता इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाती है.यह अध्ययन गैर-विषमलैंगिक तथा लैंगिक मानदंडों से भिन्न पहचान रखने वाले व्यक्तियों के समक्ष उपस्थित संरचनात्मक हिंसा, सामाजिक कलंक तथा कानूनी कमियों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है. डब्ल्यूसीडब्ल्यूएस शोध सम्मेलन की वर्ष 2026 की केंद्रीय थीम संवाद की शक्ति : आवाज़हीनता की परिस्थितियों का उन्मूलन के अनुरूप थी.

डब्ल्यूसीडब्ल्यूएस 2026 सम्मेलन ने सीयूएसबी के प्रतिनिधियों को विश्वस्तरीय शिक्षाविदों एवं नीति-निर्माताओं के साथ संवाद और नेटवर्किंग का एक समृद्ध अवसर प्रदान किया.प्रो. समापिका महापात्रा ने कहा कि थाईलैंड में आयोजित डब्ल्यूसीडब्ल्यूएस 2026 में अपने शोधकार्य की प्रस्तुति ने हमें मानवाधिकारों और संरचनात्मक हिंसा से जुड़े वैश्विक विमर्श के केंद्र में सीयूएसबी को स्थापित करने का अवसर दिया.

यह शोध हमारे दल की सामूहिक उपलब्धि है, जिसमें डॉ. बिनीता बेहरा और हमारे शोधार्थी श्री प्रेम प्रकाश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है.संवाद की शक्ति के माध्यम से हम उन परिस्थितियों को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं जो एलजीबीटीक्यूआई प्लस समुदाय को हाशिए पर धकेलती हैं, ताकि समाज को अधिक समतामूलक और न्यायपूर्ण दिशा की ओर अग्रसर किया जा सके.

हेल्थ मिनिस्टर से मिले जदयू जिलाध्यक्ष

युवा शक्ति न्यूज
गयाजी : जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने स्वास्थय मंत्री निशांत कुमार से मिलकर अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं प्रभावती महिला अस्पताल से संबंधित विभिन्न समस्याओं से मंत्री निशांत कुमार को अवगत करवाया.अजय कुशवाहा ने बताया की मंत्री निशांत कुमार को बताया गया की मगध मेडिकल अस्पताल में फिलहाल आईसीयू में बेड 20 है और इमरजेंसी वार्ड में 50 बेड उपलब्ध है, अस्पताल का लोड को देखते हुए आईसीयू में 50 बेड एवं इमरजेंसी वार्ड में 200 बेड करने का आग्रह किया.साथ ही नया छात्रावास निर्माण, साफ सफाई, पानी निकासी जैसे विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया.जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने बताया की निशांत कुमार को प्रभावती अस्पताल में डॉक्टर, नर्स की कमी वेहोसी करने वाले डॉक्टर की कमी छात्रावास का भवन निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत करवाया.स्वास्थ मंत्री ने सभी समस्याओं से जल्द निजात दिलाने का भरोसा दिलाया.

16 जून को आयोजित होने वाले अगले सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई

युवा शक्ति न्यूज
गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन में प्रगति तथा 16 जून, 2026 को आयोजित होने वाले अगले सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा की गई एवं प्राप्त अद्यतन स्थिति का जानकारी लिया गया.पदाधिकारियों को जन-शिकायतों का प्रभावी ढंग से समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करने तथा शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.विदित हो कि 2 जून, 2026 को गया जिला के 24 प्रखंडों के 28 ग्राम पंचायतों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया था.19 मई को भी 28 ग्राम पंचायतों में शिविरों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था.डीएम ने कहा कि सहयोग शिविरों में अनेकों लोगों ने भाग लिया और सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाया.आम जनता काफी प्रसन्न है.डीएम ने लोगों ने आगे भी सहयोग शिविर में भाग लेकर सुविधाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया.डीएम ने कहा कि अगला सहयोग शिविर दिनांक 16 जून को गया जिला के 28 ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के विभिन्न वार्डों के लिए चिन्हित 18 स्थलों पर आयोजित किया जाएगा.इसके लिए भी वरीय पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है तथा सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप हर व्यवस्था की जा रही है.इसकी समीक्षा की गई और पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया.उन्होंने कहा कि सरकार के उद्देश्यों के अनुरूप प्रशासन के लिए जनता की संतुष्टि सर्वोपरि है.गया जिला में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करते हुए जन-कार्यों के प्रति संवेदनशीलता के साथ सरकार की लोक-कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है.

✱19 मई से प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है.✱डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के आलोक में गया जिला में भी सबका सम्मान, जीवन आसान के संकल्प को धरातल पर उतारने एवं जन-समस्याओं के त्वरित तथा प्रभावी समाधान हेतु 19 मई से प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है.शिविरों में लोगों द्वारा सरकार की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की जा रही है.डीएम ने कहा कि जनता की समस्याओं का विधिवत समाधान कर आवेदकों को 30 दिनों के अंदर लिखित रूप से सूचना दी

जाएगी.डीएम ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार जन शिकायतों के प्रभावी समाधान हेतु सहयोग शिविरों का आयोजन अब ग्राम पंचायतों के साथ-साथ नगर निकायों के वार्डों में भी किया जा रहा है.जिला प्रशासन, गया की जनता से अपील: अब आपको सरकारी दफ्तर का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा बल्कि अधिकारी आपके द्वार आएंगे. सहयोग शिविर में आप अधिक-से-अधिक संख्या में पहुँचें और अपनी समस्या का समाधान पाएं.इसके बारे में अपने परिवार और परिचितों को भी जानकारी दें.डीएम ने कहा कि शिविर स्थलों पर सभी विभागों के काउन्टर के साथ-साथ मे आई हेल्प यू काउन्टर भी लगाया जाता है जहाँ आम जनता को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने में जिला प्रशासन द्वारा सहायता उपलब्ध करायी जाती है. शिविर के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए वरीय पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है.सभी नगर कार्यपालक पदाधिकारियों, बीडीओ, सीओ को सहयोग शिविरों के आयोजन के संबंध में सघन जन-जागरूकता अभियान चलाने का निदेश दिया गया है ताकि लोग इसका लाभ उठाएं.डीएम द्वारा बैठक में एसडीओ को अपने क्षेत्र अंतर्गत शिविरों के आयोजन का अनुश्रवण करने के लिए निर्देशित किया गया.प्रतिनियुक्त वरीय अधिकारियों को शिविरों का सफल आयोजन कर जन शिकायतों का प्रभावी ढंग से समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है.**✱शिविर में विभिन्न विभागों के कुल 11680 की संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, 9763 आवेदनों का हुआ समाधान.✱**डीएम ने बताया कि सहयोग शिविर में विभिन्न विभागों के कुल 11680 की संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके विरुद्ध 9763 आवेदनों को समाधान करवाया जा चुका है, 1721 आवेदन को निष्पादन की प्रक्रिया में है, 196 आवेदन को रद्द किया गया है.जिसमें आपदा विभाग के कुल 15 मामलों का निष्पादन किया गया.वित्त विभाग द्वारा 8 मामलों का निष्पादन किया गया.कल्याण विभाग द्वारा 12 मामलों का निष्पादन किया गया.साइंस टेक्नोलॉजी एंड टेक्निकल शिक्षा विभाग द्वारा 4 मामलों का निष्पादन किया गया.मत्स्य एवं पशु पालन विभाग द्वारा 3 मामलों का निष्पादन किया गया.खेल विभाग द्वारा 3 मामलों का निष्पादन किया गया.पर्यटन विभाग द्वारा 2 मामलों का निष्पादन किया गया.स्किल डेवलपमेंट विभाग द्वारा 2 मामलों का निष्पादन किया गया.खाद्य आपूर्ति विभाग 522 मामलों का निष्पादन किया गया.

ग्रामीण विकास विभाग 2738 मामलों का निष्पादन किया गया.ग्रामीण कार्य विभाग 41 मामलों का निष्पादन किया गया.गृह विभाग के 226 मामलों का निष्पादन किया गया.सड़क निर्माण विभाग के 42 मामलों का निष्पादन किया गया.सामाजिक सुरक्षा विभाग के 1049 मामलों का निष्पादन किया गया.

कृषि विभाग के 50 मामलों का निष्पादन किया गया.शिक्षा विभाग के 267 मामलों का निष्पादन किया गया.प्लानिंग एवं डेवलपमेंट विभाग के 634 मामलों का निष्पादन किया गया.राजस्व विभाग के कुल 3042 मामलों का निष्पादन किया गया.पंचायती राज विभाग के 184 मामलों का निष्पादन किया गया.

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के 171 मामलों का निष्पादन किया गया.ऊर्जा विभाग के 196 मामलों का निष्पादन किया गया.अर्बन डेवलपमेंट एवं हाउसिंग के 90 मामलों का निष्पादन किया गया.

सहयोग शिविर आयोजन तिथि से 30 दिन पूर्व से आमजन के लिए आवेदन देने की व्यवस्था.

डीएम ने निदेश दिया है कि संबंधित नियंत्री पदाधिकारी अपने स्तर से लोगों से आवेदन/परिवाद पत्र प्राप्त करने हेतु सहयोग शिविर की निर्धारित तिथियों के लिए तीस दिन पूर्व से ही आयोजन स्थल पर आवेदन/परिवाद पत्र प्राप्त करने हेतु कर्मियों के माध्यम से आमजन से आवेदन/परिवाद पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे.मौके पर भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे.

संपादकीय
कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए
कोलकाता | शुक्रवार | 12 जून, 2026

देश का 'अपारंपरिक पीएम'

नरेंद्र मोदी बीते 12 लंबे सालों से, यानी 4400 दिनों से, निरंतर तीसरी बार देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं. यह कोई सामान्य घटना या राजनीतिक, लोकतांत्रिक स्वीकृति ही नहीं है, बल्कि देश के जनमत का निष्कर्ष है. भारत का प्रधानमंत्री बनना अपने आप में हिमालय लांघने जैसा कीर्तिमान है. यह लोकतंत्र के सशक्तिकरण का भी प्रमाण है. भारत जैसे बहुक्षेत्रीय, बहुभाषायी, बहुसांस्कृतिक, बहुनस्लीय, बहुधर्मी देश का इतने लंबे कार्यकाल तक प्रधानमंत्री बने रहना विविधता की मुहर भी है. लेकिन प्रधानमंत्रियों की आपसी तुलना नहीं की जानी चाहिए. न तो जवाहर लाल नेहरू 'महानतम' थे और न ही नरेंद्र मोदी 'कमतर महान' हैं. वे लोकतंत्र के जनादेश के वाहक हैं और देश का नेतृत्व कर रहे हैं. प्रधानमंत्रियों की राजनीतिक परिस्थितियां, कालखंड भिन्न होते हैं, लिहाजा तुलना बुनियादी और शास्त्रीय आधार पर गलत है. देश में वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिन्हें राजनीतिक कारणों से एक साल का कार्यकाल भी नसीब नहीं हुआ, लेकिन वे भी प्रधानमंत्रियों की जमात में शामिल हैं. उनके नाम भी राष्ट्रीय उपलब्धियां दर्ज होंगी! नेहरू इसलिए सर्वाधिक उल्लेखनीय रहे हैं, क्योंकि उन्हें 'स्वतंत्र भारत' का सबसे पहले नेतृत्व करने का अवसर मिला. उन्हें राष्ट्रीय निर्माण के 'बुनियादी पत्थर' रखने का दायित्व मिला. उन्होंने आईआईटी, आईआईएम, एम्स, भारी उद्योग, भाखड़ा जैसे बांध, रेलवे के शुरुआती विस्तार आदि को आकार दिया. बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने उनका खूब विस्तार कराया. आज देश के प्रमुख राज्यों में आईआईटी और एम्स मौजूद हैं. सभी समान स्तरीय हैं. नेहरू को 'सुई' से शुरुआत करनी पड़ी. उन्होंने भी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गलतियां कीं, लेकिन यह तो इनसानी फितरत है. लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया, उन्हें पीछे कर दिया, ऐसी हुंकारों से भाजपाई मंत्रियों, नेताओं और काडर को बचना चाहिए. नेहरू के कालखंड में देश की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से बहुत कम थी और मोदी को जब सत्ता सौंपी गई, तो जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुकी थी और आज 12 साल बाद हम 4 ट्रिलियन डॉलर की, विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं. आजादी के बाद देश की आबादी करीब 5 गुना अधिक हो चुकी है, लिहाजा जीडीपी भी उसी अनुपात में बढ़ रही है. दरअसल कई मायनों में प्रधानमंत्री मोदी 'अपारंपरिक प्रधानमंत्री' हैं. उन्होंने जन-धन बैंक खाते, उज्ज्वला गैस, शौचालय, सरकारी मदद से पक्के घर, हर नल में जल, आयुष्मान भारत, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करना, तीन तलाक संबंधी कानून, वैश्विक महामारी कोरोना के संदर्भ में 220 करोड़ से अधिक कोरोना टीके की खुराक मुफ्त देना, कोरोना टीके का भारत में ही आविष्कार आदि 'अपारंपरिक' कार्यक्रम और योजनाएं हैं. इनकी व्यवस्था में खामियां हैं, विसंगतियां हैं, जनता को शिकायतें हैं, लेकिन ये नीतिगत अभियान निरंतर जारी हैं. ऐसा किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री ने नहीं सोचा. प्रधानमंत्री मोदी को इसका राजनीतिक लाभ मिलता रहा है. कोरोना के दौर से 80 करोड़ से अधिक भारतीयों को 5 किलो मुफ्त राशन हर महीने मुहैया कराया जा रहा है और 2029 तक जारी रहेगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ और जानकार सवाल करते रहे हैं कि यदि इन (अब 81.35 करोड़) लोगों को मुफ्त राशन न बांटा जाए, तो क्या ये लोग भूखे मर जाएंगे? यदि देश की यही स्थिति है, तो गरीबी के आंकड़ों का यथार्थ भयावह है. फिर 25 करोड़ लोगों को गरीबी-रेखा से बाहर निकालने के दावे बेमानी हैं. हम मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर निरंतर सवाल उठाते रहे हैं. यह हमारा संवैधानिक, लोकतांत्रिक जनादेश है. प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड में नक्सलवाद लगभग समाप्त कर दिया गया है. आतंकवाद कभी-कभार सांसें लेने लगता है, अलबत्ता अलगाववाद के साथ उसका भी सूपड़ा साफ कर दिया गया है. प्रधानमंत्री मोदी को 32 देशों ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है, यह भारत का ही सम्मान है. प्रधानमंत्री मोदी ने 15 से अधिक देशों की संसद को संबोधित भी किया है, यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी अभूतपूर्व है. 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो देश के 8 राज्यों में ही भाजपा-एनडीए की सरकारें थीं, लेकिन आज यह विस्तार 22 राज्यों तक हो गया है और भाजपा-एनडीए देश के 75 फीसदी से अधिक भूभाग पर शासन कर रहे हैं, लेकिन मोदी को अभी लंबा रास्ता तय करना है और भारत को 'विकसित देश' बनाना है.

इंडिया अलायंस में दरारें : एकता बनाम बिखराव

– क्रांति कुमार पाठक

दरअसल, इंडिया अलायंस इस समय एकता बनाम बिखराव की दोहरी परिस्थितियों से गुजर रहा है. एक तरफ 25 विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ, नेतृत्व के सवाल और राज्य स्तर के अंतर्विरोधों के कारण अलायंस में दरारें भी स्पष्ट दिखाई दे रही हैं. दलबदल, आहत अहंकार और टूटी वफादारी के इस दौर में, हालिया राज्य चुनावों में तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और माकपा की हार और निराशा के कारण विपक्ष के 'इंडिया अलायंस' में दरारें और गहरी हो गई. बीते दिनों राजधानी दिल्ली में आयोजित 25 विपक्षी दलों की बैठक में अंदरूनी मतभेद और तनाव और बढ़ गए. ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और आर्थिक दबाव जैसे मुद्दों पर भाजपा-विरोधी रुख बनाए रखने के बावजूद अलायंस की एकता बहुत कमजोर स्थिति में है. यह सब राहुल गांधी के 'एकजुट रहने पर हम टिके रहेंगे, बंटेंगे पर गिर जाएंगे' के आह्वान के बावजूद हो रहा है. निश्चित रूप से, अलायंस में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका पर दबाव बढ़ा है और कुछ सहयोगी दल खुले तौर पर उसके रवैए पर सवाल उठा रहे हैं. इसी पृष्ठभूमि में तब हुई, जब द्रमुक ने घोषणा की कि वह लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं, जिसने द्रमुक से संबंध तोड़कर विजय की टी.वी.के. से हाथ मिलाया और तमिलनाडु में उनकी सरकार का हिस्सा बनी. ऐसे में आम आदमी पार्टी और विजय की टी.वी.के. भी अलायंस में शामिल नहीं है. इसी तरह झारखंड मुक्ति मोर्चा झारखंड की 2 राज्यसभा सीटों में से 1 के लिए कांग्रेस द्वारा एकतरफा उम्मीदवार घोषित करने से नाराज है, वहीं माकपा ने पूर्व मुख्यमंत्री विजयन पर हमलों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है. पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस में बागी संकट के बीच, जहां 58 विधायक और 20 सांसद अलग हो गए हैं, वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे की राह तय करने के लिए संघर्ष कर रही है, क्योंकि उनका राजनीतिक अस्तित्व संवैधानिक सत्ता बनाए रखने पर टिका है. कांग्रेस भी तृणमूल कांग्रेस के संकट पर नजर रखे हुए है. तृणमूल कांग्रेस का मामला उन क्षेत्रीय दलों के लिए पीढ़ीगत संकट को उजागर करता है, जिन्होंने पिछले तीन दशकों में करिश्माई नेताओं की बदौलत असाधारण सफलता हासिल की थी, लेकिन अब वे अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं. राजद, बीजद, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और द्रमुक जैसी पार्टियां, जो एक मजबूत नेता के इर्द-गिर्द एकजुट होकर बची रहीं, आज उनके सामने एक कठिन विकल्प है, या तो किसी चुने हुए उत्तराधिकारी को कमान सौंपकर बगावत को न्यौता दें, या फिर अपने संस्थापक परिवारों से किनारा कर पार्टी के बिखरने का जोखिम उठाएं. राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते, क्षेत्रीय पार्टियों को संसद में परिसीमन, संघवाद और केंद्र-राज्य संबंधों जैसे मुद्दों पर उसके साथ तालमेल बिठाना होगा. हालांकि, साथ ही क्षेत्रीय पार्टियां अधिक मुखर भी हो रही हैं. द्रमुक का अलग होना और माकपा की सार्वजनिक आलोचना यह दिखाती है कि सहयोगी दल अब कांग्रेस को अलायंस के निर्विवाद नेता के रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं. इसके अलावा, राज्य-स्तरीय प्रतिद्वंद्विताएं भी अनसुलझी हैं. कांग्रेस केरल में माकपा और बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सीधे मुकाबले में है. उत्तर प्रदेश में उसकी और समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताएं एक जैसी नहीं हैं और अन्य जगहों पर भी सहयोगियों के साथ उसका टकराव है. इस प्रकार, ये विरोधाभास हमेशा से इंडिया अलायंस की संरचनात्मक कमजोरी रहे हैं. जहां तक शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अखिलेश की सपा या लालू की राजद की बात है, तो अलायंस को जीवित रखने के लिए उनके पास सबसे मजबूत कारण हैं. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में विपक्ष की एकता पर काफी हद तक निर्भर है, जहां वह कांग्रेस और ठाकरे की शिव सेना (उद्धव) के साथ मिलकर काम करती है. शरद पवार ने ऐतिहासिक रूप से अलायंस तोड़ने वाले की बजाय गठबंधन बनाने वाले की भूमिका निभाई है. सपा को कांग्रेस के साथ तालमेल से बार-बार फायदा हुआ है और वह अलायंस की केंद्रीय हस्तियों में से एक बनी हुई है. राजद के लिए, राजग के खिलाफ कांग्रेस एक जरूरी सहयोगी है, क्योंकि अलग होने से बिहार में विपक्ष कमजोर हो जाएगा. ऐसे में भले ही कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी हुई है, लेकिन सपा, राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, झामुमो जैसी क्षेत्रीय पार्टियां ज्यादा आजादी चाहती हैं. दूसरी, एक ढीला-ढाला संसदीय मोर्चा-पार्टियां संसद के अंदर तो तालमेल बनाए रखें लेकिन राज्य चुनावों में अलग-अलग लड़ें. तीसरी, क्षेत्रीय पार्टियां ऐसे अलायंस ढांचे की मांग के लिए एकजुट हो सकती हैं जो कांग्रेस पर कम केंद्रित हो. दरअसल, इंडिया अलायंस वर्तमान में एक 'मजबूरी के समझौते' और 'मजबूत विकल्प' के बीच फंसा हुआ है. 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले यदि वे आपसी मनमुटाव, सीट-बंटवारे और एक साझा चेहरे पर सहमति नहीं बना पाते हैं, तो उनके लिए एकता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होगी. क्योंकि यह 'असहमति के बावजूद एकता' वाला मामला है, न कि 'बिखराव में एकता' वाला. *(उपसंपादक दैनिक एक संदेश)*

प्राचीन बंगाल में जैन धर्म: उदय, स्वर्ण युग और ह्रास का इतिहास

– सीए कमल नयन जैन

प्रस्तावना: इतिहास से पहले का एक साम्राज्य : मौर्य और गुप्त जैसे महान साम्राज्यों के भारतीय उपद्वीप में फैलने से बहुत पहले, आज के उत्तरी बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के उपजाऊ मैदानों और नदी घाटियों में प्राचीन भारत की सबसे पुरानी और रहस्यमयी सभ्यताओं में से एक का वास था - पुण्ड्र राज्य, जिसे पुण्ड्रवर्धन या पौण्ड्रवर्धन भी कहा जाता था. करतोया, पद्मा और गंगा नदियों के जल से सिंचित इस प्राचीन भूमि ने न केवल शक्तिशाली शासकों और समृद्ध नगरों को जन्म दिया, बल्कि एक असाधारण गहन और भौगोलिक रूप से व्यापक धार्मिक परंपरा को भी आश्रय दिया- जैन धर्म. पुण्ड्र जैन धर्म और प्राचीन मानभूम (वर्तमान पुरुलिया) की कहानी जैन धार्मिक इतिहास और बंगाल के व्यापक इतिहास दोनों के सबसे उल्लेखनीय - और सबसे उपेक्षित - अध्यायों में से एक है. आज बंगाल में जैन धर्म की लगभग कोई बड़ी दृश्य उपस्थिति नहीं है. फिर भी, कम-से-कम 5वीं-4थी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 12वीं-13वीं शताब्दी ईस्वी तक - एक हज़ार वर्षों से अधिक समय तक - पूरे बंगाल (उत्तरी मैदानों से लेकर सुदूर पश्चिम के पहाड़ी इलाकों तक) में जैन धर्म फला-फूला. इसने यहाँ कैनोनिकल विद्वान, मठवासी समुदाय, विशिष्ट उपसंप्रदाय और भव्य मंदिरों व मूर्तियों की एक समृद्ध भौतिक संस्कृति उत्पन्न की.

पुण्ड्र राज्य और मानभूम (पुरुलिया) का भूगोल : पुण्ड्र जन और उनकी मातृभूमि भारतीय साहित्य के सबसे प्राचीन संदर्भों में शामिल हैं. लगभग 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व का ऐतरेय ब्राह्मण पहला ग्रंथ है जो पुण्ड्रों का उल्लेख करता है. भौगोलिक दृष्टि से, पुण्ड्र राज्य उस क्षेत्र में फैला था जो दक्षिण में पद्मा, पश्चिम में गंगा और पूर्व में करतोया से घिरा था. इसकी राजधानी पुण्ड्रनगर थी, जिसकी पहचान वर्तमान बांग्लादेश के बोगरा के पास महास्थानगढ़ पुरातात्विक स्थल से की गई है. दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल का सुदूर पश्चिमी भाग, जिसे प्राचीन काल में 'वज्र-भूमि' या 'राढ़ क्षेत्र' और बाद में 'मानभूम' (वर्तमान पुरुलिया जिला) कहा गया, जैन धर्म का एक और मजबूत गढ़ बनकर उभरा. जैन ग्रंथ भगवती-सूत्र के अनुसार, यह स्थान ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी के दौरान भी मौजूद था और उस समय के 16 महाजनपदों के प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा था. पुरुलिया का यह लाल-मिट्टी वाला क्षेत्र सूखी, लहरदार पहाड़ियों और नदियों (जैसे दामोदर और कसाई) के किनारे बसा है, जहाँ जैन धर्म एक प्रमुख आध्यात्मिक शक्ति के रूप में विकसित हुआ.

बंगाल में जैन धर्म का आगमन और प्रसार : बंगाल में जैन धर्म की जड़ें स्वयं 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर (लगभग 599-527 ईसा पूर्व) के जीवनकाल तक फैली हैं. प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख है कि महावीर स्वयं राढ़ क्षेत्र (वर्तमान पश्चिम बंगाल के दक्षिणी और पश्चिमी भाग) की यात्रा पर अहिंसा और तपस्या का प्रचार करने गए थे. इसके अतिरिक्त, 24 तीर्थंकरों में से 20 ने वर्तमान झारखंड के पारसनाथ पहाड़ (शिखरजी) पर निर्वाण प्राप्त किया, जो पुरुलिया और प्राचीन मानभूम की सीमा से सटा हुआ है. इस भौगोलिक निकटता के कारण पुरुलिया और उसके आस-पास के क्षेत्रों (जैसे सिंहभूम, संथाल परगना) में जैन धर्म का व्यापक प्रसार हुआ. 4थी शताब्दी ईसा पूर्व तक बोधिसत्त्वावदानकल्पलता और दिव्यावदान जैसे प्राचीन बौद्ध ग्रंथों के अनुसार पुण्ड्रवर्धन और उसके आस-पास जैन धर्म एक जीवंत संस्थागत रूप ले चुका था.

आचार्य भद्रबाहु और गोदासगण : बंगाली जैन परंपरा : पुण्ड्रवर्धन को वैश्विक जैन इतिहास से जोड़ने वाली सबसे महत्त्वपूर्ण विभूति आचार्य भद्रबाहु (लगभग 367-298 ईसा पूर्व) हैं. वे पुण्ड्रवर्धन के देवकोट नगर के एक जैन-ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे और आगे चलकर संपूर्ण जैन मठवासी संघ के सर्वोच्च प्रमुख बने. भद्रबाहु को जैन इतिहास में 'अंतिम श्रुतकेवली' (संपूर्ण शास्त्रीय ज्ञान रखने वाले अंतिम आचार्य) के रूप में पूजा जाता है. श्वेतांबर परंपरा के अनुसार, वे जैन धर्म के सबसे पवित्र ग्रंथों में से एक, कल्पसूत्र के लेखक थे. दिगंबर परंपरा के अनुसार, वे बाद में मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य को तपस्वी जीवन में दीक्षित कर दक्षिण भारत (श्रवणबेलगोला, कर्नाटक) ले गए. आचार्य भद्रबाहु को इस क्षेत्र में धातुकर्म और लौह कला से भी जोड़ा गया है, जिससे उन्हें साहित्य में 'लौहाचार्य' भी कहा गया. भद्रबाहु के बाद, उनके शिष्य गोदस (गोदास) ने पुण्ड्रवर्धन में कमान संभाली. उनके अनुयायियों द्वारा स्थापित संघ गोदासगण कहलाया, जो विशुद्ध रूप से एक क्षेत्रीय बंगाली जैन परंपरा थी. कल्पसूत्र के अनुसार, गोदासगण चार प्रमुख उपसंप्रदायों में विभाजित हुआ, जिनमें से तीन के नाम सीधे प्राचीन बंगाल के प्रमुख नगरों पर आधारित थे:

1. ताम्रलिप्तिकीय : प्राचीन बंदरगाह नगर ताम्रलिप्त (आधुनिक तामलुक) के नाम पर. **2. कोटिवर्षीय :** पुण्ड्रवर्धन की दूसरी प्रशासनिक राजधानी कोटिवर्ष (आधुनिक बांगरह, दिनाजपुर) के नाम पर. **3. पुण्ड्रवर्धनीय :** सीधे पुण्ड्रवर्धन साम्राज्य के केंद्र के नाम पर. **4. धासिखर्वाटिका :** बंगाल क्षेत्र में फैले जैन समुदायों का क्षेत्रीय नेटवर्क. यह इस बात का ठोस प्रमाण है कि जैन धर्म बंगाल की स्थानीय संस्कृति में कितनी गहराई से रच-बस गया था.

सराक समुदाय और उद्योग-व्यापार का योगदान : मानभूम (पुरुलिया) और राढ़ क्षेत्र में जैन धर्म के प्रसार और टिकाव का सबसे बड़ा श्रेय सराक' (Sarak) समुदाय को जाता है, जो प्राचीन 'श्रावक' (जैन गृहस्थ) शब्द से बना है. इतिहासकारों (जैसे कर्नल डाल्टन और वी. बॉल) के अनुसार, सराक समुदाय प्राचीन काल से ही इस क्षेत्र में खनन और धातुकर्म (Metallurgy) में अत्यधिक कुशल था.

ताम्र युग और लौह युग : सराक समुदाय को सिंहभूम और मानभूम में तांबे (Copper Age) और लोहे (Iron Age) के उद्योगों का प्रणेता माना जाता है. उन्होंने अजय नदी के दोनों किनारों पर (रूपनारायणपुर से पांडवेश्वर तक) विशाल लौह भट्टियाँ स्थापित की थीं. महास्थानगढ़ और राढ़ क्षेत्र के जैन आचार्यों को लौह कला के विकास से जोड़ा गया है.

व्यापारिक मार्ग : सराक जैन व्यापारी मुख्य रूप से तांबे और लोहे का व्यापार करते थे. मानभूम की प्रसिद्ध तांबे की खदानों (तामजुरी और तामाखुन) से अयस्क निकालकर वे 'सड़क' मार्ग से 'तैलकम्पो' या 'तेलकुपी' बंदरगाह (दामोदर नदी के किनारे) तक लाते थे. वहाँ से नावों के ज़रिए वे प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह 'ताम्रलिप्त' तक पहुँचते थे. इस प्राचीन व्यापारिक मार्ग (ताम्रलिप्त से पुरुलिया, तेलकुपी होते हुए वाराणसी तक) के किनारे-किनारे सराक जैनियों ने अनगिनत कुएँ, तालाब ('सराक तालाब') और भव्य मंदिरों का निर्माण करवाया.

चरमोत्कर्ष और पुरातात्विक साक्ष्य (गुप्त काल से पाल काल) : गुप्त काल (4थी-6ठी शताब्दी ईस्वी) में पुण्ड्रवर्धन में जैन धर्म अपने संस्थागत शिखर पर था. बंगाल में जैन धर्म का सबसे पुराना ठोस पुरातात्विक प्रमाण राजशाही जिले के पहाड़पुर से मिला ताम्रपत्र अभिलेख (479 ईस्वी) है. यह अभिलेख दर्शाता है कि एक हिंदू ब्राह्मण दंपती (नाथशर्मन और रामी) ने जैन आचार्य गुहनदिन द्वारा संचालित 'वट-गोहाली विहार' में अर्हतों की पूजा के लिए भूमि और स्वर्ण मुद्राएं दान में दी थीं. यह तत्कालीन बंगाल की धार्मिक सहिष्णुता और बहुलता का प्रतीक है. इसके बाद, 7वीं शताब्दी (लगभग 638 ईस्वी) में चीनी बौद्ध भिक्षु ह्वेनसांग (Xuanzang) ने पुण्ड्रवर्धन की यात्रा की. उन्होंने अपने यात्रा वृत्तांत में लिखा कि पुण्ड्रवर्धन में विभिन्न संप्रदायों के बीच 'दिगंबर निर्ग्रंथों' (नग्न जैन आचार्यों) की संख्या बहुत अधिक थी, जो यह प्रमाणित करता है कि पाल काल के ठीक पहले तक उत्तरी बंगाल में जैन धर्म कितना प्रभावशाली था.

पुरुलिया के रेखा देउल (मंदिर) का स्वर्ण युग (9वीं से 12वीं शताब्दी) : 9वीं से 12वीं शताब्दी ईस्वी के बीच, पुरुलिया स्थानीय 'शिखर राजवंश' और समृद्ध सराक जैन व्यापारियों के संरक्षण में जैन स्थापत्य कला का मुख्य केंद्र बन गया. इस काल में यहाँ रेखा देउल' (Rekha Deuls) शैली के भव्य पत्थर और ईंट के मंदिरों का निर्माण हुआ, जिनकी विशेषता उनकी ऊँची और घुमावदार शिखर दीवारें थीं. पुरुलिया के प्रमुख पुरातात्विक स्थल इस प्रकार हैं:

1. पाकबिर्रा (Pakbirra): यह पुरुलिया शहर से 54 किमी दूर पुंचा थाना में स्थित प्राचीन जैन संस्कृति की सबसे समृद्ध भूमि है. ब्रिटिश पुरातत्वविद् जे.डी. बेगलर को यहाँ 21 प्राचीन जैन मंदिर मिले थे, जिनमें से 19 पत्थरों के थे. आज यहाँ कई खंडित मूर्तियाँ और तीन पुनर्निर्मित मंदिर बचे हैं. यहाँ 24 तीर्थंकरों की विशाल मूर्तियाँ प्राप्त हुई हैं.

2. तेलकुपी (Telkupi): दामोदर नदी के दक्षिणी तट पर स्थित यह कभी एक समृद्ध सामंतवादी और व्यापारिक राजधानी ('तैलकम्पो') थी, जिसका उल्लेख सन्ध्याकर नंदी के काव्य 'रामचरित' में मिलता है. बेगलर ने यहाँ दो कतारों में सजे 22 मंदिरों का दस्तावेज़ीकरण किया था, जिसमें जैन और हिंदू (शैव, वैष्णव) संस्कृतियों का अनूठा मिश्रण था. दुर्भाग्य से, 1957 में डी.वी.सी. (DVC) द्वारा पंचेत जलाशय (Panchet Reservoir) के निर्माण के बाद यह ऐतिहासिक मंदिर नगरी पानी में जलमग्न हो गई.

3. पारा (Para): पुरुलिया से 30 किमी दूर स्थित यह गाँव सराक संस्कृति का सबसे पुराना स्थल माना जाता है. यहाँ बंगाल के सबसे पुराने पत्थर और ईंट से मिश्रित देउल मौजूद हैं, जिनमें से एक को ग्रामीण अब 'रघुनाथजी का मंदिर' कहते हैं.

4. बोरम या देउलघाटा (Deulghata): कसाई (कांगसाबाती) नदी के तट पर स्थित यह स्थल प्राक-मुस्लिम काल की ईंट स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है. यहाँ के सबसे बड़े देउल की ऊँचाई लगभग 60 फीट थी, जिसकी बनावट पिरामिड जैसी और प्रवेश द्वार त्रिकोणीय था.

5. छर्रा (Charra): पुरुलिया शहर के पास स्थित इस केंद्र में कभी पत्थर के 7 देउल थे. कर्नल डाल्टन के अनुसार, इन्हें सराक समुदाय ने बिना किसी सीमेंट के पत्थरों की इंटरलॉकिंग ('stone carpentry') पद्धति से बनाया था.

जैन धर्म का विलोपन और वर्तमान स्थिति : 12वीं-13वीं शताब्दी ईस्वी के बाद बंगाल से जैन धर्म का धीरे-धीरे लोप होने लगा. इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित थे:

1. राजनीतिक उथल-पुथल और संरक्षण का अभाव: 7वीं-8वीं शताब्दी में शशांक, हर्षवर्द्धन और भास्करवर्मन के सैन्य अभियानों के कारण क्षेत्रीय स्थिरता कमजोर हुई. बाद के राजवंशों (जैसे पाल और सेन राजाओं) ने बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म को राजकीय संरक्षण दिया, जिससे जैन धर्म हाशिए पर चला गया.

2. व्यापारिक पतन: ताम्रलिप्त बंदरगाह के पतन और तांबे की खदानों के बंद होने से जैन सराक व्यापारियों का आर्थिक ताना-बाना बिखर गया, जिससे कई जैन परिवार पलायन कर गए.

3. केंद्रीय संगठन की कमी: जैन धर्म के आंतरिक विभाजनों और देश के अन्य हिस्सों के जैन केंद्रों से संपर्क टूटने के कारण स्थानीय जैन समाज अलग-थलग पड़ गया.

वर्तमान स्थिति: अधिकांश सराक जैनियों ने जो पलायन नहीं कर सके, उन्होंने खेतीबाड़ी को अपना लिया और समय के साथ स्थानीय लोक व हिंदू सांस्कृतिक धाराओं (शैव, शाक्त, वैष्णव) में समाहित हो गए. फिर भी, आज भी पुरुलिया और उसके आस-पास के सराक समुदाय के लोग अपने सरल जीवन, शाकाहार और अहिंसा के कड़े नियमों के माध्यम से अनजाने में जैन सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं, जो उनकी इस गौरवशाली साझी विरासत का जीवंत प्रमाण है.

प्रमुख स्रोत एवं संदर्भ सूची (Reference List) :

1. मजूमदार, आर.सी. - प्राचीन बंगाल का इतिहास (History of Ancient Bengal). 2. ह्वेनसांग (Xuanzang)- सी-यू-की : बौद्ध रिकॉर्ड्स ऑफ द वेस्टर्न वर्ल्ड (Si-Yu-Ki : Buddhist Records of the Western World). 3. माझी , डॉ. मलय - एन्शिएंट हेरिटेज एंड जैनिज्म ऑफ पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट : ए हिस्टोरिकल जर्नी, 'द एकेडमिक: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च', वॉल्यूम 4, इश्यू 2, फरवरी 2026, ISSN : 2583-973X. 4. डाल्टन, ई.टी. (Dalton, E.T.) - एथ्नोलॉजी ऑफ बंगाल (Ethnology of Bengal) और नोट्स ऑन अ टूर इन मानभूम इन 1864-65, जर्नल ऑफ एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल, कलकत्ता, 1866. 5. बेगलर, जे.डी. (Beglar, J.D.) - रिपोर्ट्स ऑफ अ टूर थ्रू द बंगाल प्रोविंसेस इन 1872-73 (Reports of a Tour Through the Bengal Provinces), आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, वॉल्यूम-VIII, कलकत्ता, 1878. 6. मैककचिआन, डेविड (McCutchen, David) - नोट्स ऑन द टेम्पल्स ऑफ पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट्स (Notes on the Temples of Purulia districts), सेंसस रिपोर्ट. 7. बॉल, वी. (Ball, V.) - सिंहभूम और मानभूम के भू-वैज्ञानिक एवं पुरातात्विक अन्वेषण (1868), प्रोसीडिंग्स ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी. 8. रायचौधरी, पी.सी. (Roychoudhury, P.C.)- जैन रिमेन्स इन मानभूम. 9. संध्याकर नंदी- रामचरित (Ramacharitam) (तैलकम्पो/ तेलकुपी साम्राज्य का ऐतिहासिक संदर्भ). 10. पाहाड़पुर ताम्रपत्र अभिलेख (479 ईस्वी)- बंगाल का सबसे पुराना पुरातात्विक जैन दस्तावेज. 11. कल्पसूत्र (आचार्य भद्रबाहु कृत)- गोदासगण और उसके उपसंप्रदायों का विवरण. 12. बांग्लापीडिया (Banglapedia)- प्रविष्टियाँ: 'जैनिज्म' और 'पुण्ड्रवर्धन'. 13. विजडमलिब (Wisdomlib) - जैन रिमेन्स ऑफ एंशिएंट बंगाल.

आपका आज का दिन 2026

मेष : ग्रहयोग बेहतर, पराक्रम से कार्य सिद्धि, सामाजिक क्रिया-कलापों की ओर अभिरुचि, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, आपसी सामंजस्य, आय के नवीन स्रोत.

वृषभ : अभिलाषा की पूर्ति में विलम्ब, आर्थिक उलझनें, वाहन से चोट-चपेट संभव, परिजनों से तनाव, प्रतिष्ठा पर आघात, किसी से विश्वासघात, शत्रु सक्रिय.

मिथुन : दिन शुभ, व्यावसायिक क्षेत्र में नवपरिवर्तन, शारीरिक मानसिक कष्ट में कमी, उपहार या सम्मान का लाभ, आपसी सम्बन्ध मधुर, विशिष्टजनों की सलाह.

कर्क : परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, वैवाहिक जीवन में सुख-शांति, धनागम का सुयोग, मनोवांछित सफलता का सुअवसर प्राप्त, कठिनाइयों के निवारण का मार्ग प्रशस्त.

सिंह : स्वास्थ्य सुधार पर, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, किसी विवाद का समापन, यश में वृद्धि, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, नवसम्पर्क उपयोगी, तनाव में कमी.

कन्या : आशा के विपरीत घटनाएं घटित, कार्यों के प्रति लापरवाही, आय में न्यूनता पारिवारिक कठिनाइयां, स्वयं की प्रतिभा कुंठित, किसी बात को लेकर परेशान.

तुला : विचाराधीन योजना को कार्यरूप में परिणित, भौतिक सुख के साधन सुलभ, धर्म-अध्यात्म के प्रति आस्था, जनकल्याण की भावना जागृत, यात्रा सफल.

वृश्चिक : पारिवारिक समस्याओं का समाधान, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, मेल-मिलाप की ओर रुचि, विशिष्टजनों की सलाह मान्य.

धनु : परिस्थितियां अनुकूल, सामयिक सिद्धि का प्रयास, व्यक्ति-गत जीवन में महत्वपूर्ण, उपलब्धि, पारिवारिक सम्बन्धों में सुधार, सुख के साधन प्राप्त.

मकर : भाग्योदय का मार्ग अवरुद्ध, परिवार में किसी सदस्य के अस्वस्थ होने से चिन्ता, नवसमस्याएं उत्पन्न, अपयश की सम्भावना, भौतिक सुख में कमी.

कुम्भः आर्थिक व्यावसायिक उन्नति, पुरातन विवाद का समापन पक्ष में, सुपरिचितों से विचार-विनिमय, वरिष्ठजनों की सलाह मान्य, राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास.

मीनः बहुप्रतीक्षित कार्यों के बनने से प्रसन्नता, शारीरिक सुख की प्राप्ति, धन सम्पत्ति विषयक मसला हल, व्यक्तित्व का विकास, उपहार या सम्मान का लाभ.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

आईवीएफ : पचास के बाद अभिभावक और बच्चे का भविष्य

– डॉ. प्रियंका सौरभ

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ और संभावनाएँ प्रदान की हैं. चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे. आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है. निःस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की बड़ी उपलब्धि है. किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं. आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, आईवीएफ के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है. संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है. हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले. इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं. उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है. वास्तविक जिम्मेदारी उसके बाद शुरू होती है. बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है. जब कोई दंपति 50 वर्ष की आयु में माता-पिता बनता है, तो यह स्वाभाविक है कि जब बच्चा बारहवीं कक्षा में पहुँचेगा, तब माता-पिता की आयु लगभग 68 से 70 वर्ष के बीच होगी. यह जीवन का वह चरण होता है जब अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन की अपेक्षा करते हैं. उम्र बढ़ने के साथ शरीर में अनेक परिवर्तन आते हैं. उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, हृदय रोग, गठिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ सामान्य हो जाती हैं. ऐसे में बच्चे की पढ़ाई, करियर और भावनात्मक जरूरतों के लिए पहले जैसी सक्रियता बनाए रखना आसान नहीं होता. किशोरावस्था और युवावस्था किसी भी बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होती है. इसी अवधि में उसे सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और भावनात्मक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता होती है. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उच्च शिक्षा का चयन, करियर की योजना और जीवन से जुड़े अनेक निर्णय इसी उम्र में लिए जाते हैं. यदि उस समय माता-पिता स्वयं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हों, तो बच्चे और परिवार दोनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है. कई बार बच्चे को अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के साथ-साथ माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है. इस विषय का एक सामाजिक पक्ष भी है. विद्यालयों और सामाजिक आयोजनों में बच्चे अपने मित्रों और सहपाठियों के बीच रहते हैं. कई बार उम्रदराज माता-पिता होने के कारण बच्चों को अनावश्यक टिप्पणियों या मजाक का सामना करना पड़ सकता है. यद्यपि यह समाज की अपरिपक्वता का परिचायक है, फिर भी इसका प्रभाव बच्चे के मनोविज्ञान पर पड़ सकता है. बच्चे अक्सर अपने साथियों के बीच स्वयं को सहज और स्वीकार्य महसूस करना चाहते हैं. ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं. आर्थिक दृष्टि से भी देर से मातृत्व-पितृत्व कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है. आईवीएफ उपचार पर लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं. अनेक परिवार इसके लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं या ऋण लेते हैं. इसके बाद बच्चे के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर निरंतर खर्च होता है. आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो चुका है. यदि माता-पिता पहले से आर्थिक दबाव में हों और सेवानिवृत्ति के निकट हों तो भविष्य में बच्चे की उच्च शिक्षा और करियर निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना कठिन हो सकता है. महिलाओं के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है. प्रकृति ने प्रजनन के लिए एक जैविक समय-सीमा निर्धारित की है. रजोनिवृत्ति या मेनोपॉज इस बात का संकेत है कि शरीर प्रजनन क्षमता के अंतिम चरण में पहुँच चुका है. आधुनिक चिकित्सा तकनीकें इस सीमा को कुछ हद तक आगे बढ़ा सकती हैं किंतु वे उम्र से जुड़ी सभी चुनौतियों को समाप्त नहीं कर सकतीं. अधिक आयु में गर्भधारण और प्रसव के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता. हालाँकि इस विषय पर चर्चा करते समय संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है. यह मान लेना उचित नहीं होगा कि अधिक आयु में माता-पिता बनने वाला हर व्यक्ति अपने बच्चे के लिए समस्या बन जाएगा. अनेक लोग 60 वर्ष की आयु में भी पूरी तरह स्वस्थ, सक्रिय और आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं. वहीं, कई युवा माता-पिता भी अपने बच्चों को पर्याप्त समय और संसाधन नहीं दे पाते. इसलिए किसी निर्णय का मूल्यांकन केवल उम्र के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए. लेकिन औसत परिस्थितियों को देखते हुए आयु एक महत्वपूर्ण कारक अवश्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. इस संदर्भ में गोद लेने का विकल्प भी विचारणीय है. हमारे देश में हजारों ऐसे बच्चे हैं जो किसी कारणवश माता-पिता के स्नेह और संरक्षण से वंचित हैं. यदि सक्षम परिवार उन्हें अपनाएँ तो न केवल उन बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है बल्कि परिवारों को भी संतान सुख प्राप्त हो सकता है. दुर्भाग्य से आज भी समाज में जैविक संतान को अधिक महत्व दिया जाता है, जिसके कारण अनेक लोग गोद लेने जैसे सकारात्मक विकल्प पर गंभीरता से विचार नहीं करते. वास्तव में माता-पिता बनने का अर्थ केवल अपनी इच्छा पूरी करना नहीं है. इसका अर्थ है आने वाले बीस-पच्चीस वर्षों तक बच्चे के जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाना, उसके सपनों को समर्थन देना और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा रहना. इसलिए संतान प्राप्ति का निर्णय लेते समय केवल वर्तमान की खुशी नहीं, बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों को भी ध्यान में रखना चाहिए. भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दूरदर्शिता भी उतनी ही आवश्यक है. अंततः प्रश्न आईवीएफ या चिकित्सा विज्ञान का नहीं है. प्रश्न यह है कि क्या हम अपने निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों पर पर्याप्त विचार कर रहे हैं. संतान जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है लेकिन वह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है. इसलिए देर से मातृत्व-पितृत्व का निर्णय लेने से पहले स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और सबसे बढ़कर बच्चे के भविष्य को केंद्र में रखकर सोचने की आवश्यकता है. क्योंकि किसी भी बच्चे का सर्वोत्तम हित ही हर निर्णय का आधार होना चाहिए. यही परिपक्व अभिभावकत्व की पहचान है. ***(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)***

मणिपुर में उग्रवादी हमला, दो ग्रामीणों की मौत, कई घर जलाए

कामजोंगः मणिपुर के कमजोंग जिले में गुरुवार तड़के उग्रवादी हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग प्रभावित हुए. हमले के दौरान कम से कम छह घरों को आग के हवाले कर दिया गया, जिससे गांव में दहशत का माहौल फैल गया. जानकारी के अनुसार, भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों का एक समूह सुबह होते ही कमजोंग जिले के कुल्तुह कुकी गांव में घुस आया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी. इसके बाद हमलावरों ने कई आवासीय मकानों में आग लगा दी. अचानक हुए इस हमले से भयभीत ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए आसपास के जंगलों की ओर भाग गए.

ईस्टर्न कुकी चीफ्स एसोसिएशन ने मृतकों की पहचान कुल्तुह चर्च के हेड डीकन लेटमिनलुन हाओकिप और चर्च यूथ चेयरमैन लुनमिनथांग हाओकिप के रूप में की है. घटना में दो अन्य ग्रामीणों के घायल होने की भी सूचना है. यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पड़ोसी जिले कांगपोकपी में अपहृत छह नागा समुदाय के लोगों के शव बरामद होने के बाद पूरे राज्य में तनाव का माहौल बना हुआ है. इस घटना को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं तथा सेनापति

जिले में एक राजनीतिक दल के कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई है.

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने कामजोंग तथा आसपास के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है. प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक सामुदायिक हिंसा को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं.

इस बीच, विभिन्न कुकी सामाजिक संगठनों ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे सुनियोजित आतंकी कार्रवाई बताया है. उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है. अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हमले में शामिल उग्रवादी संगठन की पहचान करने के प्रयास जारी हैं.

मणिपुर में छह नागा नागरिकों की हत्या मामले की जांच एनआईए ने संभाली, फोरेंसिक जांच शुरू

इंफालः मणिपुर में लापता होने के बाद मृत पाए गए छह नागा नागरिकों की हत्या के मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में ले ली है. एजेंसी ने मामले की तह तक पहुंचने और मृतकों की पहचान की पुष्टि के लिए व्यापक फोरेंसिक जांच शुरू कर दी है. मृतकों की पहचान पादरी केनपिबोउ चावांग, मनु थियुमाई, फेनरोंगविबो थियुमाई, दिलीप थियुमाई, कालिवांगबोउ अबोनमाई और चा. फेनरिलुंग के रूप में हुई है. सभी मृतक कोंसाखुल नागा गांव के निवासी थे. जानकारी के अनुसार, इन छह लोगों का बीते 13 मई को लेलोन वैफेई क्षेत्र से अपहरण कर लिया गया था. करीब एक माह तक चले खोज अभियान और अंतिम 24 घंटे के संयुक्त तलाशी अभियान के बाद मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के लगभग 450 जवानों की टीम ने कांगपोकपी जिले के खाराम वैफेई गांव के निकट उनके शव बरामद किए.

अधिकारियों के अनुसार, शव अत्यधिक क्षत-विक्षत अवस्था में पाए गए, जिससे उनकी पहचान करना संभव नहीं था. इसके बाद एनआईए की विशेष टीम इंफाल पूर्व स्थित जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान (जेएनआईएमएस) के शवगृह पहुंची. एजेंसी डीएनए परीक्षण और विस्तृत पोस्टमार्टम प्रक्रिया के माध्यम से मृतकों की पहचान की पुष्टि करने तथा साक्ष्य जुटाने में

लगी हुई है.

इस बीच शवों को जेएनआईएमएस लाए जाने के बाद इंफाल में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई. बड़ी संख्या में परिजन, समुदाय के लोग और स्थानीय नागरिक अस्पताल परिसर के बाहर एकत्र हो गए. शोक और आक्रोश के माहौल में प्रदर्शनकारियों तथा सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे. इस दौरान कई नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों के घायल होने की सूचना है. यह घटना नागा समूहों द्वारा 14 कुकी बंधकों को रिहा किए जाने के एक दिन बाद सामने आई है. इससे मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों के बीच फिर से हिंसा और प्रतिशोध की आशंकाएं बढ़ गई हैं. हालात को देखते हुए इंफाल पूर्व सहित आसपास के संवेदनशील जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है.

ट्रंप ने फिर से ईरान को दी धमकी

कहा– वेनेजुएला स्टाइल में होगा काम, खर्ग द्वीप पर करेंगे कब्जा

वॉशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान पर बड़े हमले करने और उसके तेल और गैस उद्योगों पर कब्जा करने की धमकी दी. इन दोनों देशों के बीच लगातार हो रहे हमलों की वजह से मध्य पूर्व में एक बार फिर बड़े पैमाने पर युद्ध छिड़ने का खतरा बढ़ गया है. ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा और बहुत जल्द ईरान के तेल और गैस उद्योगों पर पूरी तरह से कब्जा कर लेगा, जिसमें अहम खर्ग आइलैंड ऑयल टर्मिनल भी शामिल है. ट्रंप ने ईरान के लिए अपनी योजनाओं की तुलना उस घटना से की, जब अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल सेक्टर पर कब्जा कर लिया था.यह पोस्ट अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हुए हमलों के बाद आया है.

ईरान में गुरुवार सुबह तक चले अमेरिकी हमले, पिछले दिन के हमलों की तुलना में ज़्यादा जबरदस्त और बड़े पैमाने पर लग रहे थे.ईरान ने नुकसान के बारे में बहुत कम जानकारी दी और कहा कि उसने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन की तरफ जवाबी हमले किए. गुरुवार को ट्रंप की धमकियां भले ही कड़ी थीं, लेकिन ये ईरान के साथ चल रहे टकराव में उनके बयानों के जरिए तनाव बढ़ाने की ताजा कोशिश थीं. अप्रैल में, युद्ध में

सीजफायर (युद्धविराम) बढ़ाने से पहले, उन्होंने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर वह उनकी शर्तों को नहीं मानता है, तो आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी और उसे कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा.

आपको बता दें कि खर्ग द्वीप - जो कुवैत और सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी ठिकानों के मुकाबले फारस की खाड़ी के दूसरी तरफ स्थित है - ईरान के तेल उद्योग का मुख्य केंद्र है. यहां से उसका 90% निर्यात होता है. यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ईरान का ज्यादातर समुद्री तट इतना उथला है कि वहां टैंकर जहाज नहीं रुक सकते.खर्ग द्वीप पर अमेरिकी सैनिक खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि यह ईरानी मुख्य भूमि के बहुत करीब - लगभग 33 किलोमीटर (21 मील) - है, जहां से मिसाइलें, ड्रोन और तोपें दागी जा सकती हैं.

इस हफ़्ते तीसरी बार मिडिल ईस्ट में एक-दूसरे पर हमले हुए हैं. पहले ईरान और इजराइल के बीच हमले हुए, फिर अमेरिका और ईरान के बीच दो बार गोलीबारी हुई, जिसमें उस इलाके के देश भी प्रभावित हुए जहां अमेरिकी बेस हैं. नई गोलीबारी तब हुई जब युद्ध खत्म करने की बातचीत रुकी हुई लग रही थी, और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि बातचीत रुकने के लिए तेहरान को कीमत चुकानी होगी. ईरान के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अमेरिकी हमलों ने सीजफायर को असल में बेमतलब कर दिया है.

हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि वे इसे छोड़ रहे हैं.बातचीत का मुख्य मुद्दा होर्मुज जलडमरूमध्य (डीरळीं ष कीीं) पर ईरान का कब्जा है, जिसने दुनिया भर में ऊर्जा की सप्लाई में रुकावट डाली है. ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं और इस इलाके के बाहर भी खाने-पीने की चीजों और दूसरी जरूरी चीजों को महंगा कर दिया है.ईरान ने गुरुवार को घोषणा की कि जलडमरूमध्य बंद कर दिया गया है - लेकिन इसका क्या मतलब था, यह साफ नहीं था क्योंकि युद्ध की शुरुआत से ही इस रास्ते से आवाजाही पर बहुत ज़्यादा रोक लगी हुई है और बहुत कम जहाज ही यहां से गुजर पाए हैं. अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने इस दावे को गलत बताया - और ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका ने हाल के हफ़्तों में इस रास्ते से चुपके से जहाज निकालने के लिए एक गुप्त मिशन चलाया है.

मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में तीन लोगों को 20 साल कठोर कारावास की सज़ा

अगरतलाः त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले की एक विशेष अदालत ने वर्ष 2024 में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित याबा टैबलेट बरामदगी मामले में तीन लोगों को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है. पुलिस के अनुसार, अदालत ने तीनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है. जुर्माना अदा नहीं करने पर उन्हें छह महीने के साधारण कारावास की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर 2024 में कठालिया नाका प्वाइंट पर एक वाहन से 950 ग्राम वजन की कुल 9,500 याबा टैबलेट बरामद की गई थीं. इसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था. उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था. पुलिस अधिकारी ने बताया, विशेष न्यायाधीश संजय भट्टाचार्जी ने बुधवार को मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई.

मीनाक्षी नटराजन, नीट मामले और महंगाई के ख़िलाफ़ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी कांग्रेस

नई दिल्लीः कांग्रेस ने गुरुवार को फैसला किया कि वह मध्य प्रदेश से पार्टी की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने, नीट मामले और महंगाई एवं बेरोजगारी के ख़िलाफ़ जल्द ही राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगी. पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस अभियान का मुख्य मकसद इन विषयों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाबदेह ठहराना है. पार्टी नेतृत्व की महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों और राज्य इकाइयों के अध्यक्षों के साथ बैठक में राष्ट्रव्यापी अभियान का निर्णय लिया गया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और कई अन्य नेता मौजूद थे.

बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से

कहा, मध्य प्रदेश और झारखंड के राज्यसभा चुनावों में जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है. मध्य प्रदेश में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं था. झारखंड में भाजपा समर्थित कॉर्पोरेट उम्मीदवार का नामांकन कई विसंगतियों के बावजूद स्वीकार कर लिया गया. उन्होंने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र की दयनीय स्थिति का परिचायक है. उन्होंने दावा किया कि यह 'सीट चोरी' है.

वेणुगोपाल ने कहा कि आज की बैठक में इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गई और फैसला हुआ कि इस मामले पर राजनीतिक और कानूनी रूप से लड़ाई लड़ेंगे. उनका कहना था कि बैठक में महंगाई और बेरोजगारी पर भी चर्चा की गई. वेणुगोपाल ने कहा कि नीट और सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली से बहुत सारे परिवार प्रभावित हैं. उन्होंने बताया कि अगले दो-तीन महीने के लिए देशव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा. वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस हर उस व्यक्ति तक पहुंचेगी जो पीड़ित है. उनका कहना है कि इस अभियान की पूरी रूपरेखा जल्द तय की जाएगी. कांग्रेस नेता ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य होगा कि इन विषयों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जवाबदेही तय हो.

ईडी ने आंध्र प्रदेश शराब परिवहन घोटाला मामले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

हैदराबादः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश में कथित 195 करोड़ रुपये के शराब परिवहन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के संबंध में बृहस्पतिवार को छापेमारी के बाद 'आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कार्पोरेशन' के एक पूर्व अधिकारी और एक 'मुख्य आरोपी' को गिरफ्तार किया. यह जानकारी अधिकारियों ने दी. अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने करीब पांच परिसरों पर छापेमारी की. अधिकारियों ने बताया कि इन परिसरों में युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) नेता एवं पूर्व नागरिक आपूर्ति मंत्री के. नागेश्वर राव और उनके बेटे के परिसर शामिल हैं.

केरल हाईकोर्ट ने शबरिमला घी की बिक्री से जुड़े मामले की दोबारा जांच का दिया आदेश

कोच्चिः केरल हाईकोर्ट ने शबरिमला में भगवान अयप्पा मंदिर के श्रद्धालुओं को बेचे जाने वाले प्रसाद 'अदिया शिष्टम घी' की बिक्री से जुड़े टीडीबी कर्मचारियों के खिलाफ धन के गबन मामले की स्वतंत्र रूप से दोबारा जांच करने का आदेश दिया है. जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या इसमें भ्रष्टाचार का कोई मामला बनता है. इस मामले में सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो की रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए न्यायामूर्ति राजा विजयराघवन वी और केवी जयकुमार की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर एजेंसी के निष्कर्ष त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) को हुए नुकसान को तवज्जो नहीं देते हैं और मामले को बंद करने की कोशिश करते हैं. पीठ ने कहा कि उसकी राय में, यह एक ऐसा मामला है जिस पर बेदाग ईमानदारी, साबित काबिलियत और पर्याप्त अनुभव वाले किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा फिर से विचार किए जाने की ज़रूरत है.

न्यूज कॉर्नर

चीन के जिंगआन काउंटी में जोरदार धमाका, 7 लोगों की मौत और 17 घायल

बीजिंगः सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को दक्षिणी चीन के गुआंगशी ज़ुआंग ऑटोनॉमस रीजन के जिंगआन काउंटी में हुए एक धमाके में सात लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए.

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ने दिया इस्तीफा

लंदनः ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने बृहस्पतिवार को पद से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने कहा कि बढ़ते खतरे के समय में सरकार सेना पर समुचित खर्च करने को तैयार नहीं है. हीली ने प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से कहा कि सरकार का रक्षा निवेश इस खतरनाक समय में आवश्यकता से कहीं कम है. रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के बीच असहमति की खबरों के कारण रक्षा निवेश योजना के प्रकाशन में देरी हुई है.

सामान बेचने की आड़ में पंजीकरण शुल्क ऐंठने वाले अंतर-राज्यीय गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

हैदराबादः हैदराबाद पुलिस ने कथित तौर पर उत्पाद बेचने के बहाने लोगों को जोड़ने का झांसा देकर वित्तीय धोखाधड़ी करने वाले एक अंतर-राज्यीय गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है. हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार ने गुरुवार को यह जानकारी दी. इस पूरी प्रक्रिया को बाजार में मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) या चैन सिस्टम कहा जाता है, जिसमें कंपनियां कानूनी वैध व्यवसाय का मुखौटा लगाकर आती हैं, लेकिन उनका असली मकसद नए सदस्यों को जोड़कर उनसे मोटी रकम ऐंठना होता है. सज्जनार ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हैदराबाद पुलिस ने एक बड़े वित्तीय धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. उन्होंने बताया कि 'इग्नाइट' नामक विदेशी संस्था की भारतीय मुखौटा कंपनी 'इंडी कनेक्ट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' को बढ़ावा देने के आरोप में केरल, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

नासिक कुंभ मेला: ध्वज स्तंभ शिलान्यास पूजन संपन्न

नासिकः महाराष्ट्र के नासिक में अगले साल होने जा रहे सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों के तहत बृहस्पतिवार को पंचवटी क्षेत्र के रामकुंड में ध्वज स्तंभ शिलान्यास पूजन का आयोजन किया गया. पूजन समारोह का आयोजन गंगा गोदावरी पंचकोटि (तीर्थ) पुरोहित संघ, नासिक द्वारा किया गया. गोदावरी मंदिर में लगाए जाने वाले 31 फुट ऊंचे ध्वजदंड और सिंहस्थ कुंभ मेले के 51 फुट ऊंचे मस्तूल की पूजा रामानंदाचार्य नरेंद्रचार्य महाराज ने की. इस मौके पर महाराष्ट्र के कुंभ मेला मंत्री गिरीश महाजन भी मौजूद रहे. महाजन ने इस अवसर पर कहा, अगले साल नासिक-त्र्यंबकेश्वर में सिंहस्थ कुंभ मेला आयोजित होगा और इसमें 12 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है. इसलिए, इस विशाल धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार और प्रशासन की ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की है. नासिक के हर निवासी को स्वयंसेवक बनना चाहिए और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की मेजबानी करने की पहल करनी चाहिए. उन्होंने कहा, सड़क, बुनियादी ढांचा, परिवहन, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं समेत 35,000 करोड़ रुपये के कई विकास कार्य किये जा रहे हैं, जिससे नासिक में बड़ा बदलाव आएगा. महाजन ने कहा, कुंभ मेले की सफलता के लिए साधु-संतों, अखाड़ों, जन-प्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस तंत्र और नागरिकों का योगदान जरूरी है और सभी को इस लक्ष्य को पाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए.

इंडियन एयरफोर्स की ताकत होगी दोगुनी

भारत के स्वदेशी एयरबस सी295 सैन्य विमान ने भरी सफल उड़ान

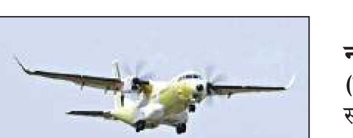

नई दिल्लीः भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और कदम आगे बढ़ाया है. गुजरात के वडोदरा से देश में बने पहले सी295 सैन्य विमान ने अपनी पहली सफल पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर ली है. इसके साथ ही रक्षा और विमानन इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है. इसके साथ ही भारत अब उन देशों की कतार में खड़ा हो गया है जो अपने यहां सैन्य विमान बनाने की क्षमता रखते हैं. यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि यह विमान भारत में निजी क्षेत्र की भागीदारी से तैयार किया जा रहा है. यह सिर्फ एक तकनीकी परीक्षण नहीं, बल्कि उस भरोसे और क्षमता का प्रमाण है जो भारत अब आधुनिक सैन्य विमान निर्माण में हासिल कर रहा है.

बुधवार को वडोदरा स्थित फाइनल असेंबली लाइन से पहले मेड इन इंडिया सी295 विमान ने उड़ान भरी. इस उड़ान की सफलता को एक अहम पड़ाव माना जा रहा है. इस विमान को भारत में ही तैयार करने का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के बड़े विजन से जुड़ा है. बताया जा रहा है कि कुल 40 सी295 विमानों की इस परियोजना का पहला विमान अब डिलीवरी के नजदीक पहुंच चुका है, जो भारत के रक्षा उत्पादन क्षेत्र में बेहद अहम ऐतिहासिक मोड़ माना जा रहा है.

सीबीआई ने थाईलैंड और जॉर्जिया से दो वांछित अपराधियों का प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया

नई दिल्लीः केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल रेड नोटिस का सामना कर रहे दो संदिग्ध अपराधियों का जॉर्जिया और थाईलैंड से बृहस्पतिवार को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. संघीय एजेंसी ने साइबर अपराध के जरिए लोगों को कथित तौर पर ठगने के मामले में वांछित गणेश बलासो काले को थाईलैंड से प्रत्यर्पित करा लिया. उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी होने के 20 दिन के भीतर ही यह कार्रवाई की गई. 'रेड नोटिस' दुनियाभर की कानून लागू करने वाली एजेंसियों से किया गया एक अंतरराष्ट्रीय अनुरोध है ताकि इंटरपोल के किसी सदस्य देश द्वारा वांछित व्यक्ति को हिरासत में लिया जा सके.

सीबीआई ने एक बयान में कहा, काले पर आरोप है कि वह विभिन्न लोगों को

इस घोटाले में शामिल करके साइबर आर्थिक अपराधियों का एक नेटवर्क संचालित करता था. उसने अवैध धन के अंतरण के लिए अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के बदले ब्याज/कमीशन का वादा करके व्यक्तियों को लालच दिया और बाद में कई लोगों को धोखा देने के लिए ऐसे खातों का इस्तेमाल किया.

एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि आरोपी ने सह-आरोपियों को मोबाइल फोन की व्यवस्था करने और अपराधों को अंजाम देने में सुविधा के लिए फर्जी सिम कार्ड हासिल करने का भी कथित तौर पर निर्देश दिया था. उन्होंने कहा कि 'रेड नोटिस' 24 मई को जारी किया गया था जिसके बाद थाईलैंड ने त्वरित कार्रवाई करते हुए काले का बैंकॉक में पता लगाया. उन्होंने कहा कि इससे संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी अंतरराष्ट्रीय समन्वय देखने को मिला.

उन्होंने कहा कि उचित कानूनी प्रक्रिया और भारतीय एवं थाईलैंड के अधिकारियों के बीच करीबी समन्वय के बाद, आरोपी को बृहस्पतिवार को सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित कर दिया गया. उन्होंने कहा कि वह मुंबई पहुंचा, जहां महाराष्ट्र पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ ने उसे हिरासत में ले लिया. एक अन्य मामले में वेंकट गर्ग को सीबीआई द्वारा समन्वित एक अभियान के तहत जॉर्जिया से प्रत्यर्पित किया गया. हरियाणा पुलिस को हत्या, हत्या के प्रयास, वसूली, संगठित अपराध और अवैध हथियारों के इस्तेमाल जैसे मामलों में गर्ग की तलाश थी.

भारतीय न्यायपालिका मध्यस्थता को विवाद निपटान के सशक्त माध्यम के रूप में बढ़ावा दे रही: सीजेआई

नई दिल्लीः भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित एक परिचर्चा के दौरान कहा कि भारत की न्यायपालिका ने मध्यस्थता को केवल एक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि विवाद निपटान के एक सशक्त और प्रभावी तंत्र के रूप में बढ़ावा दिया है. सीजेआई ने कहा कि मध्यस्थता की व्यवस्था उनके दिल के बहुत करीब है. उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति (एससीएलएससी) ने प्रशिक्षित मध्यस्थों की एक बड़ी टीम तैयार की है. उन्होंने कहा, मैं गर्व से कह सकता हूं कि भारत में हर शहर और हर गली में लोग जानते हैं कि मध्यस्थता क्या होती है.

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को प्रौद्योगिकी और मध्यस्थता का भविष्य विषय पर एक उच्चस्तरीय परिचर्चा आयोजित की, जिसमें भारत और ब्रिटेन के प्रमुख न्यायिक एवं कानूनी विशेषज्ञों ने भाग लिया. प्रधान

न्यायाधीश के अलावा पैनल में ब्रिटेन की उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश लॉर्ड हैम्बलेन, बार काउंसिल ऑफ इंग्लैंड एंड वेल्स की अध्यक्ष क्रिस्टी ब्राइमलॉ केसी और लॉ सोसायटी ऑफ इंग्लैंड एंड वेल्स के उपाध्यक्ष ब्रेट डिक्सन शामिल थे.

भारतीय उच्चायुक्त कुमारन पी के भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जबकि चर्चा का संचालन उच्चतम न्यायालय की 'एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड' तन्वी दुबे ने किया. मध्यस्थता को बढ़ावा देने में न्यायपालिका की भूमिका पर सीजेआई ने भारत में मध्यस्थता के विकास को दो चरणों - मध्यस्थता अधिनियम, 2023 से पहले और उसके बाद- में विभाजित किया.

उन्होंने कहा कि कानून बनने से पहले भी अदालतें मध्यस्थता को विवाद समाधान के एक मजबूत माध्यम के रूप में प्रोत्साहित करती रही हैं. 2004 में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने शुरुआती दिनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि निचली अदालतों, उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय स्तर पर मध्यस्थता केंद्र स्थापित किए गए थे. उन्होंने कहा, मध्यस्थता अधिनियम, 2023 एक ऐसी वैधानिक और न्यायिक व्यवस्था का परिणाम है, जो दशकों में विकसित हुई है.

पंजाबी गायक गुरु रंधावा से जुड़े जिम पर गोलीबारी, बिश्नोई गिरोह ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्लीः बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने मशहूर पंजाबी गायक गुरु रंधावा से कथित तौर पर जुड़े एक जिम पर गोलीबारी की. लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के अनिल पंडित समूह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर इस हमले की ज़िम्मेदारी ली है. पुलिस ने यह जानकारी दी. बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विक्रम सिंह ने बयान में बताया कि गोलीबारी पश्चिम विहार के पुष्कर एन्क्लेव स्थित '24एचएस फिटनेस' जिम पर की गई. अधिकारियों ने बताया कि यह जिम राजौरी गार्डन के रहने वाले दो लोगों का है, जबकि गुरु रंधावा 'ब्रांड एंबेसडर' के तौर पर इससे जुड़े हैं.

पुलिस ने बताया कि पश्चिम विहार पूर्व थाने में इस घटना के बारे में फोन से

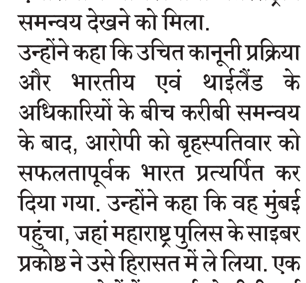

सूचना दी गई. शुरुआती जांच से पता चला कि मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात लोग वहां पहुंचे और जिम के कांच के हिस्से पर कई गोलियां चलाने के बाद भाग गए. उन्होंने अपने चेहरे ढके हुए थे. पुलिस ने बताया कि कम से कम सात गोलियां चलाई गईं, लेकिन कोई घायल नहीं हुआ. गोलीबारी के तुरंत बाद, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के अनिल पंडित समूह से कथित रूप से जुड़े एक सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट किया गया.

बिहार में नगर परिषद के लेखापाल के ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी, आय से 208 फीसदी अधिक संपत्ति

वैशाली: बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने एक बार फिर छापेमारी की है. वैशाली के हाजीपुर नगर परिषद कार्यालय में कार्यरत लेखापाल मनीष कुमार के खिलाफ ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में मामला दर्ज कर गुरुवार को उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई. प्रारंभिक जांच में उनके पास आय से अधिक करीब 2.02 करोड़ रुपये की संपत्ति होने के साक्ष्य मिले हैं. आर्थिक अपराध इकाई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के सत्यापन के बाद मनीष कुमार के खिलाफ आर्थिक अपराध इकाई थाना कांड संख्या-10/26, दिनांक 10 जून 2026 दर्ज किया गया है. यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) धारा 13(1)(बी) के तहत दर्ज किया गया है. जांच के दौरान यह सामने आया कि मनीष कुमार ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में काफी अधिक संपत्ति अर्जित की है. आर्थिक अपराध इकाई के अनुसार सत्यापन में कुल 2 करोड़ 2 लाख 31 हजार 500 रुपये की आय से अधिक संपत्ति का प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिला है. यह उनकी वैध आय की तुलना में लगभग 208.57 प्रतिशत अधिक है. मामले की गंभीरता को देखते हुए आर्थिक अपराध इकाई ने विशेष न्यायालय निगरानी, उत्तर बिहार, मुजफ्फरपुर से तलाशी वारंट प्राप्त किया.

बिहार विधान परिषद चुनाव में सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

निशांत कुमार और पवन सिंह पहली बार पहुंचे सदन

पटना: बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर हुए द्विवार्षिक चुनाव और उपचुनाव का परिणाम घोषित हो गया है. सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. नाम वापसी की अवधि समाप्त होने के बाद निर्वाचन आयोग ने सभी प्रत्याशियों को विजयी घोषित कर दिया. इस चुनाव में एनडीए के 9 और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है. इस चुनाव की सबसे ज्यादा चर्चा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की रही. निशांत कुमार पहली बार बिहार विधान परिषद पहुंचे हैं. उनके अलावा जदयू की ओर से भारती मेहता, शिवानी देवी प्रजापति और ललन प्रसाद भी निर्वाचित हुए हैं.

भारतीय जनता पार्टी की ओर से भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह ने भी जीत दर्ज की है. उनके साथ भाजपा के संजय प्रकाश मयूख, अनिल ठाकुर और शीला पंडित भी विधान परिषद पहुंचे हैं. लोजपा (रामविलास) से अशरफ अंसारी और राजद से सुनील सिंह भी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. सभी निर्वाचित सदस्य विधान परिषद पहुंच अपना सर्टिफिकेट प्राप्त कर रहे हैं. वहीं पवन सिंह अभी लखनऊ में हैं. उनके भाई रितिक सर्टिफिकेट लेने पहुंचे थे.

विधान परिषद की 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव और एक सीट पर उपचुनाव होना था. कुल 10 सीटों के लिए सिर्फ 10 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था. नामांकन पत्रों की जांच में सभी उम्मीदवारों के पर्चे वैध पाए गए. इसके बाद चुनाव मैदान में उम्मीदवारों की संख्या और सीटों की संख्या बराबर होने से मतदान की जरूरत नहीं पड़ी. इस चुनाव में भाजपा और जदयू को 4-4 सीटें मिली हैं. वहीं लोजपा (रामविलास) और राजद के खाते में एक-एक सीट गई है. इस तरह एनडीए ने कुल 9 सीटों पर जीत दर्ज की है.

चुनाव परिणाम के बीच सबसे ज्यादा चर्चा पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश को लेकर हो रही है. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश इस बार एमएलसी नहीं बन सके. उन्हें एनडीए की ओर से उम्मीदवार नहीं बनाया गया था. ऐसे में अब उनके मंत्री पद को लेकर सवाल उठने लगे हैं. दीपक प्रकाश बिना किसी सदन के सदस्य बने ही दो बार बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ ले चुके हैं. हाल ही में नई सम्राट सरकार के गठन के बाद भी उन्हें मंत्री बनाया गया था. अब तय समय के भीतर किसी सदन की सदस्यता नहीं मिलने की स्थिति में उनके मंत्री पद पर संकट गहरा सकता है. राजनीतिक गलियारों में इसको लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं.

गुठनी में महिला हत्याकांड का खुलासा मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सीवानः जिले में गुठनी थाना क्षेत्र के डरैला गांव में महिला हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी ने महिला की गला घोंटकर हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को ईंट-भट्ठे के पास एक गड्ढे में छिपा दिया था. पुलिस के अनुसार, 10 जून को गुठनी थाना को प्राप्त लिखित आवेदन में बताया गया कि डरैला निवासी मुमताज अहमद ने नजमा खातून की गला दबाकर हत्या कर दी. हत्या के बाद आरोपी ने शव को शैलेश सिंह की चिमनी के समीप एक गड्ढे में रखकर ऊपर से ईंटों से ढक दिया, ताकि घटना की जानकारी किसी को न हो सके. मामले को गंभीरता से लेते हुए गुठनी थाना में मृतका के परिजनों के आवेदन पर धारा 103(1)/238 बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई. अनुसंधान एवं प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपी मुमताज अहमद, पिता-सफीर अहमद, निवासी-डरैला, थाना-गुठनी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस जांच में प्रारंभिक रूप से यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी और मृतका के परिजनों के बीच पूर्व से किसी विवाद को लेकर दुश्मनी चली आ रही थी. इसी रंजिश में घटना को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है. गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि मामले की विस्तृत जांच जारी है. गिरफ्तारी अभियान में थानाध्यक्ष पु.अ.नि. सुनील कुमार,पु.अ.नि. मशहूर आलम एवं गुठनी थाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

पत्नी से अवैध संबंध के कारण पति ने की युवक की हत्या, गिरफ्तार

सोनभद्र : उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र के दुद्धी थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व खेमा नदी के पुलिया के नीचे मिले युवक की पहचान हो गयी है. हत्या करने वाले युवक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस के अनुसार युवक का आरोपित की पत्नी के साथ अवैध संबंध था और बार -बार मना करने पर भी जब नहीं माना तो उसकी हत्या कर दी. एएसपी अनिल कुमार ने गुरुवार को बताया कि 09 जून को महुअरिया निवासी जय सिंह ने दुद्धी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसके भाई समासिंह गोड़ की हत्या कर दी गई है और शव खेमा नदी के पुलिया के नीचे पड़ा है. घटना की सुचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम व अधिकारी पहुंची और दुद्धी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु किए गए. कोतवाली दुद्धी पुलिस टीम ने गुरुवार को बघाड़ू-भीसूर रोड स्थित प्रथम पुलिया के पास से अभियुक्त राजेन्द्र विश्वकर्मा को

गिरफ्तार कर लिया. अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल एवं एक चाकू भी बरामद किया गया है.

एएसपी अनिल कुमार ने बताया की गिरफ्तार अभियुक्त राजेन्द्र विश्वकर्मा ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसकी पत्नी का मृतक समासिंह गोड़ के साथ अवैध संबंध था. वह कई बार समासिंह गोड़ को अपनी पत्नी से दूर रहने के लिए कह चुका था, किन्तु वह बात नहीं मान रहा था. इसी कारण वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान एवं आक्रोशित था. 09 जून को उसने योजनाबद्ध तरीके से समासिंह गोड़ को फोन कर लीलासी बुलाया. वहां दोनों ने शराब खरीदी तथा ग्राम मुरता स्थित खेमा नदी पुलिया के नीचे बैठकर शराब पी. इसके पश्चात अभियुक्त ने अपने पास रखे चाकू एवं मौके पर पड़े पत्थर से हमला कर समासिंह गोड़ की हत्या कर दी. कोतवाली दुद्धी में गिरफ्तारी को लेकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है व अभियुक्त को न्यायालय भेजा जा रहा है.

बिहार में गला रेतकर युवक की हत्या, प्रेम प्रसंग में गंवानी पड़ी जान

कटिहार : बिहार के कटिहार से सनसनीखेज मामला सामने आया है. जिले के समेली प्रखंड अंतर्गत छोहार पंचायत में एक युवक की हत्या कर दी गई है. मृतक की पहचान छोहार पंचायत निवासी मनीष कुमार मंडल के रूप में हुई है. अपराधियों ने युवक की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी. तौलिया और अन्य सामान के आधार पर परिजनों ने मनीष की पहचान की.

शव मिलने की सूचना के बाद लोगों की भारी भीड़ जुट गई. इधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुए जांच शुरू कर दी है. परिजनों के अनुसार मनीष कुमार शादी-विवाह और अन्य कार्यक्रमों में वीडियो कैमरा चलाने का काम करता था. परिवार का कहना है कि किसी से उसकी दुश्मनी की जानकारी नहीं थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद की चर्चा लंबे समय से चल रही थी.

मनीष के पिता अर्जुन मंडल ने बताया कि एक महिला अक्सर

उनके पुत्र को अलग-अलग बहानों से बुलाती थी. करीब एक महीने पहले संबंधित पक्ष के लोगों ने घर पहुंचकर मनीष को जान से मारने की धमकी भी दी थी. अब उन्हें आशंका है कि इसी विवाद के कारण उनके पुत्र की हत्या की गई है.

घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है. फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है. पुलिस प्रेम प्रसंग, पुरानी रंजिश और अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल कर रही है.

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने तक जारी रहेगा अभियान: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

हाथरसः उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने और देशभर में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगने तक उनका अभियान निरंतर जारी रहेगा. गुरुवार को अपनी गविष्ठि यात्रा के दौरान हाथरस के सादाबाद पहुंचे शंकराचार्य ने लोगों को गौ संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए जन-जन तक इस संदेश को पहुंचाने का आह्वान किया.

इस अवसर पर आयोजित सभा में उन्होंने गौ माता और मानव के संबंध को भावनात्मक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से समझाया. उन्होंने कहा कि मां का अपने बच्चे के प्रति प्रेम 'वात्सल्य' कहलाता है. यह शब्द 'वत्स' अर्थात बछड़ा या बछिया से बना है. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गाय अपने बछड़े के प्रति वात्सल्य भाव रखती है, उसी प्रकार मानव माता अपने बच्चों से प्रेम करती है. यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है.

शंकराचार्य ने कहा कि 'मां' शब्द भी हमें गौवंश से ही मिला है. जब बछड़ा भूख लगने पर अपनी मां को पुकारता है तो वह 'मां' जैसी ध्वनि निकालता है. आज भी मनुष्य अपनी माता को इसी शब्द से संबोधित करता है. उन्होंने कहा कि यदि हमारी माता हमें बछड़ा-बछिया समझकर प्रेम करती है तो हमारा भी गौ माता से स्वाभाविक और आत्मीय संबंध है. इसलिए गौ माता की रक्षा करना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है. उन्होंने उपस्थित लोगों से गौ संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज को इस विषय पर सजग रहना होगा. यदि हम गौ माता से विमुख हो गए तो मातृत्व और वात्सल्य के उस भाव से भी दूर हो जाएंगे, जो भारतीय संस्कृति की पहचान है.

गविष्ठि यात्रा के दौरान पूर्व विधायक देवेंद्र अग्रवाल , रानू ससोदिया, राकेश तेनुआ ने समर्थकों के साथ जगद्गुरु का स्वागत एवं सम्मान किया. वहीं न्यायालय प्रांगण के सामने आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में भागवताचार्य पुलिन बिहारी शास्त्री तथा कथा आयोजकों ने भी उनका अभिनंदन किया. कार्यक्रम में वरिष्ठ बसपा नेता डॉ. अविन शर्मा ने भी शंकराचार्य का स्वागत कर उनका सम्मान किया. यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गौभक्त उपस्थित रहे.

16 मई को सगाई.. 11 जून को मिली लापता युवक की लाश, पिता ने 5 लोगों पर दर्ज कराया केस

कैमूर : बिहार के कैमूर में 16 मई को युवक की सगाई हुई थी जिसके कुछ दिनों पर वह तीन दिनों से लापता था. मोहनिया थाने की पुलिस ने उसकी लाश बाघिनी गांव से बरामद की. मृतक के पिता ने गांव के ही 5 लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है. मृतक की पहचान भभुआ थाना क्षेत्र के नौवां झोटी गांव निवासी शिव कुमार राम का 21 वर्षीय पुत्र शशि कुमार है. वहीं भभुआ सदर अस्पताल पहुंचे मृतक के पिता शिवकुमार राम ने बताया कि मेरा बेटा 3 दिन से गायब था. उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ बता रहा था. आज सूचना मिली कि मोहनिया थाना क्षेत्र के बाघिनी गांव में एक युवक का शव बरामद हुआ है, जिसके बाद

घटना स्थल पर पहुंच शव का पहचान किया गया. पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया.

मृतक के पिता ने बताया कि मेरा बाघिनी गांव में पहले से रिश्तेदारी है. जहां दुलारराम के यहां मेरे बड़े भाई की बेटी की शादी हुई है. वहीं बाघिनी गांव निवासी दुलार राम के द्वारा बाघिनी गांव में अपनी बहन के साथ मेरे बेटा का शादी करने का दबाव बनाया जा रहा था.

तेजस्वी ने सम्राट पर असल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का लगाया आरोप

पटना: नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर जोरदार हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध, बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है लेकिन सरकार शहरों और संस्थानों का नाम बदलने में लगी है. आरजेडी नेता ने कहा कि सीएम को लगता है कि लालू परिवार से सुरक्षा और बंगला छीन लेने से लोगों को ध्यान भटकाया जा सकता है लेकिन उनको पता होना चाहिए कि युवा और बेरोजगार अगर सड़क पर आ गए तो फिर उनको रोक नहीं पाएंगे. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सम्राट चौधरी को लगता है कि वह राबड़ी देवी का आवास छीन लेंगे और लालू परिवार की सुरक्षा ले लेंगे तो असल मुद्दों पर से लोगों का ध्यान भटक जाएगा लेकिन उनको ये पता होना चाहिए कि ऐसी बातों से सिर्फ दो-चार दिनों के लिए न्यूज बन सकती है, इससे जरूरी और जनहित के मुद्दे दब नहीं जाएंगे.

तेजस्वी यादव ने मौजूदा सरकार पर सीधा आरोप लगाया कि वह लोगों को ठगने का काम कर रही है. नौजवान जब अपने रोजगार और अधिकार की बात करने सड़क पर आते हैं तो उन्हें लाठी से पीटा जाता है. उनकी आवाज दबा दी जाती है. महिलाओं से किए गए वादों का भी उन्होंने जिक्र किया और पूछा कि महिलाओं को दो लाख रुपये कब मिलेंगे? उनके मुताबिक ये सब सिर्फ जुमले हैं, जो चुनाव के समय जनता को बहकाने के लिए बोले जाते हैं.

आरजेडी नेता ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि सम्राट चौधरी आएंगे और दो चार लोगों से काउंटर करवा देंगे. कुछ शहरों के नाम बदल देंगे, कुछ संस्थानों के नाम बदल देंगे, ताकि असली मुद्दों पर बात नहीं होगी. स्वास्थ्य, शिक्षा और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं की हालत बद से बदतर हो गई है. अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं और गरीब मरीज दर भटक रहा है. तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के बच्चे-बच्चे को पता है कि देश और राज्य की हालत क्या है. उन्होंने कहा कि अपराध लगातार बढ़ रहा है और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है. भ्रष्टाचार भी अपने चरम पर पहुंच चुका है. नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आपदा के समय काम आने वाला इमरजेंसी फंड यानी सरकारी कोर्स का पैसा भी सुरक्षित नहीं है और उसमें से भी निकासी हो रही है.

बिहार के खगड़िया जिले में वज्रपात से 5 लोगों की मौत, कई गंभीर रूप से झुलसे

खगड़ियाः बिहार में खगड़िया जिले के चौथम और बेलदौर प्रखंड में वज्रपात (आकाशीय बिजली) से कुल पांच लोगों की मौत हो गई. जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए. पुलिस के मुताबिक पौरा थाना क्षेत्र के कन्हौली बहियार स्थित दुखहरण बाबा स्थान के समीप गुरुवार सुबह खेत में काम कर रहे ग्रामीणों पर अचानक आसमानी बिजली गिरने से कन्हौली यादव टोला निवासी 62 वर्षीय विद्यानंद यादव, उनके पुत्र 26 वर्षीय आशुतोष यादव और 10 वर्षीय पौत्र अंकेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. घटना में विमल यादव और सुशील कुमार समेत चार लोग झुलस गए.

दो घायलों का इलाज चौथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है, जबकि गंभीर रूप से घायल दो अन्य को सदर अस्पताल खगड़िया रेफर किया गया है. सीएचसी प्रभारी डॉ अनिल कुमार ने बताया, दोनों घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है. पौरा थाना प्रभारी संजीव कुमार ने कहा, सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर

पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है.

खगड़िया जिले के ही इतमादी सरस्वती नगर वार्ड संख्या-7 स्थित लबघड़िया गांव में एक ही परिवार के पांच लोग वज्रपात की चपेट में आ गए. हादसे में 35 वर्षीय जवाहर शर्मा की मौत हो गई, जबकि शंभू शर्मा, बेलो शर्मा, रुक्मणी देवी और रेखा देवी गंभीर रूप से घायल हुए. इनमें रेखा देवी की हालत नाजुक बताई जा रही है. बलैठा पंचायत के नागपुर गांव में 18 वर्षीय मणि लाल कुमार की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई.

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा घोटाले पर बड़ा एक्शन मुंगेर से 15 गिरफ्तार, साथ ले गई पटना पुलिस

मुंगेर: बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित फर्जीवाड़ा और जालसाजी के मामले में पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंगेर जिले से 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई से भर्ती परीक्षा में धांधली करने वाले गिरोहों के खिलाफ चल रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है. गिरफ्तार सभी आरोपियों को पूछताछ और पहचान की प्रक्रिया के लिए पटना ले जाया गया है. मामले की जांच कई पहलुओं पर जारी है और पुलिस को इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश है.

जानकारी के अनुसार सिपाही भर्ती परीक्षा में अनियमितता, फर्जी दस्तावेजों के उपयोग, दूसरे अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा देने और अवैध तरीके से सफलता दिलाने जैसे गंभीर आरोपों की जांच के दौरान पटना पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले थे. इन्हीं सूचनाओं के आधार पर मुंगेर जिले में विशेष छापेमारी अभियान चलाया

गया, जिसमें विभिन्न थाना क्षेत्रों से 15 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है. मुंगेर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने बताया कि यह कार्रवाई पटना के सचिवालय थाना कांड संख्या 160/25 और गर्दनीबाग थाना कांड संख्या 76/25 में दर्ज मामलों के तहत की गई है.

गिरफ्तार किए गए 15 आरोपियों में से छह तारापुर अनुमंडल क्षेत्र से पकड़े गए हैं. पुलिस की संयुक्त टीम ने संग्रामपुर, रघुपुर और तारापुर थाना पुलिस के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर इन लोगों को हिरासत में लिया है. बताया जा रहा है कि संग्रामपुर थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी सत्य कुमार, रघुपुर थाना क्षेत्र के बलराम कुमार और मिथुन कुमार, तारापुर थाना क्षेत्र के काजीचक मिल्की निवासी राहुल कुमार, मोहनगंज निवासी कृष्ण पासवान और महापुर निवासी रामजीवन कुमार तांती को गिरफ्तार किया गया है. इसके अलावा खड़गपुर, शामपुर, सफियाबाद, कासिम बाजार और बरियारपुर थाना क्षेत्रों से भी अन्य आरोपियों को पकड़ा गया है. सभी गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे सीधे तौर पर फर्जीवाड़े में शामिल थे या किसी बड़े गिरोह के संपर्क में काम कर रहे थे.

आगामी चुनावों में उप्र की जनता पुन: मोदी–योगी को देगी आशीर्वाद : पीयूष गोयल

लखनऊः केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लखनऊ में कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता आगामी चुनावों में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आशीर्वाद देगी. उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने देश को विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए कई ऐतिहासिक काम किए हैं, ये सभी काम सुनहरे अक्षरों में लिखे जाएंगे. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी की लखनऊ महानगर इकाई की ओर से सहकारिता भवन के सभागार में आयोजित प्रबुद्ध जन विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बोल रहे थे. कार्यक्रम में भाजपा नेताओं के स्वागत के

बाद उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का विस्तार से जिक्र किया. उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है. वे देश के पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री पद पर निरंतरता से काम किया है और एक दिन भी छुट्टी नहीं ली. उन्होंने कहा कि इसी साल अक्टूबर में दोनों कार्यकाल मिलाकर 25 साल पूरे हो जाएंगे.

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म करने से लेकर देश से नक्सलवाद, आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने, देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने, हर घर नल से जलापूर्ति, कोरोनो काल में वैक्सीन निर्माण और लोगों की हर हाल में सुरक्षा का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है.

न्यूज कॉर्नर

भारत के लेबर मार्केट सुधारों के लिए 4 लेबर कोड और डिजिटल प्लेटफॉर्म अहम : करंदलाजे

नई दिल्ली: केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने जिनेवा में 114वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित किया. उन्होंने अपने संबोधन में भारत के श्रम सुधारों, सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर प्रकाश डाला. साथ ही करांदलाजे ने रवांडा की लोक सेवा एवं श्रम मंत्री क्रिस्टीन नकुलिकिचिंका के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की. शोभा करंदलाजे ने 114वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने अंत्योदय के सिद्धांत के अनुरूप व्यापक श्रम सुधार किए हैं. उन्होंने बताया कि इसके तहत 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित किया गया है, ताकि अनुपालन को सरल बनाया जा सके, श्रमिकों के कल्याण को मजबूत किया जा सके और एक आधुनिक तथा पारदर्शी श्रम परितंत्र का निर्माण किया जा सके.करंदलाजे ने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में 114वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया. केंद्रीय मंत्री ने सम्मेलन के आयोजन पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन को बधाई दी और तेजी से हो रहे वैश्विक परिवर्तनों के बीच सामाजिक न्याय और सम्मानजनक कार्य को बढ़ावा देने में इसके नेतृत्व की सराहना की.इस दौरान शोभा करांदलाजे ने रवांडा की लोक सेवा एवं श्रम मंत्री क्रिस्टीन नकुलिकिचिंका के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की. साथ ही उन्होंने श्रीलंका के श्रम मंत्री अनिल जयंत फर्नांडो के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की. .

नीति आयोग की बैठक में सुक्खू ने हिमाचल के राजस्व नुकसान, आपदा क्षति का मुद्दा उठाया

नयी दिल्ली: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बृहस्पतिवार को नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दे उठाए. उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि राज्य को राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद होने, प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान, जलविद्युत परियोजनाओं में मुफ्त बिजली के उचित हिस्से से वंचित रहने तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था से हुए राजस्व नुकसान का आकलन करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए. 'विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास' विषय पर आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में सुक्खू ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद हिमाचल प्रदेश देश की प्रगति में योगदान दे रहा है.उन्होंने कहा कि उच्चस्तरीय समिति अपनी विस्तृत रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपे ताकि राज्य को उसका उचित हिस्सा मिल सके.प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 'विकसित भारत' के लक्ष्य को ठोस परिणामों में बदलने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

फर्जी सिग्नेचर केस में ...

इस बीच, सीआईडी ने भवानी भवन की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी थी. वहां अतिरिक्त पुलिस और सेंट्रल फोर्स, आरएएफ तैनात किए गए. इसके अलावा टियर गैस भी रखी गई. सीआईडी ने यह पक्का करने के लिए सिक्योरिटी कड़ी कर दी है कि अभिषेक बनर्जी के आने पर वहां कोई अप्रिय स्थिति न बने.विवाद तब शुरू हुआ जब शोभनदेव चटर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता चुनने के बाद तृणमूल विधायक दल ने स्पीकर को चिट्ठी भेजी.आरोप है कि चिट्ठी में कई लोगों के साइन में गड़बड़ियां हैं. कई लोगों का दावा है कि उन्होंने साइन नहीं किए. कुछ नाम बड़े अक्षरों में लिखे हैं! उस चिट्ठी पर पार्टी के महासचिव के तौर पर अभिषेक बनर्जी के साइन थे. सीआईडी उनसे पूछताछ करने उनके घर गई. अभिषेक बनर्जी को नोटिस भी दिया गया, लेकिन वे एक बार भी पेश नहीं हुए, गुरुवार को कोलकाता एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद कुछ लोगों ने अभिषेक बनर्जी को देखकर 'चोर-चोर' के नारे लगाए सीआईडी ने सिग्नेचर केस की जांच के लिए पहले ही तीन तृणमूल विधायकों के हैंडराइटिंग सैंपल इकट्ठा कर लिए हैं. सूत्रों के मुताबिक, सिग्नेचर जालसाजी मामले में भवानी भवन में उनका बयान दर्ज किया जाएगा. उन्होंने सीआईडी के सवालों के जवाब प्रैक्टिकली अपने हाथ से लिखे. कहा जा रहा है कि यह पहल इसलिए की गई ताकि बाद में वह कोई शिकायत न कर सकें, जैसे कि उन पर दबाव डाला जाए या उन्हें डराया-धमकाया जाए. दूसरे शब्दों में, यह कहने की जरूरत नहीं है कि सीआईडी ने इस मामले में बिल्कुल नई स्ट्रैटेजी अपनाई है.

अभिषेक या मुझमें से ...

उन्होंने इसे पहले फाइल किया था. शुक्रवार को वेकेशन बेंच बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतजार किया, लेकिन मामले पर सुनवाई नहीं हुई. उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका जिक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी. जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट स्थित उनके (अभिषेक बनर्जी) घर और दीदी के ऑफिस में तलाशी ली गई थी. मैं दिल्ली से आया था और वहां भी गया था. तलाशी के दौरान मैं मौजूद था. फिर कल सुबह, मैंने जस्टिस कौशिक चंदा के सामने मामले का जिक्र किया और कहा कि यह जरूरी है. मैंने उनसे कहा कि तलाशी गैर-कानूनी थी. तलाशी पहले ही हो चुकी थी और कभी भी कुछ भी हो सकता था, इसलिए मामले पर सुनवाई जरूरी थी. जज ने मुझसे कहा कि मामले की सुनवाई उसी दिन होगी. उसके बाद, दोपहर करीब 12.30 बजे एक वकील आया और मुझे बताया कि तलाशी के संबंध में एक अलग रिट याचिका दायर की गई है और एक सीनियर वकील इसे देखेंगे. मैंने पूछा, 'अगर आपने यह मामला पहले ही दायर कर दिया था, तो आपने हमसे इस पर चर्चा क्यों नहीं की? यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है'.'उसके बाद, पूरे दिन किसी ने कुछ नहीं कहा. मैंने पूरी रात केस की तैयारी में बिताई. आज भी, आप देख सकते हैं कि मैं हर जगह जा रहा हूं, जोखिम उठा रहा हूं और अपना काम कर रहा हूं. फिर भी उनकी अनादर करने की आदत नहीं बदली है. उन्हें (अभिषेक बनर्जी) लगता है कि हर कोई उनसे नीचे है, जैसे कि हर कोई कैमक स्ट्रीट का सिर्फ एक कर्मचारी हो. मैं 45 साल से इस पेशे में हूं. एक सीनियर वकील के तौर पर मुझे कौन नहीं जानता? मैं कितने समय से प्रैक्टिस कर रहा हूं? इस कोर्ट को छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट में भी लोग मुझे जानते हैं. लेकिन वे इतने अहंकारी हो गए हैं... किसी का सम्मान नहीं करते. इसीलिए मैं पीछे हट गया हूं. आज सुबह मैंने दीदी से भी कहा: मेरे और अभिषेक बनर्जी के बीच किसी एक को चुनिए'.

प्रकाश चिक बड़ाईक और ....

उन्होंने पार्टी के भी सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है.
उधर, कोयल मल्लिक के इस्तीफे ने तृणमूल की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. फरवरी में पार्टी ने उन्हें राज्यसभा उम्मीदवार बनाया था और अप्रैल में उन्होंने सांसद पद की शपथ ली थी. उस समय उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बताया था, लेकिन अब पार्टी से दूरी बना ली है.लगातार इस्तीफों के कारण राज्यसभा में तृणमूल की संख्या 13 से घटकर नौ रह गई है. सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में कुछ और सांसद भी इस्तीफा दे सकते हैं. लोकसभा में भी पार्टी की स्थिति कमजोर होती दिख रही है, जहां बड़ी संख्या में सांसदों के असंतुष्ट खेमे के साथ जाने की चर्चा है.

पीएम मोदी की अध्यक्षता ...

लिए ठोस और मापने योग्य परिणामों में बदलने के उपायों पर चर्चा हुई. अधिकारियों के अनुसार, बैठक में मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने 'समावेशी मानव विकास ढांचे' पर विचार-विमर्श किया. यह ढांचा चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनमें बुनियादी मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल; उत्पादक रोजगार, उद्यमिता और विकेंद्रीकृत विकास; स्वास्थ्य, पोषण और भलाई; और सभी के लिए समानता और सम्मान शामिल है. बैठक में उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मजबूत बनाने और देशभर में टिकाऊ रोजगार के अवसर सृजित करने के उपायों पर भी चर्चा हुई.

ऋतब्रत बने रहेंगे...

ने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष के नेता की मान्यता दी गई है. ऋतब्रत बनर्जी का दावा है कि उन्हें टीएमसी के 57 अन्य विधायकों का समर्थन हासिल है और वह अलग हुए गुट का नेतृत्व कर रहे हैं.याचिकाकर्ताओं ने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को भी चुनौती दी है. जिसमें अलग हुए गुट के नेता संदीपन साहा को मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) के रूप में मान्यता दी गई है. विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने की मांग करते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा कि विधानसभा का सत्र 18 जून से शुरू होने वाला है. विधानसभा अध्यक्ष की ओर से पेश वकील बिल्वदल भट्टाचार्य ने याचिका में उठाए गए मुद्दों पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा. जस्टिस कृष्णा राव ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं किया और मामले की अगली सुनवाई 16 जून के लिए निर्धारित कर दी.

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.41 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली: घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ. आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी. दिन के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की. सेंसेक्स निचले स्तर से 875 अंक और निफ्टी निचले स्तर से 255 अंक से अधिक उछलने में सफल रहे. हालांकि दोपहर एक बजे के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से ये दोनों सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में पहुंच गए. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.20 प्रतिशत और निफ्टी 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए.
आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मीडिया और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों की खरीदारी होती रही. दूसरी ओर, आईटी, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही. इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया.
आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब ढाई लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 452.57 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.98 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 1,384 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,807 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 198 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,998 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 772 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2226 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में बंद हुए.
बीएसई का सेंसेक्स आज 367.19 अंक की कमजोरी के साथ 73,615.99 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक 464.43 अंक की गिरावट के साथ 73,518.75 अंक के स्तर तक चला गया. इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा.
लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 875.59 अंक उछल कर 411.16 अंक की मजबूती के साथ 74,394.34 अंक तक पहुंच गया. इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी. लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 561.79 अंक टूट कर 150.63 अंक की गिरावट के साथ 73,832.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ.
सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 110.55 अंक लुढ़क कर 23,104.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से यह सूचकांक 142.90 अंक गिर कर 23,072.05 अंक के स्तर पर आ गया. इसके बाद खरीदारों में लिवाली शुरू कर दी, जिससे निफ्टी की चाल में सुधार होने लगा.
बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के कारण दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 255.40 अंक रिकवर कर 112.50 अंक की तेजी के साथ 23,327.45 अंक के स्तर पर पहुंच गया. इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी.
लगातार हो रही बिकवाली की वजह से निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 165.85 अंक फिसल कर 53.35 अंक की कमजोरी के साथ 23,161.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ.
आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईसीआईसीआई बैंक 1.83 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.64 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 1.35 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.98 प्रतिशत और ग्रासिम इंडस्ट्रीज 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, इंफोसिस 2.68 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.93 प्रतिशत, एटरनल 1.92 प्रतिशत, अदानी पोर्ट्स 1.87 प्रतिशत और ट्रेंट लिमिटेड 1.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है. भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना आज 3,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया. वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 4,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई. सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है.भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

कोयला गैसीकरण से बना यूरिया आर्थिक रूप से व्यावहारिक होगा : अधिकारी

नयी दिल्ली: बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने पर कोयला गैसीकरण से यूरिया बनाना आर्थिक रूप से फायदेमंद होगा और इससे आयातित यूरिया और अमोनिया का एक घरेलू विकल्प मिलेगा. एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी है.
अशोक यूनिवर्सिटी के 'अशोक सेंटर फॉर ए पीपल सेंट्रिक एनर्जी ट्रांजिशन' (एसीपीईटी) और 'चिंतन रिसर्च फाउंडेशन' (सीआरएफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार ने कहा, ''हमारी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है और यूरिया उर्वरक का एक अहम हिस्सा है. यह उर्वरक श्रृंखला में बहुत ज्यादा मूल्य जोड़ता है और अभी हम यूरिया और अमोनिया का आयात करते हैं.
उन्होंने कहा, ''इसलिए, यह पूरी तरह से घरेलू उत्पादन होगा. इससे एक तो उपलब्धता सुनिश्चित होगी और दूसरी बात यह है कि हमें इसके लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. हमें उम्मीद है कि जैसे-जैसे ये परियोजना बड़ी होंगी और सरकार जिस तरह की सब्सिडी और समर्थन दे रही है, उसे देखते हुए ये फायदेमंद साबित होंगे.''बरार ने भारतीय हालात के हिसाब से गैसीकरण प्रौद्योगिकी को देश में ही विकसित करने की भी बात कही.
कोल गैसीकरण पर आधारित यूरिया बनाने की प्रक्रिया में कच्चे कोयले और पेट कोक को अधिक-तापमान ऑक्सिडेशन के जरिये सिनगैस (हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड) में बदला जाता है. इस हाइड्रोजन को हवा से मिलने वाली नाइट्रोजन के साथ मिलाकर अमोनिया बनाया जाता है और फिर इसकी कार्बन डाइऑक्साइड के साथ प्रतिक्रिया कराकर यूरिया तैयार किया जाता है. यह फीडस्टॉक के तौर पर प्राकृतिक गैस की जगह लेता है,

केंद्र सरकार ने ईथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर शून्य किया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने ईथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क को पूरी तरह से हटा दिया है. यह शुल्क छूट पेट्रोल के ई22, ई25, ई27 और ई30 संस्करणों पर लागू होगी. वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में बुधवार को एक अधिसूचना में जानकारी दी है कि 22 फीसदी से लेकर 30 फीसदी तक ईथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है. अधिसूचना के मुताबिक 22, 25, 27 और 30 फीसदी ईथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 'शून्य' होगा. यह उत्पाद शुल्क छूट ग्राहकों को ईथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की ओर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों के मई के दूसरे पखवाड़े में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगभग 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है. केंद्र सरकार ने मार्च में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया था, जिससे उसने वार्षिक राजस्व में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का घाटा उठाया था. सरकार ने यह कदम पश्चिम एशिया संकट के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के उद्देश्य से लिया था.

भारत-नेपाल ने सीमा पार इंस्टेंट यूपीआई आधारित मनी ट्रांसफर सिस्टम किया लॉन्च

नई दिल्ली: भारत और नेपाल ने भुगतान और धन हस्तांतरण को आसान बनाने के उद्देश्य से एक पीयर-टू-पीयर (पी2पी) क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सिस्टम को लॉन्च किया है. ये सेवा दोनों पड़ोसी देशों के बीच डिजिटल वित्तीय कनेक्टिविटी और आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है.
वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत और नेपाल ने यात्रियों तथा कारोबारियों के लिए भुगतान और धन हस्तांतरण को आसान बनाने के उद्देश्य से 6 जून, 2026 को आधिकारिक तौर पी2पी (दो इकाइयों के बीच) सीमा-पार धन प्रेषण व्यवस्था शुरू की है. मंत्रालय के मुताबिक यह तकनीकी एकीकरण नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की अंतरराष्ट्रीय शाखा-एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड (एनसीएचएल) के बीच सहयोग के माध्यम से निष्पादित किया गया है. यह डिजिटल भुगतान गलियारा दोनों देशों के बीच लेन-देन की प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगा और निम्नलिखित लाभ प्रदान करेगा.

यूपीआई-एनपीआई धन प्रेषण लिंकेज की मुख्य विशेषताएं:-यह डिजिटल भुगतान गलियारा दोनों देशों के बीच लेन-देन की प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाएगा और निम्नलिखित लाभ प्रदान करेगा.
यात्रियों के लिए अधिक सुविधा:- मुद्रा विनिमय की जटिलताओं, बड़ी मात्रा में नकदी साथ रखने की आवश्यकता तथा अपरिचित विदेशी विनिमय शुल्कों से मुक्ति मिलेगी.
स्थानीय व्यापारियों के लिए आर्थिक लाभ:- नेपाल के व्यवसायों को बडी संख्या में प्रौद्योगिकी-सक्षम भारतीय पर्यटकों और ग्राहकों तक सीधी पहुंच प्राप्त होगी, जिससे लेनदेन की मात्रा बढेगी.
परिचालन दक्षता:- स्थानीय व्यापारियों को नकदी प्रबंधन में सुविधा होगी, नकदी संभालने से जुड़े खर्च कम होंगे तथा सुरक्षित और वास्तविक समय में भुगतान निपटान संभव होगा.
वास्तविक-समय में प्रत्यक्ष हस्तांतरण:- सीमा-पार नकदी ले जाने या पारंपरिक बैंकिंग माध्यमों पर निर्भर रहने की आवश्यकता कम होगी.
वित्त मंत्रालय के अनुसार भारत के यूपीआई और नेपाल के राष्ट्रीय भुगतान इंटरफेस के प्रत्यक्ष एकीकरण से निर्बाध, सुरक्षित और त्वरित पी2पी धन हस्तांतरण संभव हुआ है. यह पहल वित्तीय समावेशन को मजबूत करती है, डिजिटल एवं आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देती है तथा दोनों देशों के यात्रियों और व्यवसायों के लिए सुविधा बढ़ाती है.
मंत्रालय ने कहा कि हाल ही में परिचालन में आई यह प्रणाली भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और नेपाल के नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस (एनपीआई) के बीच एक सीधा संबंध स्थापित करती है. इससे दोनों देशों के नागरिक मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन और डिजिटल वॉलेट के माध्यम से सीधे तत्काल समय में धन का हस्तांतरण कर सकेंगे.वर्तमान में यूपीआई नौ देशों, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका और कंबोडिया में स्वीकार किया जाता है. इन देशों में भारतीय यात्री अपने परिचित यूपीआई प्लेटफार्मों के माध्यम से आसानी से डिजिटल भुगतान कर सकते हैं.

यूएचएम वैकेशन की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत

डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली: बी टू बी ट्रैवल सर्विस ऑफर करने वाली कंपनी यूएचएम वैकेशन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 166 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 132.80 रुपये के स्तर पर हुई. कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर 126.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 39.80 रुपये यानी 23.98 प्रतिशत का नुकसान हो गया.
यूएचएम वैकेशन का 36 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से आठ जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 100 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था. नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 86 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.86 गुना सब्सक्राइब हो सका था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 29 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके अलावा 4.20 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं. आईपीओ में नई शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मार्केटिंग और प्रमोशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 11 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.27 करोड़ रुपये हो गया. इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा उछल कर 7.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से लेकर 28 फरवरी 2026 तक कंपनी को 8.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था.
इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 20.49 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.66 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में 40.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से लेकर 28 फरवरी 2026 तक कंपनी को 45.29 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था. इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा. वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर कोई कर्ज नहीं था. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी पर 38 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में 48 लाख रुपये के कर्ज का बोझ आ गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से लेकर 28 फरवरी 2026 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ छह लाख रुपये के स्तर पर था.
इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में ये 87 लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 12.62 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 19.86 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.
पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से लेकर 28 फरवरी 2026 तक ये 25.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 18 लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.87 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 8.26 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल 2025 से लेकर 28 फरवरी 2026 तक ये 9.19 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा.

स्टॉक मार्केट में वाह केमिकल्स की प्रीमियम लिस्टिंग, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली: टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स के शेयरों ने आज बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 16.67 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 70 रुपये के स्तर पर हुई. मजबूत लिस्टिंग के बाद बाजार में लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 71 रुपये के स्तर तक पहुंच गया. हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली शुरू होने पर ये 66.50 रुपये के स्तर तक गिर कर बंद हुआ. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 6.50 रुपये यानी 10.83 प्रतिशत का मुनाफा हो गया.

वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ चार से आठ जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 87.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 74.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 100.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 22.42 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं.
आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. वाह केमिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 2.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 5.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 23.75 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 43.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में मामूली बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 11.25 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 11.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में आखिरी बार नजर आएंगे ये 6 दिग्गज खिलाड़ी

नयी दिल्ली : फीफा वर्ल्ड कप 2026 का इंतजार खत्म, आज से दुनिया भर के प्रशंसक फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के यादगार पलों को अपनी आंखों और कैमरों में कैद करेंगे. वहीं दूसरी ओर इस टूर्नामेंट के साथ एक युग के अंत होने की भी उम्मीद है. क्योंकि इस खेल के कई दिग्गज खिलाड़ियों के लिए, यह वर्ल्ड कप उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है. उन खिलाड़ियों के करियर ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और फुटबॉल की एक पूरी पीढ़ी को नई पहचान दी. कुछ खिलाड़ी पहले ही वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीत चुके हैं, तो कुछ अभी भी इसका सपना देख रहे हैं. इसके बावजूद ये सभी खिलाड़ी मैदान पर यह जानते हुए उतरेंगे कि इस खेल के सबसे बड़े मंच पर ये उनकी आखिरी उपस्थिति हो सकती है. आइए उन 6 दिग्गज खिलाड़ियों पर एक नजर डालते हैं, जिनका ये आखिरी फीफा वर्ल्ड कप हो सकता है.

1. लुका मोड्रिक (क्रोएशिया) : लुका मोड्रिक फुटबॉल की महाशक्ति के रूप में क्रोएशिया के उदय के प्रतीक रहे हैं. 2018 के फाइनल में अपनी टीम को पहुंचाने से लेकर 2022 में एक बार फिर पोडियम तक ले जाने तक, इस मिडफील्ड के जादूगर ने हमेशा बड़े मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया है. लेकिन वो अब 40 साल के हो चुके मोड्रिक क्रोएशिया के लीडर और क्रिएटिव फोर्स बने हुए हैं. 2026 में शानदार प्रदर्शन इस खेल के अब तक के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों में से एक के लिए एक यादगार विदाई होगी.

2. नेमार (ब्राजील): ब्राजील के फारवर्ड नेमार पहले ही संकेत दे चुके हैं कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा. 34 साल के खिलाड़ी ने यह बात फीफा के एक सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में कही. नेमार ने 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है. उन्होंने अक्टूबर 2023 में घुटने की चोट के बाद से ब्राजील के लिए नहीं खेला है. हालांकि, उन्हें टीम में शामिल किया गया है और वह ब्राजील के लिए हालात बदलने की कोशिश करेंगे, जो 24 सालों से अपने छठे फीफा वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में है.

3. लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना) : 2022 में अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप जिताकर फुटबॉल के अपने सबसे बड़े सपने को पूरा करने के बाद, लियोनेल मेसी टूर्नामेंट में अपनी आखिरी उपस्थिति के लिए वापसी कर रहे हैं. 38 साल के मेसी आठ बार बैलन डी'ओर जीत चुके हैं. उनकी कप्तानी में अर्जेंटीना मौजूदा चैंपियन है. अब उनके पास एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का मौका है. वो इस बार भी चैंपियन बनते हैं तो अर्जेंटीना 1962 में ब्राजील के बाद वर्ल्ड कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाला पहला देश बन जाएगा.

4. क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) : बहुत कम एथलीटों ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की तरह लंबे समय तक खेल में बने रहने की मिसाल कायम की है. पुर्तगाल के इस सुपरस्टार का अंतरराष्ट्रीय करियर दो दशकों से भी अधिक समय का रहा है और वह अपने देश के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं. वर्ल्ड कप ही एकमात्र ऐसी बड़ी ट्रॉफी है जो रोनाल्डो के कलेक्शन में नहीं है, इसलिए 2026 फुटबॉल की इस सबसे बड़ी चुनौती को पूरा करने का आखिरी मौका है. 41 साल की उम्र में, वह यह जानते हुए टूर्नामेंट में उतरेंगे कि वर्ल्ड कप के मंच पर हर मैच उनका आखिरी मैच हो सकता है.

5. मोहम्मद सालाह (मिस्र) : लिवरपूल के दिग्गज और अफ्रीकी फुटबॉल के किंग, मोहम्मद सालाह, 2026 वर्ल्ड कप के समय 34 साल के हो जाएंगे. सालाह, जो मिस्र को वर्ल्ड फुटबॉल में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए अकेले दम पर संघर्ष कर रहे हैं, अपने देश को एक और वर्ल्ड कप में ले जाने के बाद अपने करियर के अगले चरण में आगे बढ़ सकते हैं.

6. मैनुअल नॉयर (जर्मनी) : मैनुअल नॉयर जर्मनी के दिग्गज गोलकीपर हैं, जिन्होंने फुटबॉल में 'स्वीपर-कीपर' स्टाइल को एक नई पहचान दी. बायर्न म्यूनिख के इस स्टार खिलाड़ी ने जर्मनी की 2014 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी और 2026 में वे 40 साल के हो जाएंगे. यह वर्ल्ड कप नॉयर के करियर का आखिरी बड़ा टूर्नामेंट होगा, क्योंकि वे लगातार चोटों से जूझ रहे हैं.

न्यूज़ कॉर्नर

एनसीएए चैंपियनशिप : जा'कोबे थार्प ने 110 मीटर बाधा दौड़ में तोड़ विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका) : अमेरिका के युवा एथलीट जा'कोबे थार्प ने एनसीएए आउटडोर चैंपियनशिप के हीट मुकाबले में गुरुवार को पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया. ऑबर्न विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थार्प ने 12.75 सेकंड का समय निकाला और पूर्व विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया. इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिका के एरीज़ मेरिट के नाम था, जिन्होंने वर्ष 2012 में 12.80 सेकंड का समय दर्ज किया था. विश्व रिकॉर्ड बनाने के बाद थार्प ने कहा,मैंने ऐसा करने की योजना नहीं बनाई थी. सच कहूं तो मेरा ऐसा इरादा नहीं था. पांचवीं लेन में दौड़ शुरू करने वाले 20 वर्षीय थार्प शुरुआत में थोड़े धीमे नजर आए, लेकिन तीसरी बाधा पार करने के बाद उन्होंने बढ़त बना ली. इसके बाद उन्होंने शानदार गति पकड़ी और दमदार अंदाज में दौड़ समाप्त की. थार्प ने कहा,मुझे पता था कि इस प्रतियोगिता तक पहुंचते-पहुंचते मेरी तैयारी बहुत अच्छी हो जाएगी, क्योंकि हमने इसी प्रतियोगिता के लिए अपनी फिटनेस को चरम स्तर तक पहुंचाने की योजना बनाई थी. मुझे विश्वास था कि मैं कुछ असाधारण कर सकता हूं, बस उसे सही तरीके से अमल में लाना था. थार्प ने इससे पहले वर्ष 2024 अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीता था. हालांकि, थार्प के इस विश्व रिकॉर्ड को अभी विश्व एथलेटिक्स की आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है.

मोरक्को के स्टार विंगर एज़्ज़ालज़ूली और एगुएर्ड चोट के कारण विश्व कप से बाहर

बास्किंग रिज (न्यूजर्सी): ब्राजील के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल के पहले मुकाबले से पूर्व मोरक्को के स्टार विंगर एब्दे एज़्ज़ालज़ूली और डिफेंडर नायेफ एगुएर्ड चोट के कारण बाहर हो गए हैं. फीफा ने बुधवार की रात इसकी पुष्टि की कि दोनों खिलाड़ी विश्व कप के लिये मोरक्को की टीम से चोट के कारण बाहर हो गए हैं. एज़्ज़ालज़ूली के शानदार प्रदर्शन की मदद से रीयाल बेटिस ने अगले सत्र में चैम्पियंस लीग में जगह बनाई है. वहीं कतर में 2022 विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंची मोरक्को की टीम के प्रमुख डिफेंडरों में एगुएर्ड थे. उनकी जगह अमीने सबाइ और मरवाने सादाने को टीम में जगह दी गई है.

विक्टोरिया के चोटिल होने के बाद क्वींस क्लब में सेरेना का युगल अभियान थमा

लंदन: दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में युगल अभियान एक मैच के बाद ही खत्म हो गया. अमेरिका की 44 वर्षीय स्टार सेरेना और उनके युगल जोड़ीदार 19 साल कनाडा की विक्टोरिया एमबोको को बृहस्पतिवार को ड्रॉ से हटना पड़ा. एमबोको बुधवार को कैरोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ अपने एकल मुकाबले के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण मैच के बीच से हट गईं थी. उन्हें यह चोट दूसरे सेट में लगी थी. सेरेना और एमबोको ने मंगलवार को अपना पहला युगल मैच जीता था जिसके साथ अमेरिकी खिलाड़ी ने खेल से लगभग चार साल दूर रहने के बाद पेशेवर टेनिस में वापसी थी. अमेरिकी ओपन 2022 के बाद अपने पहले पेशेवर मैच में खेलते हुए सेरेना ने एमबोको के साथ मिलकर मंगलवार को निकोल मेलिचर मार्टिनेज और एरिन रुटलिफ की तीसरी वरीय जोड़ी को 7-6, 6-2 से हराया था. क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज और लॉरा सीगमंड से होना था. सेरेना अगले हफ्ते जर्मनी में बर्लिन ओपन में युगल में खेलेंगी. उनकी जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं हुई है.

विंबलडन ने इनामी राशि में 20 प्रतिशत इजाफा किया, एकल विजेताओं को मिलेंगे 48 लाख डॉलर

लंदन: खिलाड़ियों की राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग के बीच विंबलडन ने बृहस्पतिवार को कुल इनामी राशि में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया. अगले महीने होने वाले इस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब 36 लाख पाउंड (48 लाख डॉलर) मिलेंगे. ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष डेबोरा जेवन्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खिलाड़ियों के रोजाना भत्ते सहित कुल इनामी राशि तक बढ़कर 42 लाख पाउंड (आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) होगी. खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम से होने वाली कमाई में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में कदम उठाना शुरू किया है. फ्रेंच ओपन से पहले दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा था कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो खिलाड़ियों को किसी ना किसी स्तर पर बहिष्कार करना चाहिए. पुरुषों के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, कोको गॉफ और अन्य खिलाड़ियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी. इसके बाद रोलां गैरो पर टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीर्ष 10 खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से होने वाली कमाई में अपने हिस्से को लेकर सांकेतिक विरोध जताते हुए पत्रकारों के साथ अपने सत्र को 15 मिनट तक ही सीमित रखा. एक साल से कुछ अधिक समय पहले 20 प्रमुख खिलाड़ियों ने चारों ग्रैंडस्लैम के प्रमुखों को एक पत्र भेजा था जिसमें अधिक इनामी राशि और फैसले लेने की प्रक्रिया में अपनी अधिक भागीदारी की मांग की गई थी.

अफगानिस्तान ए ने किया उलटफेर, स्टार खिलाड़ियों से सजी इंडिया ए को चार रन से हराया

दाम्बुला : बारिश से प्रभावित ट्राई-नेशन सीरीज के मैच में अफगानिस्तान ए ने स्टार खिलाड़ियों से सजी इंडिया ए टीम को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत 4 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया. पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ए ने बारिश के कारण 49 ओवर की पारी में 349/9 का बड़ा स्कोर बनाया. प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों में तूफानी 84 रन बनाकर टीम को आगे बढ़ाया, साथ ही कप्तान तिलक वर्मा (66) और ऋतुराज गायकवाड़ (66) ने भी अर्धशतक जड़े. बार-बार बारिश होने के कारण डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम लागू करके अफगानिस्तान ए के लिए लक्ष्य को 38 ओवर में 294 रन कर दिया गया. कप्तान इमरान (70 गेंदों में नाबाद 75 रन) और हसन ईसाखिल (29 गेंदों में 34 रन) की जबरदस्त शुरुआत के बाद अफगानिस्तान मुकाबले में बना रहा. इसके बाद बाहिर शाह (52 गेंदों में 51 रन) इमरान के साथ जुड़े और दोनों ने टीम को 25.5 ओवर में 177/2 तक पहुंचाया, तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा. खेल के उस पड़ाव पर अफगानिस्तान टीम 'पार स्कोर' (जरूरी स्कोर) से चार रन आगे थी, जिससे उनकी जीत पक्की हो गई. इससे पहले कप्तान तिलक, उप-कप्तान ऋतुराज और ओपनर प्रभसिमरन ने सही समय पर अर्धशतक लगाए जिससे इंडिया ए ने विशाल स्कोर खड़ा किया. इंडिया ए की पारी के दौरान अफगानिस्तान के गेंदबाज विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने के लिए संघर्ष करते दिखे. भारत की पारी की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी ने की जिन्होंने 22 गेंदों में 44 रन बनाए, जिसमें नौ चौके शामिल थे. इस युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने बिना कोई छक्का लगाए 200 का स्ट्राइक-रेट बनाए रखा जिससे पता चलता है कि वह बाउंड्री के लिए फील्ड में गैप ढूंढने में भी उतने ही माहिर हैं. सूर्यवंशी और प्रभसिमरन ने ओपनिंग विकेट के लिए सिर्फ 7.1 ओवर में 74 रन जोड़े जिससे भारत बड़े स्कोर की ओर अग्रसर हुआ. सूर्यवंशी एक बार फिर ऑफ-स्टंप के बाहर आती बाउंसर पर आउट हो गए. इस बार रैंप शॉट खेलने की कोशिश में गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर मोहम्मद इशाक के हाथों में चली गई. उन्हें अब्दुल्ला अहमदजई ने आउट किया, जो उस दिन पांच विकेट (5/68) लेकर सबसे सफल अफगान गेंदबाज रहे. लेकिन भारत ने शुरुआती बढ़त को आसानी से हाथ से नहीं जाने दिया. प्रियांश आर्य के जल्दी आउट होने के बाद प्रभसिमरन ने गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े, गायकवाड़ ने इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार 50 से ज़्यादा रन बनाए. प्रभसिमरन शतक के करीब पहुंचकर पार्ट-टाइम गेंदबाज इमरान मीर का शिकार बने, लेकिन गायकवाड़ डटे रहे और चौथे विकेट के लिए तिलक के साथ 78 रन जोड़े, तिलक ने भी लगातार दूसरी बार अर्धशतक लगाया. लेकिन गायकवाड़ और आयुष बडोनी लगातार गेंदों पर फरमानुल्लाह साफी (3/85) का शिकार बने जिससे 38वें ओवर में भारत का स्कोर 245/3 से 245/5 हो गया. तिलक को आक्रामक बल्लेबाज सूर्यांश शेडगे (40 रन, 27 गेंद) का अच्छा साथ मिला, इस जोड़ी ने छठे विकेट के लिए सिर्फ सात ओवर में 70 रन जोड़े और भारत आसानी से 300 रन के पार पहुंच गया.

सिंधू और तन्वी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में

सिडनी: दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बृहस्पतिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने राउंड ऑफ 16 मैच में हमवतन ईशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से शिकस्त दी. बुधवार को चीनी ताइपे की पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी च्यू पिन चियान को हराकर उलटफेर करने वाली तन्वी ने हमवतन मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा. अब सिंधू चीनी ताइपे की चेन सु यू से भिड़ेंगी जबकि तन्वी का सामना जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से होगा. तान्या हेमंत का सफर थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से 12-21, 15-21 से हारकर खत्म हो गया. भारत के हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के माइकल ओवेन और डायलन सोएदजासा की जोड़ी को 21-17, 21-7 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. अब वे अगले दौर में चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग की जोड़ी से भिड़ेंगे. ध्रुव रावत और के मनीषा की मिश्रित युगल जोड़ी दूसरे दौर में जापान के अकीरा कोगा और नात्सु सैतो की जोड़ी से 19-21, 18-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई.

भारत में जन्मे निखिल चौधरी को ऑस्ट्रेलिया की टी-20 टीम में पहली बार मौका, ट्रैविस हेड की लेंगे जगह

नयी दिल्ली: भारत में जन्मे और वर्तमान में तस्मानिया तथा होबार्ट हरिकेन्स के लिए खेलने वाले लेग स्पिन ऑलराउंडर निखिल चौधरी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है. उन्हें आराम दिए गए ट्रैविस हेड के स्थान पर टीम में जगह मिली है. इससे पहले 30 वर्षीय निखिल चौधरी भारत में पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं. उन्होंने 2017 से 2019 के बीच पंजाब के लिए 12 टी-20 और दो लिस्ट-ए मुकाबले खेले थे. निखिल वर्ष 2020 में अपने चाचा से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए थे. इसी दौरान कोविड महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ बंद हो गईं और वह वहीं रह गए. फिलहाल उनके पास 2027 तक वैध अस्थायी वीज़ा है. उनके पास अभी स्थायी निवास या ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं है, लेकिन आईसीसी नियमों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में पाँच वर्ष रहने के कारण वह राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के पात्र हो गए. ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने ग्रेड क्रिकेट से अपनी पहचान बनाई. इसके बाद तत्कालीन हरिकेन्स गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स की नजर उन पर पड़ी और उन्हें होबार्ट हरिकेन्स से अनुबंध मिला. निखिल ने पिछले तीन सत्रों में बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया. 2024-25 सीजन में हरिकेन्स को खिताब दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही. इसके बाद उन्होंने तस्मानिया के लिए लिस्ट-ए और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, जहाँ उन्होंने शेफील्ड शील्ड में अपना पहला शतक भी लगाया और पहली बार पाँच विकेट लेने का कारनामा किया. ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि निखिल काफी समय से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की नजर में थे. उन्होंने कहा, निखिल लंबे समय से राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं का हिस्सा रहे हैं. उन्होंने ब्रिस्बेन में प्री-सीजन शिविरों के दौरान टीम के साथ अभ्यास किया था. बिग बैश लीग में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया और अब उन्हें टीम में मौका दिया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि निखिल इस वर्ष आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के साथ भी जुड़े रहे हैं. भारत में जन्म लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले निखिल पहले खिलाड़ी नहीं होंगे. इससे पहले लेग स्पिनर रेक्स सेलर्स ने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था. वहीं महिला क्रिकेट में पूर्व कप्तान लिसा स्थालेकर, जिनका जन्म पुणे में हुआ था, ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बांग्लादेश दौरे पर निखिल अंतरराष्ट्रीय माहौल का अनुभव हासिल करेंगे और अगले सप्ताह होने वाले पहले टी-20 मुकाबले में चयन के दावेदार रहेंगे.

श्रीलंका सीरीज़ के लिए भारतीय महिला अंडर-19 टीम घोषित, भविका अहिरे को मिली कप्तानी

नयी दिल्ली: भारतीय महिला अंडर-19 टीम के चयनकर्ताओं ने गुरुवार को भारत दौरे पर आने वाली श्रीलंका महिला अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली शृंखला के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है. इस दौरे में तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे. दोनों प्रारूपों में विकेटकीपर बल्लेबाज़ भविका अहिरे को कप्तान बनाया गया है, जबकि महक नरवसे को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है. टी20 और एकदिवसीय टीमों में अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, हालांकि एकदिवसीय टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं. यह शृंखला युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मानी जा रही है.

भारतीय महिला अंडर-19 टी20 टीम : भविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर), इरा जाधव, तनिष्का शर्मा, ईश्वरी आवसरे, अवनी चावड़ा, माहतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवसे (उपकप्तान), काश्वी कांडिकुप्पा, मणियार मैत्री, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादी टागड़े, के दीक्षा (विकेटकीपर).

भारतीय महिला अंडर-19 एकदिवसीय टीम : भविका अहिरे (कप्तान, विकेटकीपर), इरा जाधव, दीया यादव, ईश्वरी आवसरे, वी प्रतीक्षा, माहतो निधि, पूर्वा सिवाच, कुमारी पलक, महक नरवसे (उपकप्तान), काश्वी कांडिकुप्पा, विधि परमार, गौरी गोयल, जानवी विकार, अनादी टागड़े, के दीक्षा (विकेटकीपर). **भारत में श्रीलंका महिला अंडर-19 दौरे का कार्यक्रम : (टी20 श्रृंखला - चेन्नई) :** 22 जून - पहला टी20 - दोपहर 1:00 बजे. 24 जून - दूसरा टी20 - दोपहर 1:00 बजे. 27 जून - तीसरा टी20 - दोपहर 1:00 बजे. एकदिवसीय श्रृंखला - पुडुचेरी. 30 जून - पहला मैच - सुबह 9:00 बजे. 3 जुलाई - दूसरा मैच - सुबह 9:00 बजे. 6 जुलाई - तीसरा मैच - दोपहर 2:00 बजे. भारत की युवा टीम इस घरेलू शृंखला में मजबूत प्रदर्शन के साथ भविष्य की अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए तैयारी करना चाहेगी.

डब्ल्यूपीएल और वनडे विश्व खिताब के बाद भारतीय महिला टीम को रोकना अब मुश्किल: नासिर हुसैन

मुंबई: इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2023 में महिला प्रीमियर लीग शुरू होने और महिला वनडे विश्व कप में खिताबी जीत के बाद भारतीय महिला टीम को रोकना अब मुश्किल है और इसकी गहराई अभी और बढ़ेगी. भारत ने 2025 में महिला वनडे विश्व कप जीता और टीम की सफलता का काफी श्रेय डब्ल्यूपीएल टी20 लीग को दिया गया जिसने भारत में महिला क्रिकेट की दशा और दिशा बदल दी. हुसैन ने जियो स्टार मीडिया डे में कहा, ''डब्ल्यूपीएल और 50 ओवरों के विश्व कप में मिली खिताबी जीत और उसके बाद के दृश्य को देखें तो भारतीय क्रिकेट में यह ऐसी ताकत है जिसे अब रोका नहीं जा सकता और आने वाले खिलाड़ियों में और गहराई आयेगी.'' उन्होंने कहा,''सबसे बड़ी बात गहराई है. भारत को दो खिलाड़ियों की कमी खलेगी जो चोट के कारण बाहर है. दो बेहतरीन खिलाड़ी, खासकर अमनजोत कौर.'' हुसैन ने कहा कि अतीत में भारतीय महिला टीम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर थी लेकिन पिछले कुछ साल में देखा है कि दूसरे खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भारत के सुपरस्टार पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव है. उन्होंने कहा ,''डब्ल्यूपीएल से पहले भारतीय टीम तीन या चार खिलाड़ियों पर निर्भर थी. विश्व कप फाइनल 2017 को देखें तो मिताली राज जैसे महान खिलाड़ी थे. वे अकेले किला लड़ाते थे और फिर तीन चार ऐसे खिलाड़ी टीम में रहे. अब देखें तो आपके सुपरस्टार खिलाड़ियों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है. जैसे पुरूष टीम में एक वैभव सूर्यवंशी आया और टीम में अपनी जगह बना ली.'' उन्होंने कहा, ''पहले भारतीय पुरूष टीम में दिल्ली या मुंबई के खिलाड़ी होते थे लेकिन अब अलग अलग शहरों से आ रहे हैं . ऐसे ही महिला टीम में भी है.''

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया

नयी दिल्ली: महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को बृहस्पतिवार को चार जुलाई से शुरू होने वाले श्रीलंका के दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट समिति ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा की. इस दौरे पर तीन वनडे और दो बहु-दिवसीय मैच खेले जाएंगे. टीम की अगुआई यशबर्धन सिंह चौहान करेंगे जबकि लक्ष्य रायचंदानी को उप-कप्तान नियुक्त किया गया. द्रविड़ जूनियर को एक दिवसीय टीम में रजत बघेल के साथ दो विकेटकीपिंग विकल्पों में से एक के तौर पर चुना गया है जबकि बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए विकेटकीपिंग के लिए मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को चुना गया है. सत्रह साल के अन्वय द्रविड़ ने पिछली वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक की अंडर-19 टीम की कप्तानी करते हुए टीम को क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाया था. इस टूर्नामेंट में उन्होंने छह मैच में कुल 220 रन बनाए जिसमें उनका शीर्ष स्कोर नाबाद 82 रन था. वह बेंगलुरु में हुई त्रिकोणीय घरेलू सीरीज के दौरान भारत की अंडर-19 'बी' टीम के लिए खेल चुके हैं. इस सीरीज में भारत ए और अफगानिस्तान अंडर-19 टीम भी शामिल थीं. घरेलू स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद उन्हें अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी के लिए टीम सी में भी चुना गया था. वहीं 2024 में द्रविड़ के बड़े बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया था लेकिन चोट के कारण वह श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे. **भारत की अंडर-19 वनडे टीम :** यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), विनीत वीके, अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, वुतकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शविन वी, काव्य परेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूद. **भारत अंडर-19 बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए टीम :** यशबर्धन सिंह चौहान (कप्तान), सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), पटेल कुश, मनाल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्य परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट.

पहले वनडे मैच के लिए धर्मशाला पहुंची टीम इंडिया

धर्मशाला: हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रोमांच लौटने जा रहा है. भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून को खेले जाने वाले पहले वनडे मुकाबले के लिए भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को धर्मशाला पहुंची. टीम इंडिया के गगल एयरपोर्ट (कांगड़ा) पर पहुंचते ही क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. बड़ी संख्या में पहुंचे फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते नजर आए. भारतीय टीम के आगमन को देखते हुए गगल एयरपोर्ट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट से बाहर निकाला गया. इसके बाद टीम इंडिया को सीधे धर्मशाला स्थित निजी होटल के लिए रवाना किया गया, जहां खिलाड़ी मैच से पहले ठहरेंगे और अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगे. एयरपोर्ट पर रोहित शर्मा, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल समेत अन्य खिलाड़ियों को देखकर फैंस काफी उत्साहित नजर आए. खिलाड़ियों ने भी हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया. वहीं भारत से पहले अफगानिस्तान क्रिकेट टीम भी कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंची. विमान के उतरने के समय हल्की बारिश हो रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने धर्मशाला के सुहावने मौसम का आनंद लिया. इसके बाद अफगान टीम को भी कड़ी सुरक्षा के बीच होटल पहुंचाया गया. एयरपोर्ट पर मौजूद क्रिकेट प्रशंसकों ने अफगान खिलाड़ियों का भी स्वागत किया और खिलाड़ियों ने हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया. भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला वनडे मुकाबला धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा. धौलाधार की पहाड़ियों के बीच बने इस खूबसूरत क्रिकेट मैदान में होने वाले मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह है. यह मुकाबला शनिवार दोपहर 1:30 बजे शुरू होगा. मैच के लिए ऑनलाइन टिकट बिक्री भी शुरू हो चुकी है और बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है. इस सीरीज में क्रिकेट फैंस विराट कोहली और हार्दिक पांड्या को मिस करेंगे. दोनों खिलाड़ी चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं बन पाए हैं. वहीं टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है. भारतीय टीम पहले वनडे में जीत के साथ सीरीज की शुरुआत करना चाहेगी, जबकि अफगानिस्तान की टीम भी मजबूत प्रदर्शन के इरादे से मैदान में उतरेगी.

न्यूज कॉर्नर

प्री-वेडिंग फोटोशूट बना मौत का कारण, मंगेतर के सामने कुंड में डूबा युवक

राजसमंदः राजसमंद जिले के दिवेर थाना क्षेत्र स्थित बागाना ग्राम पंचायत के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गौरीधाम में प्री-वेडिंग फोटोशूट के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 20 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई. पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमों ने करीब 20 घंटे तक चले संयुक्त रेस्क्यू अभियान के बाद युवक का शव गहरे कुंड से बाहर निकाला.दिवेर थाना प्रभारी दौलत सिंह के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के सुरजना चौकी निवासी अर्जुन दमामी अपनी मंगेतर और उसके चाचा के साथ गौरीधाम घूमने आया था. मंदिर पहुंचने के बाद चाचा परिसर में ही रुक गए, जबकि अर्जुन और उसकी मंगेतर फोटोशूट के लिए नीचे प्राकृतिक चट्टानों की ओर चले गए. फोटोशूट के दौरान अर्जुन पानी के निकट पहुंचा और नहाते हुए तस्वीरें खिंचवाने लगा. इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह सीधे पानी से भरे गहरे कुंड में जा गिरा. मंगेतर ने उसे बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचते, उससे पहले ही युवक पानी में समा चुका था.सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची तथा देर शाम तक तलाश अभियान चलाया, लेकिन अंधेरा होने और पानी की अधिक गहराई के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा. अगले दिन गुरुवार को उदयपुर से एसडीआरएफ की विशेष टीम बुलाई गई. संयुक्त अभियान के दौरान दोपहर में शव को कुंड से बाहर निकाला गया. दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र और संकरे रास्तों के कारण शव को लगभग 100 फीट ऊंची खड़ी चट्टान तक पहुंचाना रेस्क्यू दल के लिए बड़ी चुनौती साबित हुआ.अर्जुन की करीब एक माह पहले ही सगाई हुई थी और दिसंबर में विवाह होना तय था. शादी की तैयारियों के बीच हुए इस हादसे से दोनों परिवारों में शोक की लहर फैल गई. पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया.

रावतभाटा में डंपर की चपेट में आने से युवक की मौत, एक अन्य गंभीर घायल

चित्तौड़गढ़ः जिले के रावतभाटा क्षेत्र में रामटेकरी के समीप गुरुवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में डंपर की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया गया है. पुलिस के अनुसार नया बाजार निवासी युवराज गुर्जर (18) पुत्र देवराज गुर्जर बाइक से बाजार की ओर जा रहा था. इसी दौरान रामटेकरी के पास रेत-चूरी से भरे एक डंपर की चपेट में आ गया. हादसा इतना भीषण था कि डंपर का अगला हिस्सा उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसका एक पैर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई.इसी दौरान झरझनी निवासी रामलाल मेघवाल (50) की बाइक भी दुर्घटनाग्रस्त डंपर से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने दोनों को तत्काल उप जिला अस्पताल पहुंचाया. वहां चिकित्सकों ने युवराज को मृत घोषित कर दिया, जबकि रामलाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे कोटा के उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया गया.हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए. मृतक के परिजनों के विलाप से अस्पताल परिसर में माहौल गमगीन हो गया. स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी.रावतभाटा थाना प्रभारी संजीव स्वामी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त डंपर को जब्त कर जांच शुरू कर दी है. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है. पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं.परिजनों के अनुसार युवराज को करीब 15 दिन पहले ही नई बाइक दिलाई गई थी. उसके पिता और दादा पत्थर व्यवसाय से जुड़े हुए हैं. वहीं घायल रामलाल अपनी पत्नी को अस्पताल में चिकित्सकीय परामर्श दिलाने के बाद घर लौट रहा था, तभी वह दुर्घटना की चपेट में आ गया.

ऑपरेशन त्रिनेत्र, सदर चित्तौड़गढ़ पुलिस ने 140 किलो डोडा चूरा व अवैध पिस्टल पकड़ी

चित्तौड़गढ़ः सदर चित्तौड़गढ़ थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 140 किलो 700 ग्राम अवैध अफीम डोडाचूरा, एक अवैध देशी पिस्टल, मैगजीन एवं 4 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं. तस्करी में प्रयुक्त टाटा नेक्सोन कार को भी किया है. पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कार्यवाही जारी है. एएसपी मुकुल शर्मा के निर्देशन में व डीएसपी बृजेश सिंह के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी प्रेमसिंह के नेतृत्व में एसआई शिवराज मय जाप्ते की टीम का गठन किया. टीम ने हाईवे रोड पर नाकाबन्दी की थी. तभी एक व्यक्ति कोटा उदयपुर की तरफ से एक टाटा नेक्सोन कार लेकर आया, जिसको रोकना चाहा. लेकिन चालक ने कार को नहीं रोका. चालक नाकाबन्दी बेरियर के साईड से नाकाबन्दी तोड़ कर निकलने का प्रयास किया. पुलिस ने कार के स्टोप स्टीक लगाने से कार के खलासी साईड का आगे का टायर पंचर हो गया. चालक की गतिविधी संदिग्ध होने से कार की तलाशी ली तो टाटा नेक्सोन कार के डेशबोर्ड में लोडेड पिस्टल मय 4 जिन्दा राउण्ड रखी मिली. डिक्की में काले रंग के प्लास्टिक के कट्टे व एक काले रंग के कपडे का बोरे रखा मिला. जिन्हे जाप्ता पुलिस के सहयोग से उक्त कार से बाहर निकाल कर देखा गया तो कुल सभी 08 प्लास्टिक के कट्टों व 02 कपडे के बोरो में भरे हुवे मिले. इसमें डोडा चुरा का कुल वजन 140 किलो 700 ग्राम मय बारदान निकला.

पानीपत: मां की डांट से आहत हो बेटी ने फंदा लगाकर दी जान

पानीपतः पानीपत सनौली रोड स्थित आर्य नगर में एक 19 साल की युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतका की पहचान खुशबू के रूप में हुई है. परिवार के अनुसार, खुशबू ने कक्षा सात तक पढ़ाई करने के बाद करीब पांच साल पहले स्कूल छोड़ दिया था. इसके बाद वह अमूमन घर पर ही रहती थी और घर पर रहकर उर्दू की तालीम ले रही थी. खुशबू अपने छह भाई-बहनों में चौथे नंबर पर थी. अभी महज 11 दिन पहले ही खुशबू की बड़ी बहन की शादी हुई थी, जिसकी वजह से घर में अभी भी शादी का माहौल था और रिश्तेदार मौजूद थे. खुशबू के पिता इसराइल और मां शबनम दोनों ही फैक्ट्री में करते है. माता-पिता के काम पर चले जाने के बाद अक्सर घर में खुशबू और उसके छोटे भाई-बहनों के बीच किसी न किसी बात को लेकर कहासुनी और झगड़ा होता रहता था.बुधवार को भी जब माता-पिता फैक्ट्री में काम पर गए तो पीछे से बच्चों में आपस में विवाद हो गया. जब मां शबनम काम से लौटकर घर आई, तो उसने इसी बात को लेकर खुशबू को कड़ी डांट लगा दी. मां ने डांटते हुए खुशबू से यहां तक कह दिया कि अब वह घर पर खाली नहीं बैठेगी, बल्कि अब से उसे भी मां के साथ काम पर चलना होगा. मां की इसी डांट और काम पर चलने की बात को खुशबू बर्दाश्त नहीं कर पाई और वह गहरे सदमे में आ गई. इसी बात से परेशान होकर उसने बुधवार की रात को घर के भीतर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली.

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत

जिंदः जिला में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया. पुलिस मामले की जांच कर रही है. गांव छात्तर में मोहित की शादी थी. छात्तर गांव से बारात बड़ौदा जा रही थी. आर्टिगा गाड़ी में 9 युवक सवार थे. बुधवार देर रात को दिल्ली-पटियाला नेशनल हाइवे पर बड़ौदा गांव के पास आर्टिगा गाड़ी का टायर फट गया. जिसमें नौ युवक घायल हो गए. घायलों को परिजन हिसार अस्पताल में उपचार के लिए लेकर गए. जहां गांव छात्तर निवासी अंकुश व गांव करसिंधू निवासी दीपक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. उचाना थाना प्रभारीचंद्रपाल ने बताया कि रात को सूचना मिली थी उचाना-बड़ौदा के बीच एक्सीडेंट हुआ है. जानकारी मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को पहले उचाना नागरिक अस्पताल में लेकर गए. यहां चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया. जबकि अन्य घायलों को रेफर किया गया है.उधर, गांव बडनपुर निवासी बलवान तथा साहिल बुधवार रात नरवाना से बाइक पर सवार होकर गांव वापस लौट रहे थे. गांव के निकट ही सामने से आ रहे दूसरे बाइक ने उनके बाइक को टक्कर मार दी. जिसमें बलवान, साहिल तथा दूसरे बाइक पर सवार दोनों युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए. राहगीरों ने चारों घायलों को नागरिक अस्पताल नरवाना पहुंचाया.

कांग्रेस में बड़ी टूट और विस्फोट की संभावना- सांसद सीपी जोशी

उदयपुरः भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने कांग्रेस में चल रहे आंतरिक विवाद को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि पार्टी के भीतर गहरी खींचतान चल रही है और आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक विस्फोट देखने को मिल सकता है.उदयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अंदरखाने बहुत बड़ी जंग चल रही है, जिसे सभी लोग देख रहे हैं. अभी जो घटनाक्रम सामने आ रहा है वह केवल शुरुआत है, भविष्य में इससे भी बड़ी टूट देखने को मिल सकती है. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रही बयानबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए जोशी ने कहा कि यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है, इसलिए उन्हें टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है, लेकिन पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रहा संघर्ष अब खुलकर सामने आ रहा है. उन्होंने मानेसर प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय पायलट के लिए 'निकम्मा' और 'नकारा' जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया था, जिससे दोनों नेताओं के बीच मतभेदों की गंभीरता स्पष्ट होती है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सांसद जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं. उन्होंने जीएसटी, धारा 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कदमों को देशहित में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे निर्णयों की पहले कल्पना भी नहीं की जाती थी. जबरन धर्मांतरण के मामलों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सख्त कानूनों और प्रशासनिक सतर्कता के कारण ऐसे मामलों में काफी कमी आई है.

यदि कहीं शिकायत मिलती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी. वहीं हनुमान बेनीवाल द्वारा राजस्थान सरकार के मंत्रियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर जोशी ने प्रत्यक्ष टिप्पणी से बचते हुए मुस्कुराकर कहा कि बेनीवाल कब और किसके बारे में क्या कह दें, यह बात मीडिया उनसे बेहतर जानता है. प्रेस वार्ता में भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे.

लॉरेंस गैंग ने ली हांसी में जिम संचालक की हत्या की जिम्मेदारी

हिसारः हांसी के पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित फव्वारा चौक के पास गुरुवार तड़के हुई जिम संचालक कपिल की हत्या के तार लॉरेंस गैंग से जुड़ गए हैं. हत्या के लगभग पांच घंटे बाद लॉरेंस गैंग की ओर से हैरी बॉक्सर ने बाकायदा पोस्ट डालकर हत्या की जिम्मेदारी ली है. हालांकि पुलिस हत्या के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है लेकिन लॉरेंस गैंग की एंट्री से मामला हाई प्रोफाइल हो गया है.वारदात के करीब पांच घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर इस हत्या की जिम्मेदारी ली. फेसबुक पर डाली गई पोस्ट में हत्या की वजह शेखपुरा व ढाणी पुरिया में हुई फायरिंग से जोड़ा गया है. वारदात के पांच घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के हैरी बॉक्सर ने मर्डर की जिम्मेदारी ली है. लॉरेंस गैंग की पोस्ट में शेखपुरा और ढाणी पुरिया में फायरिंग केस का जिक्र है. असल में, 25 फरवरी 2025 को हांसी के गांव शेखपुरा के सरंपच प्रदीप लादी को डराने के लिए फायरिंग हुई थी.

पोक्सो कोर्ट का बड़ा फैसला, नाबालिक के दुष्कर्मियों को 20 साल का कारावास

चित्तौड़गढ़ः विशेष न्यायालय लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पोक्सो- 2)की न्यायाधीश शहनाज परवीन ने करीब 4 वर्ष पुराने नाबालिग के अपहरण और से दुष्कर्म के मामले में दो अभियुक्त को दोषी माना है. न्यायालय ने प्रत्येक अभियुक्त को 20 साल के कठोर कारावास व 4 लाख 20 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है.विशेष लोक अभियोजक शिवराजसिंह राठौड़ ने बताया कि ज़िले डूंगला थाने में 8 जून 2022 को एक व्यक्ति ने 27 मई 2022 को उसकी नाबालिग पुत्री का अपहरण होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. इस रिपोर्ट पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया और अनुसंधान शुरू किया. मामले में पप्पू लाल पुत्र कैलाश ननामा निवासी भागल थाना छोटीसादड़ी व कालूसिंह पुत्र राम सिंह निवासी राईगपुरिया थाना बड़ीसादड़ी को अपहरण, नाबालिग से दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस ने दोनों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया. विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की और से 17 गवाह और 33 दस्तावेज प्रस्तुत किया. इनके आधार पर न्यायाधीश शहनाज परवीन ने दोनों अभियुक्त को दोषी माना. न्यायाधीश ने पप्पू लाल उर्फ पप्पू सिंह तथा कालू सिंह को पोक्सो एक्ट की धारा 5 (एल)/ 6 के तहत 20 वर्ष का कठोर कारावास और एक-एक लाख रुपए जुर्माना, धारा 376 (3) के तहत 20-20 वर्ष का कठोर कारावास व एक-एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई. इसके साथ पप्पु सिंह उर्फ पप्पू लाल को अपहरण का भी दोषी मानते हुए धारा 363 के तहत 5 वर्ष का कठोर कारावास व 20 हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 366 के तहत 5 वर्ष का कठोर कारावास व 20 हजार रुपए के अर्थ दंड की भी सजा सुनाई. न्यायाधीश ने प्रकरण में अपील अवधि गुजरने के बाद दोनो दोषियों की और से जमा कराई गई जुर्माना राशि में से 4 लाख रुपए क्षतिपूर्ति के रुप में दिलाए जाने तथा पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत 2 लाख रुपए पीड़िता को दिलाने की भी अनुशंसा की है.

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए जयपुर में हुआ शंखनाद

जयपुरः गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर देशव्यापी स्तर पर चलाए जा रहे 'गौ माता सम्मान आह्वान अभियान' के दूसरे चरण की सफलता के लिए गुरूवार से राजधानी में एक बड़े आंदोलन की शुरुआत हुई. सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला के सुरभि भवन में गुरुवार से तीन दिवसीय भव्य गौ कथा का शुभारंभ हुआ.कामधेनु गौ भक्त महिला मंडल, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कथा के प्रथम दिन मंदिर परिसर से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई. गाजे-बाजे और गौमाता के संग निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई शामिल हुईं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया.

कथा के शुभारंभ पर ब्रह्म पीठाधीश्वर संत रामरतनदास महाराज, महामंडलेश्वर हरिशंकरदास वेदांती तथा महामंडलेश्वर मनोहरदास महाराज सहित अनेक पूज्य संतों-महंतों के सान्निध्य में विधि-विधान से व्यास पूजन और गौमाता का पूजन किया गया. व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए 'गौ, पर्यावरण एवं अध्यात्म चेतना पदयात्रा' के प्रणेता तथा श्री गोपाल परिवार के संस्थापक ग्वाल संत गोपाल महाराज ने कहा कि, गौमाता में सभी देवी-देवताओं का वास होता है, इसके बावजूद देश में आज गौमाता की हत्या हो रही है. यह संपूर्ण सनातन समाज के माथे पर एक बड़ा कलंक है. अब भारत भूमि पर हर हाल में गौहत्या रुकनी चाहिए. कथा के दौरान वहां मौजूद विशाल जनसमूह और देश के विभिन्न कोनों से आए साधु-संतों ने एक सुर में हाथ उठाकर गौमाता को राष्ट्रमाता बनाने का सामूहिक संकल्प लिया. यह गौ कथा आगामी 13 जून तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जाएगी. इसमें आमजन को गौ सेवा से जुड़ने का अवसर मिलेगा.

कथा के आयोजकों ने बताया कि इस त्रि-दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा को एक बड़े जनआंदोलन का स्वरूप देना है. इसके माध्यम से समाज में गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं.

मिलावटखोरों पर सख्ती: खाद्य सुरक्षा विभाग टीम ने जयपुर की डेयरियों पर मारे छापे

जयपुरः राज्य सरकार के 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध में मिलावट रोकने के लिए विशेष अभियान चलाते हुए जयपुर जिले में विभिन्न डेयरियों और दूध संग्रह केंद्रों पर औचक निरीक्षण किए. कार्रवाई के दौरान गाय के दूध के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए.अभिहित अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि गठित विशेष संयुक्त दल ने यह कार्रवाई की. विभाग द्वारा दूध में मिलावट करने वाले विक्रेताओं, संग्रहकर्ताओं और मिलावटी दूध लेने वाली डेयरियों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है.खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 10 जून को जाहोता स्थित फार्मर मिल्क डेयरी का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएस एक्ट) के तहत गाय के दूध का नमूना लिया. इसके बाद रामपुरा स्थित जयपुर गो संवर्धन समिति में देर रात निरीक्षण कर वहां से भी दूध का नमूना संग्रहित किया गया. कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए संयुक्त दल ने गुरुवार तड़के करीब 4:30 बजे ढाणी शेरावातों में शिव कुमार जाट के यहां पहुंचकर गाय के दूध का नमूना जांच के लिए लिया. निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के आधार पर संबंधित संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नोटिस जारी किए जाएंगे.विभाग ने बताया कि मिलावटी दूध के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण द्वारा चार विशेष खाद्य सुरक्षा दल गठित किए गए हैं. ये दल दूध उत्पादकों, संग्रहकर्ताओं और विक्रेताओं से संबंधित सूचनाएं एकत्र कर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखेंगे तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई करेंगे.

विवाहिता ने लगाई फांसी, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

फरीदाबादः सूरजकुंड थाना क्षेत्र के सेक्टर-46 स्थित सर्वम सोसाइटी में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली. घटना के बाद मौके पर पहुंचे मृतका के परिजनों ने पति और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए सोसाइटी परिसर में जमकर हंगामा किया. स्थिति तनावपूर्ण होती देख सूरजकुंड थाना पुलिस के साथ अतिरिक्त पुलिस बल और क्राइम ब्रांच की टीम को भी मौके पर बुलाना पड़ा. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआईसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है. सूरजकुंड थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार ने बताया कि पुलिस को बुधवार देर रात उन्हें सूचना मिली थी कि सेक्टर-46 स्थित सर्वम सोसाइटी के एक फ्लैट में एक विवाहिता ने फांसी लगा ली है. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. कुछ समय बाद मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंच गए. परिजनों ने युवती की मौत को आत्महत्या मानने से इंकार करते हुए उसके पति पर हत्या का आरोप लगाया और हंगामा शुरू कर दिया. पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान 23 वर्षीय सरसा के रूप में हुई. उसकी शादी करीब डेढ़ वर्ष पहले फरीदाबाद के सेक्टर-21सी निवासी प्रवीण के साथ हुई थी. शादी के बाद कुछ समय तक दोनों परिवार के साथ रहे, लेकिन पारिवारिक अनबन के कारण पिछले कुछ महीनों से पति-पत्नी सेक्टर-46 स्थित सर्वम सोसाइटी में किराए के फ्लैट में अलग रह रहे थे.

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना वाली रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी. इसके बाद सरसा अपने कमरे में चली गई. काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर प्रवीण ने उसे आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद उसने खिडक़ी से अंदर झांककर देखा तो सरसा पंखे से लटकी हुई दिखाई दी. यह देखकर उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी और अपने परिजनों को भी बुला लिया. मृतका मूल रूप से गुरुग्राम के बिलासपुर क्षेत्र की रहने वाली थी. सूचना मिलने पर उसके मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए. परिजनों का आरोप है कि सरसा की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए पंखे से लटकाया गया है.

वहीं पुलिस का कहना है कि फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी. थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जाएगी. घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. अभी तक मृतका के परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है. शिकायत मिलने के बाद उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल शव को ईएसआईसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा. पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा.

बेसमेंट की खुदाई में मिट्टी ढहने तीन महिला श्रमिकों की मौत

जयपुरः शहर के करणी विहार थाना क्षेत्र में गांधी पथ स्थित एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत में गुरुवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया. जहां बेसमेंट की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर ढह गया, जिससे वहां काम कर रही तीन महिला श्रमिक मलबे के नीचे दब गईं. गंभीर रूप से घायल महिलाओं को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि यह हादसा गुरुवार शाम करीब 4 बजे हुआ. निर्माणाधीन भवन के बेसमेंट की गहरी खुदाई का कार्य चल रहा था. इसी दौरान नीचे मिट्टी समतल करने और खुदाई कार्य में लगी तीन महिला मजदूरों के ऊपर ऊपरी हिस्से की कटी हुई मिट्टी का बड़ा ढेर अचानक गिर पड़ा. महिलाओं को संभलने या बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और वे मलबे में दब गईं. हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. फावड़ों और हाथों की मदद से मलबा हटाकर तीनों

महिलाओं को बाहर निकाला गया. सूचना मिलते ही करणी विहार और वैशाली नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया गया.

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि अस्पताल में चिकित्सकों ने तीनों महिलाओं को बचाने के लिए सीपीआर सहित सभी आवश्यक चिकित्सा प्रयास किए, लेकिन उनकी हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उन्हें नहीं बचाया जा सका. डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. मृतकों की पहचान बिहार निवासी सुनीता देवी, आनुती कुमारी और प्रतिमा कुमारी के रूप में हुई है.

तीनों महिलाएं मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं और निर्माण स्थल पर कार्यरत थीं. हादसे के बाद निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. पुलिस यह जांच कर रही है कि बेसमेंट की गहरी खुदाई के दौरान आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए थे या नहीं. मिट्टी को रोकने के लिए शटरिंग अथवा अन्य सुरक्षात्मक व्यवस्था थी या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जा रही है.

पुलिस ने निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार, साइट इंचार्ज और अन्य जिम्मेदार लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे या नहीं. मामले में निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की संभावित अनदेखी को लेकर कानूनी जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है तथा मृतक महिलाओं के परिजनों को सूचना दे दी गई है. जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

पुरानी रंजिश में कार से कुचल कर तीन की हत्या

पानीपतः पानीपत के समालखा में पुरानी रंजिश के चलते कार से कुचल कर तीन हत्याएं कर दी गई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सौ किलोमीटर की रफ्तार से तीन लोगों पर स्कॉर्पियो चढ़ाकर मौत के घाट उतार दिया गया. मृतकों में दो दोस्त और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं. मरने वाले दो दोस्तों में एक प्रॉपर्टी डीलर, दूसरा बी-टेक पास है. मृतकों के परिजनों का आरोप है कि पुरानी रंजिश में ये तीनों हत्याएं की गई.परिजनों बयानों के आधार पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है. जानकारी के अनुसार, गांव डिकाडला निवासी नरेंद्र सिंह और विनोद स्कूटी पर खेत से घर लौट रहे थे. रास्ते में उन्हें अनिप गाहल्याण मिल गया. तीनों खड़े होकर आपस में बात कर रहे थे, तभी गांव आट्टा की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार से चला रहे स्कॉर्पियो चालक उन्हें टक्कर मार कर कुचलता हुआ मौके से वाहन सहित फरार हो गया.टक्कर इतनी जोरदार थी कि नरेंद्र और अनिप की मौके पर ही मौत हो गई.

सुडोकू-74

		3		2				1
6		7	9		8			
			5	3	6		2	7
3			8	4		1		
	8	5				2	3	
		1		7	5			8
8	6		7	9	3			
			6		4	7		9
5				8		3		

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -73 का उत्तर

1	2	3	7	6	5	4	8	9
5	6	7	4	8	9	3	1	2
4	8	9	3	1	2	6	5	7
3	4	1	2	9	8	7	6	5
7	9	8	6	5	4	1	2	3
2	5	6	1	3	7	9	4	8
9	7	2	8	4	6	5	3	1
6	3	5	9	2	1	8	7	4
8	1	4	5	7	3	2	9	6

युवा शक्ति माथापच्ची- 95

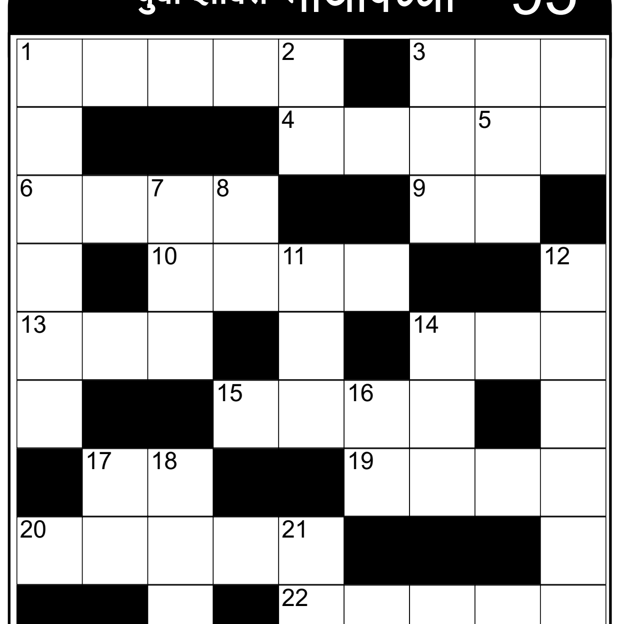

● बाएं से दाएं

1. विवरण, रपट, 4. कुल धन, 6. स्थिर, दृष्टि, 9. अहं, अहंकार, बहुवचन उत्तम पुरुष, 10. झंझट, व्यर्थ की वस्तु, 13. स्मरण करना, तोते की तरह याद करना, 14. गरीब, दरिद्र, 15. विनीत भाव से, 17. धोखे में आया हुआ, 19. होड, प्रतियोगिता, 20. अखंड, 22. नया करना, नया बनाना, पुनर्निर्माण,

● उपर से नीचे

1. भेद खोलना, बताना, 2. रग, 3. समझौता, 5. दशरथ नंदन, 7. एडी के उपर निकली हुई हड्डी, 8. कीडे-मकोडे, 11. राजा का सम्बोधन, 12. फिर से तय करना, नए सिरे से आकलन, 14. होनी, भाग्य, 16. ब्राह्मण, पुरोहित, 17. चित्र, 18. फायदे के लिए, 21. शरीर,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 94 का हल

क	ह	ना		मा		सु	म	न
ला		म		न	म	न		मा
		रु	स			ना	रा	ज
नि	र	प	रा	ध			ज	
	सो		य		आ		स	
	इ			वि	रो	धा	भा	स
ब	या	र			ह	र		
ह		ज	ल	ना		दा		क
स	जा	त		ना		र	म	ण

सच्चे भक्तों की रक्षार्थ भगवान हर हाल में आते हैं : श्रद्धेय मालीराम शास्त्री

कृष्ण जन्मोत्सव के उत्साह आनंद में झूमे श्रद्धालु

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : 'भक्त और संत बनने की कोशिश मत करो, संत के चरण पकड़ के बैठ जाओ, भगवान जब आयेंगे तो पहले तुम्हारा उद्धार करेंगे बाद में संत का.' ये उद्गार परम श्रद्धेय भागवत मर्मज्ञ मालीराम जी शास्त्री ने आज बिका बैंक्वेट, उल्टाडांगा में पुरूषोत्तम मास के अवसर पर श्री महेश कुमार शर्मा (नेचुरल सिटी) के यजमानत्व में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस की कथा का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये. उन्होंने कहा कि अगर भक्त की पुकार में धार हो तो भगवान को उसकी रक्षा के लिए आना ही पड़ेगा और अपने सच्चे भक्तों की रक्षा के लिए तो वो जिस रूप में जरूरत हो, उस रूप में आते हैं, जहां जरूरत हो वहां पहुंच जाते हैं. नृसिंह अवतार इसका अन्यतम उदाहरण है. गजेन्द्र मोक्ष की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि पारिवारिक मोह-माया में जीव इतना उलझ जाता है कि वह भूल जाता है कि एक समय के बाद उसके कल्याण का आधार भगवान का भजन ही होगा. आज कथा प्रसंग के अनुसार, मथुरा-गोकुल-वृंदावन के रूप में सुसज्जित आयोजन स्थल पर श्रद्धेय शास्त्री के श्रीमुख से प्रवाहित सुमधुर भजनों पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने झूमते नाचते हुए कृष्ण जन्मोत्सव का उत्साह आनंद मनाया. संयोजक द्वय श्री मनीष-मुकेश शर्मा ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए बताया कि कथा के पंचम दिवस (12 जून) कृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा सहित विविध प्रसंगों पर कथा प्रवचन होगा. कथा 14 जून तक चलेगी.

श्री बड़ाबाजार लोहापट्टी सेवा समिति के पुनः अध्यक्ष चुने गए दिनेश कुमार बिहानी

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: श्री बड़ाबाजार लोहापट्टी सेवा समिति की नई कार्यकारिणी के लिए संपन्न हुए चुनाव में जीतकर आई टीम ने अध्यक्ष पद के लिए दिनेश कुमार बिहानी का नाम फिर से चुना. उपाध्यक्ष पद के लिए दिनेश कुमार कालानी, सुरेंद्र बेरीवाल, सचिव पद के लिए गोविंद रांधड़, संयुक्त सचिव विजय कुमार दारुका, नवनीत सादानी, कोषाध्यक्ष विकास नेवटिया, संयुक्त कोषाध्यक्ष सोमनाथ कुमार व समन्वयक पद पर सुशील कुमार अग्रवाल चुने गए. पंकज कुमार गोयल, मनोज कुमार बंसल, प्रदीप जालान, राजीव कुमार सिंघी, अमित कुमार अग्रवाल, संदीप कुमार खेतावत, दिनेश डालमिया, बिमल कुमार टिबड़ेवाल, पवन कुमार कनोई, तरुण गोयल, सचिन बेरीवाल, त्रिलोक गोयल नई कार्यकारिणी में शामिल किए गए. इलेक्शन के बाद दूसरी टर्म फिर अध्यक्ष बने दिनेश कुमार बिहानी ने कहा कि बहुत सारे काम अब इस नए सत्र में हमें पूरे करने है तो इलेक्टेड हुई नई टीम ने कहा कि कुछ नया और बेहतर कर पाएँ इसकी पूरी कोशिश रहेगी.

नीरज गांधी के पचासवें जन्मदिवस के अवसर पर पारिवारिक सदस्यों के साथ साथ पिकल वॉल के मित्रों के साथ केक काटकर इसे यादगार बनाया. युवा शक्ति परिवार इनके सुदीर्घ, मंगलमय और सुखमय जीवन की कामना करता है.

पीडब्ल्यूडी मंत्री की पहली बैठक में आसनसोल शिल्पांचल की सड़कों पर चर्चा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के नव नियुक्त लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने पदभार संभालने के बाद पहली विभागीय समीक्षा बैठक में ही आसनसोल शिल्पांचल की जर्जर सड़कों की स्थिति को प्रमुखता से उठाया. गुरुवार को नवान्न में आयोजित बैठक में विभागीय अधिकारियों और वरिष्ठ अभियंताओं के साथ विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई. मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं को तय समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए. उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए विभाग में रिक्त पदों पर जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए. आगामी मानसून को देखते हुए राज्यभर की सड़कों की स्थिति और मरम्मत कार्यों की भी समीक्षा की गई. मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बारिश के दौरान सड़क पर गड्ढों की वजह से आम लोगों को किसी तरह की परेशानी या दुर्घटना का सामना न करना पड़े. इसके लिए क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा गया. डॉ. पोद्दार ने अपने विधानसभा क्षेत्र कुल्टी सहित आसनसोल शिल्पांचल की कई महत्वपूर्ण सड़कों का मुद्दा उठाया. उन्होंने नियामतपुर से डिसेरगढ़ स्थित छिन्नमस्ता मंदिर जाने वाली सड़क, बराकर रेलवे स्टेशन से बराकर-बेगुनिया-पुरुलिया संपर्क मार्ग, आसनसोल की प्रमुख सड़कों तथा रानीगंज क्षेत्र की खराब सड़कों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत और पुनर्निर्माण कराने का निर्देश दिया. बैठक में चुनावी घोषणा पत्र में शामिल विकास योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई. मंत्री ने अधिकारियों से अधिक सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका निभाते हुए विकास कार्यों को गति देने का आह्वान किया.

मंत्री के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नए एमएलसी ने की मुलाकात

युवा शक्ति न्यूज़

पटना: ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार के नेतृत्व में पार्टी के चार नव मनोनीत एमएलसी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया. इसमें वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, भारती मंडल, ललन प्रसाद और शिवरानी देवी शामिल हैं. मंत्री श्रवण कुमार ने सभी को शुभकामनाएं दी और सदन में सरकार के पक्ष में एकजुट होकर रहने के साथ ही लोक उपयोगी मुद्दों को निरंतर उठाने की बात कही. इस दौरान नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन सर्राफ, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के उप-मुख्य सचेतक मनजीत कुमार सिंह समेत अन्य मौजूद थे.

पूर्व विधायक अदिति मुंशी के कार्यालय से राहत सामग्री बरामद होने के आरोप

कोलकाताः पूर्व तृणमूल विधायक और कीर्तन कलाकार अदिति मुंशी के राजारहाट-गोपालपुर स्थित पार्टी कार्यालय से कथित रूप से राहत सामग्री बरामद होने के आरोप को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. गुरुवार को राजारहाट-गोपालपुर के भाजपा विधायक तरुणज्योति तिवारी पार्टी कार्यालय पहुंचे और उनकी मौजूदगी में वहां तलाशी अभियान चलाया गया. भाजपा विधायक तरुणज्योति तिवारी ने आरोप लगाया कि कार्यालय के कई कमरों की तलाशी के दौरान तिरपाल, साड़ियां, धोती सहित विभिन्न सरकारी सामग्री मिली हैं.

उन्होंने कहा कि जो काम पुलिस को करना चाहिए था, वह उन्हें करना पड़ रहा है. घटना की सूचना पाकर बागुईआटी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. आरोप है कि आम लोगों की सहायता के लिए सरकार की ओर से आवंटित राहत सामग्री का वितरण नहीं किया गया और उसे पार्टी कार्यालय में जमा करके रखा गया था. भाजपा विधायक का दावा है कि कार्यालय में इससे भी अधिक राहत सामग्री रखी गई थी, जिसे पहले ही वहां से हटा दिया गया. उन्होंने इस मामले में अदिति मुंशी और उनके पति देवराज चक्रवर्ती पर गंभीर आरोप लगाए हैं. तिवारी का कहना है कि लोगों के लिए निर्धारित राहत सामग्री को रोककर पार्टी कार्यालय में रखा गया था. उन्होंने यह भी दावा किया कि कार्यालय से नशीले पदार्थों से संबंधित सामग्री भी मिली है. घटना के बाद इलाके में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है. हालांकि, इन आरोपों पर अभी तक तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है.

पैटन समूह के एमडी संजय बुधिया उद्योग, वाणिज्य और उद्यम (एंटरप्राइज) विभाग के मंत्री तापस रॉय और इसी विभाग की राज्य मंत्री श्रीमती मौमिता बिस्वास मिश्रा से मुलाकात करते हुए. इस मुलाकात के दौरान नई सोच, इनोवेशन (नवाचार) और उद्योग के विकास पर चर्चा हुई. उन्होंने इसे एक बहुत ही प्रेरक मुलाकात कहा.

रूबी पार्क पब्लिक स्कूल (आरपीपीएस) के छात्र सम्प्रीत दत्ता ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) द्वारा बैचलर ऑफ स्टैटिस्टिक्स (ऑनर्स) प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा में शानदार ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 124 हासिल किया है. संस्थान ने कहा है कि इस अद्भुत सफलता पर उसे गर्व है.

भारत गौरव सम्मान-2026 स्व. श्री निर्मल कुमारजी सेठी की जीवन-साधना का वैश्विक अभिनंदन

ललित कुमार जैन मंत्री
श्री दिगम्बर जैन पंचायत, विजयनगर

इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका मूल्यांकन उनके जीवनकाल में पूर्णतः संभव नहीं हो पाता. समय बीतने के साथ उनके कार्यों की व्यापकता, उनके चिंतन की गहराई और उनके योगदान का वास्तविक महत्व समाज के सामने अधिक स्पष्ट होकर उभरता है. स्वर्गीय श्री निर्मल कुमारजी सेठी ऐसे ही विरल व्यक्तित्वों में से एक थे. 10 जून 2026 को मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया) में विक्टोरिया की माननीय सांसद द्वारा उन्हें मरणोपरांत प्रदान किया गया भारत गौरव सम्मान-2026 वस्तुतः एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक युगीन चिंतन, एक सांस्कृतिक आंदोलन और एक आजीवन साधना का सम्मान है. यह सम्मान ऐसे समय में प्राप्त हुआ है जब समाज अपनी ऐतिहासिक जड़ों को पुनः खोजने का प्रयास कर रहा है. ऐसे परिप्रेक्ष्य में श्री निर्मल कुमारजी सेठी का जीवन और अधिक प्रासंगिक हो जाता है. उनका व्यक्तित्व केवलश्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (धर्म संरक्षणी) महासभा के लगातार चार दशको तक अध्यक्ष, एक सफल व्यवसायी या एक सामाजिक कार्यकर्ता तक सीमित नहीं था. वे उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में थे जो स्वयं से अधिक अपने समाज, अपनी संस्कृति और अपने धर्म के भविष्य के बारे में चिंतित रहते हैं. उनका जीवन इस विचार का जीवंत उदाहरण था कि व्यक्ति की वास्तविक सफलता उसकी व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज को दी गई दिशा में निहित होती है. लगभग चार दशकों तक श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का नेतृत्व करते हुए उन्होंने जैन समाज को संगठनात्मक शक्ति प्रदान की, परंतु उनकी दृष्टि केवल संगठन तक सीमित नहीं थी. वे समझते थे कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान, उसके नैतिक मूल्य और उसकी ऐतिहासिक चेतना में निहित होती है. यही कारण था कि उन्होंने धर्म, संस्कृति, तीर्थ संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवा जागरण और सामाजिक एकता को समान महत्व दिया. उनके जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी पक्ष जैन संस्कृति की वैश्विक विरासत के प्रति उनकी गहरी चिंता थी. उन्होंने बहुत पहले यह अनुभव कर लिया था कि जैन धर्म केवल भारत की सीमाओं तक सीमित ऐतिहासिक परंपरा नहीं है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक छाप विश्व के अनेक देशों और सभ्यताओं में बिखरी हुई है. प्राचीन व्यापार मार्गों, सांस्कृतिक संपर्कों और यात्राओं के माध्यम से जैन संस्कृति के अनेक पुरातात्त्विक, स्थापत्य और सांस्कृतिक चिन्ह विश्व के विभिन्न भागों में विद्यमान हैं. इन धरोहरों की खोज, पहचान, संरक्षण और प्रलेखन को वे केवल अतीत की खोज नहीं, बल्कि भविष्य के निर्माण का कार्य मानते थे. उनकी दृष्टि में जैन धर्म का वैश्विक परिचय केवल दर्शन या धार्मिक सिद्धांतों के माध्यम से नहीं, बल्कि उसकी ऐतिहासिक उपस्थिति और

सांस्कृतिक योगदान के माध्यम से भी स्थापित होना चाहिए. यही कारण था कि उन्होंने देश और विदेश में जैन विरासत के अध्ययन, संरक्षण और प्रचार-प्रसार को विशेष प्रोत्साहन दिया. आज जब विश्वभर में सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण पर गंभीर कार्य हो रहा है, तब श्री निर्मल कुमार जैन सेठी की यह सोच और भी अधिक दूरदर्शी प्रतीत होती है. वास्तव में, यदि उनके जीवन के किसी एक स्वप्न को आज भी अधूरा कहा जा सकता है, तो वह विश्व में बिखरी जैन धरोहरों के व्यवस्थित संरक्षण और उनके वैश्विक दस्तावेजीकरण का स्वप्न है. यह केवल जैन समाज का विषय नहीं, बल्कि विश्व सांस्कृतिक इतिहास का विषय है. महासभा का यह एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है कि वे इस दिशा में उनके विचारों को आगे बढ़ाएँ और जैन संस्कृति की वैश्विक पहचान को पुनः स्थापित करने के लिए संगठित प्रयास करें. श्री निर्मल कुमारजी सेठी का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि नेतृत्व केवल वर्तमान का प्रबंधन नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारी भी है. उन्होंने समाज को केवल समस्याओं से जूझना नहीं सिखाया, बल्कि उसे अपनी पहचान, अपनी धरोहर और अपनी सांस्कृतिक शक्ति के प्रति जागरूक बनाया. इसी संदर्भ में उनके सुपुत्र श्री धर्मेन्द्र सेठी द्वारा उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला जैन धरोहर दिवस विशेष महत्व रखता है. प्रारंभ में यह आयोजन श्रद्धांजलि का माध्यम था, किंतु समय के साथ यह एक सांस्कृतिक अभियान का स्वरूप ग्रहण करता जा रहा है. भारत गौरव सम्मान-2026 प्राप्त होने के पश्चात इस आयोजन की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है. आज जैन धरोहर दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं रह गया है, बल्कि यह उस चिंतन को जीवित रखने का माध्यम बन गया है जिसके लिए श्री निर्मल कुमारजी सेठी ने अपना जीवन समर्पित किया था. यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि किसी समाज की पहचान उसके वर्तमान वैभव से नहीं, बल्कि उसकी संरक्षित धरोहरों, उसके जीवंत मूल्यों और उसकी सांस्कृतिक चेतना से निर्मित होती है. यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने, जैन इतिहास के प्रति गौरवबोध जगाने और सांस्कृतिक संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी का बोध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है. भारत गौरव सम्मान-2026 के आलोक में स्व. श्री निर्मल कुमारजी सेठी के जीवन को देखते हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि यह सम्मान केवल उनके अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि उनके भविष्य-दृष्टा चिंतन की भी स्वीकृति है. यह सम्मान उस व्यक्ति को समर्पित है जिसने समाज को संगठन दिया, संस्कृति को संरक्षण दिया, धर्म को जन-जन से जोड़ा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण छोड़ गया. मेलबोर्न में प्राप्त यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान हम सभी को गौरवान्वित अवश्य करता है, किन्तु साथ ही एक उत्तरदायित्व भी सौंपता है- उस विरासत को आगे बढ़ाने का उत्तरदायित्व, जिसकी नींव श्री निर्मल कुमारजी सेठी ने अपने जीवन की तपस्या से रखी थी. आज सम्पूर्ण जैन समाज, विशेषकर असम और उत्तर-पूर्व भारत का समाज, इस सम्मान को अपना सम्मान मानता है. यह सम्मान हमें प्रेरित करता है कि हम केवल उनके कार्यों का स्मरण न करें, बल्कि उनके अधूरे स्वप्नों को पूरा करने का संकल्प भी लें. स्वर्गीय श्री निर्मल कुमारजी सेठी हमारे बीच नहीं है , परंतु उनका चिंतन आज भी जीवित है. उनकी स्मृति एक प्रेरणा है, उनकी दृष्टि एक दिशा है और उनकी विरासत एक ऐसी ज्योति है जो आने वाली पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करती रहेगी. भारत गौरव सम्मान-2026 वास्तव में एक महान व्यक्ति के सम्मान से आगे बढ़कर उस सांस्कृतिक चेतना का सम्मान है, जिसे स्व. श्री निर्मल कुमारजी सेठी ने अपने जीवन से प्रकाशित किया. भारत गौरव सम्मान-2026 के इस गौरवपूर्ण अवसर पर श्री दिगम्बर जैन पंचायत, विजयनगर स्वर्गीय श्री निर्मल कुमारजी सेठी को श्रद्धापूर्वक स्मरण करती है. विजयनगर समाज के साथ उनका आत्मीय संबंध, उनका मार्गदर्शन तथा समाज के भविष्य के प्रति उनकी दूरदर्शी सोच सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी.

www.thejunctiongroup.com
Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —
Customised Workplace Solutions
1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.

Flexible Options
- Private Cabins
- Enterprise Solutions
- Meeting Rooms
- Dedicated & Coworking

FOR MORE DETAILS, CONTACT US!
98744 14000/5, 98745 28385
itsupport@thejunctiongroup.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन